শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 335 | गुवाहाटी | मंगलवार, 4 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

पूर्वोत्तर समेत पूरे देश में बजरंग दल के जरिए निकालेगी शौर्य जागरण यात्रा पेज 3
वंदे भारत ट्रेनों के लिए नए मेंटेनेंस शेड के निर्माण का रास्ता साफ पेज 4
मुख्यमंत्री योगी ने की नाथपंथ के गुरुजन की विशिष्ट पूजा पेज 5
मुख्तार अंसारी के मुद्दे पर गरमाई पंजाब की सियासत पेज 8

पूर्वोत्तर समेत आदिवासी क्षेत्र हो सकते हैं यूसीसी के दायरे से बाहर

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर राज्यों समेत देश के कुछ हिस्सों में आदिवासी समूहों को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के दायरे से बाहर रखने पर विचार किया जा सकता है। भाजपा सांसद सुशील कुमार मोदी ने सोमवार को अपनी अध्यक्षता वाली कानून व न्याय संबंधित संसदीय समिति की बैठक में यह विचार रखा। इस बैठक में यूसीसी के स्वरूप को लेकर शुरूआती चर्चा करते हुए उनकी राय ली गई। बैठक में विभिन्न दलों के 17 सांसद एवं विधि आयोग के सदस्य शामिल थे। सबकी राय के आधार पर रिपोर्ट तैयार होगी, जिसे संसद में पेश किया जाएगा। विधि आयोग के प्रतिनिधियों ने बताया कि अब तक यूसीसी पर 19 लाख सुझाव मिल चुके हैं। अंतिम तिथि 13 जुलाई तक यह संख्या लगभग 25 लाख तक पहुंच जाने की उम्मीद है। सुशील मोदी ने अपने सुझाव में पूर्वोत्तर एवं अन्य आदिवासी क्षेत्रों को प्रस्तावित यूसीसी के दायरे से अलग रखने की बात करते हुए कहा कि सभी कानूनों में अपवाद होते हैं। देश में पहले से भी कई कानून हैं, जिनमें उन्हें कुछ रियायत मिली हुई है। कई कानून ऐसे भी हैं, जिनमें पूर्वोत्तर राज्यों में की सहमति के बिना वहां लागू नहीं होते है। बैठक में तृणमूल कांग्रेस का कोई सदस्य नहीं आया, जबकि कांग्रेस एवं डीएमके समेत विपक्ष के कुछ सदस्यों ने प्रस्तावित यूसीसी को चुनावी फायदे के लिए बताया और कहा कि इस विवादित विषय पर विमर्श का अभी यह उचित समय नहीं है। बसपा एवं शिवसेना उद्धव गुट ने यूसीसी का समर्थन किया। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने भी विरोध नहीं किया, लेकिन समर्थन भी नहीं किया। शिवसेना के संजय राउत ने कहा कि कई देशों में यह कानून है। विभिन्न समुदायों एवं क्षेत्रों की व्यापक चिंता एवं विमर्श के बाद ही इसपर विचार किया जाना चाहिए। कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा एवं डीएमके सांसद पी विल्सन ने अपने लिखित बयान में यूसीसी पर सुझाव आमंत्रित करने के लिए विधि आयोग के कदम पर सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि पिछले आयोग ने यूसीसी को जरूरी नहीं बताया था। यूसीसी पर बने पिछले आयोग को 75 हजार सुझाव मिले थे, जिसके आधार पर एक रिपोर्ट तैयार भी कर ली गई थी। उसमें कई तरह की विसंगतियों का जिक्र किया गया था, जिसके बाद महसूस किया गया कि यूसीसी पर नए तरीके से विचार किया जाए। अब नए सुझावों के आधार पर विधि आयोग अपनी रिपोर्ट तैयार कर सरकार के पास अनुशंसा करेगा, जिसे कानून का रूप देने के लिए संसद में पेश किया जाएगा। इसके पहले जरूरत पड़ी तो संसदीय समिति की और बैठकें भी हो सकती हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 जून को -शेष पृष्ठ दो पर

भारत की सीनियर टीम में जगह बनाने वाली असम की पहली महिला क्रिकेटर बनीं उमा छेत्री

राज्य में क्रिकेट एक शानदार नए अध्याय में प्रवेश किया : सीएम

गुवाहाटी। बाधाओं को तोड़ने के लिए प्रेरित करने वाली मां द्वारा पाले गए, असम के गोलाघाट जिले की 20 वर्षीय उमा छेत्री ने देश की राष्ट्रीय टीम में नामित होने वाले इस पूर्वोत्तर राज्य से पहली क्रिकेटर बनकर इतिहास रच दिया है। उमा इस महीने बांग्लादेश दौरे पर जाने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम का हिस्सा होंगी। उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को ट्विटर पर लिखा कि असम में क्रिकेट एक शानदार नए अध्याय में प्रवेश कर गया है क्योंकि हम गर्व से भारतीय महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम में अपना पहला प्रतिनिधित्व देख रहे हैं। उमा छेत्री को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए बधाई। उपलब्धि, नीली जर्सी पहनने के लिए हमारे राज्य से अग्रणी बनना! हम बांग्लादेश के आगामी दौरे में उमा और -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा : केंद्र ने एससी में कहा- हालात में धीरे-धीरे हो रहा सुधार

इंफाल। मणिपुर हिंसा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर जनहित याचिका का केंद्र और मणिपुर सरकार ने जवाब दिया है। सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि राज्य में स्थिति में धीरे-धीरे सुधर रही है। सॉलिसीटर जनरल ने कोर्ट में जवाब देते हुए कहा कि केंद्रीय बलों की 114 कंपनियां मणिपुर में तैनात की गई हैं और हालात सुधर रहे हैं। इसके विरोध में मणिपुर ट्राइबल फोरम के वकील ने कहा कि कुकी समुदाय पर हमले हो रहे हैं और इससे निपटने में सरकार नाकाम है। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर सरकार से राज्य में -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने नलबाड़ी में फ्लाईओवर सहित कई परियोजनाओं का किया उद्घाटन

नलबाड़ी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ आज नलबाड़ी पहुंचे। मंत्री चंद्र मोहन पटवारी और जयंत मल्लबरुवा के साथ सांसद दिलीप सैकिया और पूर्व विधायक अशोक शर्मा भी मुख्यमंत्री के साथ थे। नलबाड़ी पहुंचकर उन्होंने गणेश मंदिर को हरि मंदिर से जोड़ने वाले गौरव रोड का सौंदर्यीकरण कर के बनाए गए मार्ग का लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने कोच राजबंशी के जिला कार्यालय में चिलाराय भवन की आधारशिला रखी और जनता को संबोधित किया। इस आयोजन के बाद नलबाड़ी के बहुप्रतीक्षित हरि मंदिर -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

दो हजार के 76 प्रतिशत नोट बैंकों में वापस आए : आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि चलन में मौजूद 2,000 रुपए के नोट वापस लेने के निर्णय के बाद से 76 प्रतिशत नोट यानी 2.72 लाख करोड़ रुपए के नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। इनमें से ज्यादातर नोट लोगों ने अपने बैंक खाते में जमा कराए हैं। केंद्रीय बैंक ने 19 मई, 2023 को अचानक से 2,000 रुपए के नोट को वापस लेने का निर्णय किया था। लोगों से बैंक जाकर 30 सितंबर तक 2,000 रुपए के नोट अपने खातों में जमा करने या दूसरे मूल्य के नोट से बदलने को कहा गया है। रिजर्व बैंक के अनुसार, -शेष पृष्ठ दो पर

अजित खेमे का पहला विकेट गिरा, सांसद कोल्हे पवार के साथ

नई दिल्ली। एनसीपी से बागी हुए अजित पवार को 24 घंटे के अंदर ही बड़ा झटका लग गया है। बीते दिन उनके शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए सांसद अमोल कोल्हे ने अब मन बदल लिया है। अमोल ने कहा कि वे शरद पवार का साथ कभी नहीं छोड़ सकते और कल जो हुआ वो काफी गलत था। सांसद अमोल ने बताया कि कल जो हुआ वो जनता के साथ धोखा था। उन्होंने बताया कि अजित उन्हें और अन्य नेताओं को बिना बताए शपथ ग्रहण समारोह में ले गए थे। अमोल ने कहा कि वे शरद पवार के साथ हैं और इसको लेकर कल शरद पवार से भेंट करेंगे। दूसरी ओर शरद पवार ने भी कहा कि उनके भतीजे अजित पवार की बगावत को उनका आशीर्वाद प्राप्त नहीं है। पवार ने कहा कि यह -शेष पृष्ठ दो पर

तीन महीने में बदल दूंगा पूरा खेल : शरद पवार

मुंबई। एनसीपी नेता अजित पवार की बगावत के बीच शरद पवार ने प्रेस कांफ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने अजित पवार के फैसले पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि मुझे छोड़कर जाने वाले पहले भी चुनाव हार चुके हैं। उन्होंने कहा कि पूरा खेल 3 महीने में बदल दूंगा, अजित पवार के साथ जो भी विधायक गए हैं, वो भी वापस आ जाएंगे। शरद पवार ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि मुझसे किसी भी विधायक ने बात नहीं की। ये सब मेरे लिए नया नहीं है, पहले भी ऐसा देखा गया है। उन्होंने कहा कि राज्य -शेष पृष्ठ दो पर

सुदक्षिणा शर्मा का निधन, मुख्यमंत्री शर्मा ने जताया शोक

गुवाहाटी (हि.स.)। भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की छोटी बहन और प्रमुख संगीतकार सुदक्षिणा शर्मा का आज (सोमवार) सुबह 8:25 बजे निधन गया। वो लंबे समय से बीमार थीं। उन्होंने 89 आयु में गुवाहाटी मेडिकल कालेज ऐंड अस्पताल (जीएमसीएच) में अंतिम सांस ली। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने उनके निधन पर गहरा शोक जताया है। सुदक्षिणा शर्मा गीतकार और संगीतकार दिलीप शर्मा की पत्नी थीं। आठ अगस्त, 1934 को जन्मी सुदक्षिणा शर्मा का बचपन में नाम निरुपमा हजारिका था। घर पर हर कोई उन्हें क्वीन कहता था। रूपकोंवर ज्योतिप्रसाद अग्रवाल ने उन्हें क्वीन हजारिका नाम दिया था। उन्होंने पहली बार रेडियो पर क्वीन हजारिका के नाम से ही गीत -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

नौकरी के बदले जमीन : लालू, तेजस्वी और राबड़ी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत में नौकरी के बदले जमीन संबंधित कथित घोटाले में आरोप पत्र दाखिल किया। चार्जशीट में बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी देवी सहित कई फर्मों व अन्य लोगों के नाम आरोपी के रूप में शामिल हैं। सीबीआई ने अपने विशेष लोक अभियोजक एडवोकेट डीपी सिंह के माध्यम से अदालत को सूचित किया गया है कि मामले में एक नया आरोप पत्र दायर किया गया है। सीबीआई के अनुसार एक आरोप पत्र पहले ही दायर किया जा चुका है क्योंकि कथित कृत्य एक अलग तरीके से किया गया है। अदालत को यह भी सूचित किया गया कि लालू और तीन अन्य के -शेष पृष्ठ दो पर

नाबालिग के साथ किया दुष्कर्म, हत्या के बाद शव को फेंका

गुवाहाटी। असम से मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। दरअसल, यहां पर पुलिस ने 16 साल की नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। फिलहाल, उसके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने जानकारी दी कि आरोपी ने एक आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली 16 साल की नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर उसकी हत्या कर के शव फेंक दिया। उन्होंने बताया -शेष पृष्ठ दो पर

बिना अनुमति हज यात्रा करने वाले 17 हजार से ज्यादा हिरासत में

रियाद। सऊदी अरब की पुलिस ने यहां के अधिकारियों की अनुमति के बिना हज यात्रा करने का प्रयास करने वाले 17 हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। सऊदी प्रेस एजेंसी (एसपीए) ने सोमवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। एसपीए ने बताया कि सऊदी सुरक्षा बलों ने हज के लिए आवश्यक कानूनी मंजूरी के बिना यात्रा कर रहे करीब 17,615 लोगों को हिरासत में लिया, इनमें से 9,509 लोगों ने निवास, कार्य और सीमा सुरक्षा के नियमों का उल्लंघन -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
भाग्य पुरुषार्थी के पीछे चलता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

असम और मेघालय में तीव्र बारिश की आशंका, अलर्ट जारी

गुवाहाटी। भारतीय मौसम विभाग ने सोमवार को भविष्यवाणी की है कि असम और मेघालय के कई हिस्सों में आगामी 7 जुलाई भारी बारिश होने की संभावना है। विभाग ने इस सप्ताह पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भारी बारिश की वापसी की भविष्यवाणी की है, जिससे इस क्षेत्र को बाढ़ से राहत नहीं मिलेगी। बारिश को मौजूदा मानसून ट्रफ से बढ़ावा मिलेगा, साथ ही बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण भी इस मामले में सहायता कर सकता है। आईएमडी की भविष्यवाणी के अनुसार, अगले पांच -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र के महासंकट पर बेंगलुरू में मंथन करेंगे विपक्षी दिग्गज

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में शरद पवार की एनसीपी में फूट से लगे तगड़े झटके के बीच विपक्षी एकता को आगे बढ़ाने के लिए दूसरी बैठक 17-18 जुलाई को बेंगलुरू में होगी। विपक्ष की एकता के प्रयासों के साथ तोड़-फोड़ के जरिए विपक्षी दलों को कमजोर करने की गंभीर होती चुनौतियों पर इस बैठक में चर्चा की जाएगी। अजीत पवार को तोड़े जाने के घटनाक्रम ने विपक्षी खेमे के एकता प्रयासों को हिला कर रख दिया है और इसीलिए विपक्षी रणनीतिकार हालात को संभालने के लिए सक्रिय हो गए हैं। एनसीपी की फूट केवल शरद पवार को ही झटका नहीं है बल्कि समूचे विपक्ष के लिए एक बड़ा संकट बन गया है। तभी विपक्षी दिग्गज इस चुनौती से निपटने के लिए शरद पवार को न केवल नैतिक समर्थन दे रहे हैं बल्कि राजनीतिक मजबूती देने के प्रयासों में भी जुट गए हैं। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इसके मद्देनजर ही 17-18 जुलाई को बेंगलुरू में विपक्षी दलों की दूसरी बैठक बुलाए जाने की तारीखों का ऐलान करने में देरी नहीं लगाई। एनसीपी संकट सामने आने से पूर्व इस बैठक की तारीखों पर उहापोह और की स्थिति थी। लेकिन अजीत पवार की बगावत के बाद विपक्ष के सामने नई चुनौतियों पर मंथन कर रास्ता निकालने की पहल करने के अलावा विकल्प नहीं रह गया। बेंगलुरू बैठक में महाराष्ट्र से बढ़ी -शेष पृष्ठ दो पर

विदेश मंत्री ने खालिस्तानियों का किया विरोध, कहा-

कट्टरपंथी विचारधारा अच्छी नहीं

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि कट्टरपंथी, चरमपंथी खालिस्तानी सोच भारत या अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे उसके सहयोगी देशों के लिए अच्छी नहीं है। भाजपा के संपर्क अभियान से इतर पत्रकारों से बात करते हुए जयशंकर ने कहा कि सरकार खालिस्तान समर्थक पोस्टरों का मुद्दा उठाएगी जो हाल ही में कनाडा में आयोजित एक रैली का हिस्सा थे। मंत्री ने कहा कि हमने कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे अपने साझेदार -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

राष्ट्रीय एकता के लिए हिंदी है जरूरी : मांडविया

नई दिल्ली। देश की व्यापक विविधता के बावजूद हिंदी के प्रचार और बढ़ते उपयोग से लोगों को एक आम राष्ट्रीय आवाज के साथ संवाद करने में मदद मिलती है। यह बात केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को *हिंदी सलाहकार समिति* की बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय भाषा की प्रधानता को समझना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह हमारी अभिव्यक्ति के लिए एक मंच प्रदान करता है और राष्ट्रीय एकता व अखंडता के लिए एक पुल भी प्रदान करता है। हम अपनी क्षेत्रीय भाषाओं का इस्तेमाल कर सकते हैं लेकिन हमें राष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी का सम्मान करना चाहिए। आइए, हम सभी हिंदी का उपयोग एक ऐसी भाषा के रूप में करें जो हमारे राष्ट्रीय चरित्र को आकार देने में हमारी मदद करे। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल और डॉ. भारती प्रवीण पवार भी मौजूद थे। हिंदी सलाहकार समिति, केंद्र सरकार के प्रत्येक मंत्रालय में हिंदी में आधिकारिक कार्य को बढ़ावा देने के लिए गठित एक समिति है, जिसमें एक वर्ष में कम से कम दो बैठकें आयोजित करने का प्रावधान है। मांडविया ने आधिकारिक कामकाज में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय स्तर पर की जा रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में भी बताया। मांडविया ने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, गृह मंत्रालय के आधिकारिक भाषा विभाग द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ है, ताकि आधिकारिक भाषा हिंदी का प्रचार किया जा सके और वार्षिक कार्यक्रम में जिन लक्ष्यों का जिक्र किया गया है, उन्हें पूरा किया जा सके। मंत्रालय, हिंदी को हमारी राष्ट्रीय और सांस्कृतिक एकता के प्रतीक के रूप में मान्यता देता है, जो हमारे सामूहिक राष्ट्रवाद को दर्शाता है। इस अवसर पर राज्य मंत्री पवार ने कहा कि हिंदी भाषा मधुर व आसान दोनों है और इसके प्रचार को न केवल इसलिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए क्योंकि यह हमारी परंपरा और विरासत का हिस्सा है, बल्कि लोगों के साथ बेहतर तरीके से जुड़ने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। वहीं, राज्य मंत्री बघेल ने सभी से सरकारी कामकाज में हिंदी के उपयोग को उत्तरोत्तर बढ़ाने का भी आग्रह किया। उन्होंने अधिकारियों के बीच हिंदी के उपयोग के बारे में बेहतर जागरूकता और प्रचार पर जोर दिया। मंत्रालय की विभिन्न गतिविधियों में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए बैठक में मौजूद गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विभिन्न सुझाव और इनपुट भी दिए गए। बघेल ने एलोपैथी, होम्योपैथी और आयुर्वेद की सभी शाखाओं की दवाओं का नाम हिंदी में रखने का सुझाव दिया, विशेष रूप से हिंदी भाषी बेल्ट में। उन्होंने यह भी प्रस्ताव दिया कि डॉक्टरों को हिंदी में दवाएं लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने तर्क दिया कि इससे लोगों को समझने में मदद मिलेगी और हिंदी के उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। बघेल ने यह भी कहा कि आधिकारिक उद्देश्यों के लिए हिंदी के उपयोग को बढ़ाया जाना चाहिए ,ताकि लोग हिंदी में बोलने में गर्व महसूस करें, और इस धारणा का भी मुकाबला कर सकें कि केवल अंग्रेजी एक आधुनिक भाषा है। अन्य सदस्यों ने पूरे भारत में ऐसी बैठकें आयोजित करने का सुझाव दिया, जिससे लोगों को गर्व की भावना के साथ हिंदी में बोलने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

ब्रिटेन में गुजराती शादी के दौरान चलीं गोलियां

लंदन। ब्रिटेन में गुजराती एसोसिएशन के एक शादी समारोह में गोलीबारी होने की खबर है। गनीमत रही कि गोलीबारी में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि किस कारण गोलीबारी हुई और गोलीबारी करने वाले लोग कौन थे? पुलिस ने आरोपियों की पहचान के लिए लोगों से मदद मांगी है और कहा है कि जिसे भी घटना के बारे में जानकारी मिले, वह पुलिस को सूचित करे। घटना ब्रिटेन के वेस्ट मिडलैंड क्षेत्र के वोल्वरहैंप्टन इलाके की है। जहां शनिवार रात को गुजराती एसोसिएशन का एक शादी समारोह का कार्यक्रम चल रहा था। इस कार्यक्रम में 100 से ज्यादा मेहमान मौजूद थे। वोल्वरहैंप्टन पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति ने पार्किंग में खड़ी गाड़ियों पर फायरिंग की। इसके बाद शादी समारोह से किसी व्यक्ति ने फायरिंग करने वाले व्यक्ति की तरफ फायरिंग की। गनीमत रही कि इस गोलीबारी में किसी को गोली नहीं लगी। पुलिस का कहना है कि ये किस्मत की बात ही थी हादसे में कोई घायल नहीं हुआ वरना लोगों की जान भी जा सकती थी। पुलिस घटनास्थल पर सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। साथ ही पुलिस शादी समारोह में मौजूद मेहमानों से भी पूछताछ कर रही है ताकि हमलावरों के बारे में कोई सुराग मिल सके। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि जिसे भी हादसे के बारे में जानकारी हो, वह पुलिस को सूचित करे।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत

डिफू (हिंस)। पश्चिम कार्बी आंगलोंग में हुई एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई तथा दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा रविवार की देररात डिमा हसाउ के उमरांग्सू-लंका रोड पर 23 किलो इलाके में हुआ। पुलिस द्वारा मीडिया को आज दी गई जानकारी के अनुसार यह हादसा उस समय हुआ जब एक ट्रक (एएस-01जीसी-8111) और अल्टो कार (एएस-01-ईयू-1393) की आमने-सामने टक्कर हो गई। इसमें एक व्यक्ति की मौत घटनाएसथल पर ही हो गई। मृतक युवक की पहचान पश्चिम आंगलोंग के लांग्सार निवासी विक्रम क्रो के रूप में हुई है। हादसे में अल्टो वाहन में सवार गंभीर रूप से घायल तीन अन्य लोगों को इलाज के लिए होजाई जिला भेजा गया। लेकिन, रिकांग्मिहम गांव के धरम तेरांग की होजाई पहुंचने से पहले बीच राएसते में ही मौत हो गई। इस बीच, दो घायल महिलाओं, देवरी तिनाली निवासी अंजलि तेरांग्पी और रिकांग्मिहम गांव की मीना रोंगहांग्पी का वर्तमान में होजाई में ईलाज चल रहा है।

असम में बाढ़ की स्थिति में सुधार

गुवाहाटी (हिंस)। असम में बाढ़ की स्थिति लगातार सुधर रही है। असम राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक राज्य के पांच जिलों के 1519 से अधिक नागरिक प्रभावित हुए हैं। राज्य की सभी नदियों का जलएसतर तेजी से घट रहा है। सभी खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। इस बार बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। कई नदियों के तटबंध टूट गए हैं और सड़कें क्षतिग्रएसत हो गई हैं। विभाग ने रविवार देरशाम बाढ़ प्रभावित पांच जिलों के आंकड़े जारी किए। यह जिले बजाली, धेमाजी, गोलाघाट, कामरूप (ग्रामीण) और कोकराझाड़ हैं। बाढ़ से नौ राजएसव सर्किल के 95 गांवों के 1519 लोग प्रभावित हुए हैं। 583.00 हेक्टेयर फसल भी प्रभावित हुई है। बाढ़ प्रभावितों के लिए नॉर्थ गुवाहाटी में एक और कोकराझाड़ में एक राहत शिविर एसथापित किया गया है। इन शिविरों में 121 प्रभावित रुके हुए हैं। बाढ़ से राज्य के कुल 4 747 पशु धन प्रभावित हुए हैं। इनमें बड़े पशुओं की 4542 और छोटे पशुओं की 160 है। इसके अलावा 45 कुक्कुट भी प्रभावित हुए हैं। राज्य सरकार ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में सभी तरह के जरूरी प्रबंध किए हैं।

जंगली भैंसे के हमले में एक की मौत

शोणितपुर (हिंस)। शहर तेजपुर के बरघाट पुलिस चौकी अंतर्गत तेजपुर भोजखोवा चापरी गांव में सोमवार सुबह जंगली भैंसे के हमले में एक ग्रामीण की मौत हो गई। बताया गया कि भोजखोवा गांव में गाय चरा रहे मन्ताज अली पर सोमवार को जंगली भैंस ने अचानक हमला कर दिया, जिसके चलते उसकी मौत हो गई। एसथानीय लोगों का कहना है कि सूचना के बावजूद वन विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंची। तेजपुर सदर थाने के प्रभारी और बरघाट पुलिस चौकी के प्रभारी मौके पर पहुंचे और शव को पोएसटमॉर्टम के लिए अएसपताल भेज दिया। पुलिस ने एक प्राथमिकी भी दर्ज कर ली है।

राजनीतिक पार्टियां ऑनलाइन दे सकेंगी वित्तीय ब्योरा, चुनाव आयोग ने शुरू किया पोर्टल

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सोमवार को एक ऑनलाइन पोर्टल की शुरुआत की। सभी राजनीतिक पार्टियों को अपने वित्तीय विवरण की जानकारी इस पोर्टल पर देनी होगी। वित्तीय विवरण के साथ ही राजनीतिक पार्टियों को चुनाव खर्च और पार्टी को मिलने वाले आर्थिक योगदान की भी जानकारी देनी होगी। देश में चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से चुनाव आयोग ने इस ऑनलाइन पोर्टल की शुरुआत की है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार बीते एक साल से इस पोर्टल पर काम कर रहे थे। यह पोर्टल चुनाव आयोग की 3सी रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत राजनीतिक फंडिंग और खर्च में पारदर्शिता और जवाबदेही मजबूत रखने के लिए सफाई, अवैध फंडिंग पर कार्रवाई और नियमों का अनुपालन शामिल है। बता दें कि जो राजनीतिक पार्टियां अपने वित्तीय विवरण का ब्योरा नहीं पेश करेंगी, उन्हें इसका लिखित में कारण बताना होगा। साथ ही सीडी और पैन ड्राइव के साथ तय फॉर्मेट में रिपोर्ट फाइल करनी होगी। चुनाव आयोग सभी रिपोर्ट्स को ऑनलाइन प्रकाशित करेगा। चुनाव आयोग ने इस संबंध में सभी राजनीतिक पार्टियों को पत्र लिखा है। पोर्टल पर योगदान रिपोर्ट, ऑडिट वार्षिक रिपोर्ट और चुनाव खर्च का विवरण दर्ज करने की सुविधा मिलेगी। उल्लेखनीय है कि जन प्रतिनिधि कानून, 1951 के तहत आयोग समय-समय पर राजनीतिक दलों को वित्तीय विवरण चुनाव आयोग को मुहैया कराना जरूरी है।

पृष्ठ एक का शेष

पूर्वोत्तर समेत आदिवासी...

मध्य प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यूसीसी का संकेत दिया था। उन्होंने कहा था कि अलग-अलग नियमों से परिवार नहीं चलता। उसी तरह दोहरी कानून व्यवस्था से देश नहीं चल सकता। हमारा संविधान भी सबको समान अधिकार की गारंटी देता है।

भारत की सीनियर ...

टीम का समर्थन करते हैं, मैदान पर उनकी शानदार सफलता की कामना करते हैं। बोकाखाट के कंदुलिमारी गांव में उनके आवास से उमा के भाई बिजॉय छेत्री ने कहा कि हमें कल देर रात खबर मिली। हम आज सुबह उनसे एक बार बात कर सके। हम सभी उस पर बेहद खुश हैं और हमें उस पर गर्व है। अपने पांच भाई-बहनों के बीच वह इकलौती लड़की है और वह सबसे छोटी है। बिजॉय ने कहा कि उसने क्रिकेट के प्रति तब रुझान दिखाया जब वह प्लास्टिक का बल्ला उठा सकती थी। जब वह कक्षा 5 या 6 में थी, तो उसने बोकाखाट स्टेडियम में क्रिकेट को और अधिक पेशेवर तरीके से खेलना शुरू कर दिया। उनकी मां, एक ऐसी महिला थीं, जिन्होंने स्वयं बहुत कम औपचारिक शिक्षा प्राप्त की थी, लेकिन अपनी बेटी को वह सब हासिल करने देने की लालसा रखती थीं, जो वह चाहती थीं, उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि उमा सिर्फ अपने लिंग के कारण पीछे न रहें। उमा की मां ने कहा कि एक महिला के रूप में मुझे बाधाओं का सामना करना पड़ा है। लेकिन मैं नहीं चाहती थी कि मेरी बेटी सिर्फ इसलिए अपने सपने पूरे न करे क्योंकि वह एक लड़की है। किसानों और दिहाड़ी मजदूरों के परिवार से संबंधित उनकी साधारण पृष्ठभूमि ने भी उमा को अपने जुनून का पीछा करने से नहीं रोका। गोलाघाट जिला खेल संघ के कोषाध्यक्ष अर्जॉय शर्मा ने उमा को उसके शुरुआती वर्षों से बोकाखाट स्टेडियम में अभ्यास करते देखा था। उन्होंने कहा कि 2011-12 के आसपास, हमने स्टेडियम के बगल में स्थित बोकाखाट हिंदी हाई स्कूल की एक लड़की को देखा, जो यहां लड़कों के साथ क्रिकेट खेलने आता था। जब वह नियमित रूप से आती थी, तो हमारे कोच उससे संपर्क करते थे, और जैसे ही उमा ने अपनी प्रतिभा दिखाई तभी उसकी पेशेवर कंडीशनिंग शुरू हो गई। शर्मा ने आगे कहा कि उमा के पहले कोच राजा रहमान और मेहबूब आलम थे और अब भी, वह नियमित रूप से आलम के तहत अभ्यास करती हैं। उधर असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) के पूर्व संयुक्त सचिव ने कहा कि उमा की प्रतिभा और प्रदर्शन विभिन्न स्तरों पर चमका और हमने भी उन्हें आगे बढ़ने में मदद की। उमा इस सप्ताह के अंत में मुंबई में भारतीय टीम में शामिल होंगी और फिर बांग्लादेश के मीरपुर के लिए रवाना होंगी, जहां 9 जुलाई से शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में सभी मैच खेले जाएंगे। टीम में यास्तिका भाटिया और उमा छेत्री के रूप में दो विकेटकीपर होंगे। भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी-20 और इतने ही वनडे मैच खेलने हैं।

मणिपुर हिंसा : केंद्र ...

जातीय हिंसा को रोकने के लिए उठाए गए कदमों, बेघर और हिंसा प्रभावित लोगों के लिए पुनर्वास शिविरों के लिए उठाए गए कदमों, बलों की तैनाती और कानून व्यवस्था की स्थिति पर विस्तृत स्थिति रिपोर्ट मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई 10 जुलाई को तय की है।

सीएम ने नलबाड़ी में ...

रेलवे फ्लाईओवर का औपचारिक उद्घाटन किया गया। नलबाड़ी में पहले फ्लाईओवर के उद्घाटन के साथ ही नलबाड़ी शहर से नलबाड़ी मेडिकल कॉलेज तक यातायात को हरी झंडी दिखाकर सिटी बस सेवा शुरू की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने नलबाड़ी जिला भाजपा के बहुप्रतीक्षित कार्यालय का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने गर्दन हायर सेकेंडरी स्कूल में एक हजार सीट क्षमता वाले ऑडिटोरियम की आधारशिला भी रखी।

दो हजार के 76...

मूल्य के हिसाब से मार्च, 2023 में कुल 3.62 लाख करोड़ रुपए के नोट 2,000 रुपए के थे। यह 19 मई, 2023 को कारोबारी समय खत्म होने के बाद घटकर 3.56 लाख करोड़ रुपए रह गया था। रिजर्व बैंक ने बयान में कहा कि बैंकों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, 19 मई को 2,000 रुपए के नोट चलन से हटाने के निर्णय के बाद से 30 जून, 2023 तक 76 प्रतिशत यानी 2.72 लाख करोड़ रुपए के नोट वापस आ गए हैं। बयान के अनुसार कि इसके परिणामस्वरूप 30 जून को कारोबारी समय समाप्त होने के बाद चलन में 84 हजार करोड़ रुपए के 2,000 के नोट रह गए थे। विभिन्न बैंकों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 2,000 रुपए के जो नोट वापस आये हैं, उसमें से करीब 87 प्रतिशत लोगों ने अपने बैंक खातों में जमा किए हैं, जबकि 13 प्रतिशत अन्य मूल्य के नोट से बदले गए हैं।

अजित खेमे का पहला ...

कहना एक तुच्छ बात होगी। केवल कम बुद्धि वाले लोग ही ऐसा कह सकते हैं। शरद पवार ने कहा कि मैं राज्य के दौरे पर निकला हूं और कार्यकर्ताओं को प्रेरित करूंगा। कुछ नेताओं ने जो किया है उससे उन्हें निराश नहीं होना चाहिए।

तीन महीने में ...

में सत्ता का दुरुपयोग हो रहा है। जो छोड़कर गए हैं। उनमें से किसी से भी मेरी कोई बात नहीं हुई है। एनसीपी प्रमुख शरद पवार का कहना है कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल को उन विधायकों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने का अधिकार है, जिन्होंने कल महाराष्ट्र कैबिनेट में शपथ ली थी। उन्होंने कहा कि मेरे पास पहले विधायकों के जाने के दो-तीन पुराने अनुभव हैं, आगे नतीजे अच्छे होंगे। शरद पवार ने आगे कहा कि अजित पवार खेमे से कई लोगों ने मुझे फोन किया और कहा कि उनकी विचारधारा एनसीपी से अलग नहीं है और वे अगले कुछ दिनों में अंतिम फैसला लेंगे। साथ ही शरद पवार ने अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि उनके भतीजे अजित पवार की बगावत को उनका आशीर्वाद प्राप्त नहीं है। पवार ने कहा कि यह कहना एक तुच्छ बात होगी। केवल कम बुद्धि वाले लोग ही ऐसा कह सकते हैं। शरद पवार ने कहा कि मैं राज्य के दौरे पर निकला हूं और कार्यकर्ताओं को प्रेरित करूंगा। कुछ नेताओं ने जो किया है उससे उन्हें निराश नहीं होना चाहिए। अजित की बगावत पर शरद पवार ने कहा कि वह किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेंगे। जैसा कि कुछ लोगों ने अलग तरह से काम किया है, व्यक्तिगत रूप से मैं वह व्यक्ति नहीं हूं, जो दुर्भावना को पालकर कार्य करता हो।

नौकरी के बदले ...

खिलाफ धाराओं पर मंजूरी का इंतजार है। यह कथित घोटाला उस समय हुआ जब लालू प्रसाद कांग्रेस नीत केंद्र की यूपीए-1 सरकार में रेल मंत्री थे। आरोप है कि 2004-09 की अवधि के दौरान भारतीय रेलवे के विभिन्न क्षेत्रों में समूह *डी* पदों पर विभिन्न व्यक्तियों को नियुक्त किया गया था और इसके बदले में संबंधित व्यक्तियों ने तत्कालीन रेल मंत्री प्रसाद के परिवार के सदस्यों को और इस मामले में लाभार्थी कंपनी *एके इंफोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड* को अपनी जमीन हस्तांतरित की थी। बता दें कि नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में सीबीआई राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी से पूछताछ कर चुकी है। इसके अलावा ईडी ने राजद प्रमुख के परिवार के परिसरों में छापे मारे थे। ईडी ने छापेमारी के बाद कहा था कि उसने एक करोड़ रुपए की आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक नकदी बरामद की है और अपराध में इस्तेमाल 600 करोड़ रुपए के लेनदेन का पता लगाया है। लालू प्रसाद के परिवार और उनके सहयोगियों की तरफ से रियल एस्टेट समेत विभिन्न क्षेत्रों में किए गए और निवेश का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। इस मामले में तेजस्वी यादव और उनकी बड़ी बहन और सांसद मीसा भारती भी पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष भी पेश हुई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उनका बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया था।

नाबालिग के साथ ...

कि आरोपी ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया और फिर उसकी हत्या कर दी। अपने जुर्म को छुपाने के लिए आरोपी ने लड़की के शव को नदी किनारे फेंक दिया। इसके बाद स्थानीय लोगों की उसपर नजर पड़ी। स्थानीय लोगों ने शव की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। जांच-पड़ताल करने के बाद पता चला कि पास के गांव में एक बच्ची कुछ समय से लापता थी। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि कक्षा 8वीं में पढ़ने वाली पीड़िता बीते सोमवार अपना फोन रिचार्ज कराने के लिए निकली थी, लेकिन फिर वापस नहीं आई। परिजनों ने बच्ची को खोजने की काफी कोशिश की, लेकिन जब वह नहीं मिली तो पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी। इस घटना की खबर फैलते ही स्थानीय लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया और जल्दी से कार्रवाई करने की मांग करने लगे। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लिया जा चुका है और उसके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही, बताया कि आरोपी पेशे से एक ऑटो ड्राइवर है और उसने अपना अपराध कबूल भी कर लिया है।

बिना अनुमति हज ...

किया। एजेंसी ने बताया कि तीर्थयात्रियों को बिना अनुमति के हज स्थलों तक ले जाने के आरोप में अन्य 33 लोगों को गिरफ्तार किया गया। बता दें कि पिछले सप्ताह, 20 लाख से अधिक लोगों ने हज किया, जो मुसलमानों के सबसे पवित्र शहर मक्का की वार्षिक इस्लामी तीर्थयात्रा है। एजेंसी के अनुसार, कोरोना वायरस के बाद से यह पहली बार है, जब सऊदी अधिकारियों ने इतनी बड़ी संख्या में लोगों को हज करने की अनुमति दी।

सुदक्षिणा शर्मा का ...

गाया था। शादी होने के बाद ससुर दीनानाथ शर्मा ने विनम्र और मुस्कुराते हुए स्वभाव के कारण उनका नाम सुदक्षिणा रख दिया। तब से उन्हें सुदक्षिणा शर्मा के नाम से जाना जाने लगा। कुलीन परिवार में जन्मीं सुदक्षिणा शर्मा बचपन में ज्योति प्रसाद अग्रवाल, बिष्णुप्रसाद अग्रवाल, फणी शर्मा जैसे लोगों के संपर्क में आईं। वह महज दस साल की थीं, तब कोलकत्ता में बिष्णु प्रसाद राभा की देखरेख में कमलनारायण चौधरी के साथ अपनी आवाज में चार गाने रिकॉर्ड किए। इनमें *विश्वरे संदे संदे...* और *ओ मोइना...* प्रमुख हैं। उन्होंने 1947 में महात्मा गांधी के असम आगमन पर पानबाजार के जुबली गार्डन में *ऐ जय रघु नंदन...* गाया था। 2002 में सुदक्षिणा शर्मा को पति दिलीप शर्मा के साथ संगीत के क्षेत्र में अग्रणी योगदान के लिए संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है कि असम की सांस्कृतिक दुनिया की प्रमुख सितारा और प्रमुख संगीतकार सुदक्षिणा शर्मा के निधन से दुख हुआ है। असमिया संगीत को समृद्ध करने वालीं शर्मा का निधन राज्य के सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। मैं दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। सुदक्षिणा शर्मा के निधन पर पूरे असम के साथ-साथ सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्रों के लोगों ने भी शोक व्यक्त किया है।

महाराष्ट्र के महासंकट...

सियासी मुसीबत पर चर्चा विपक्षी दिग्गजों के एजेंडे में शामिल होगा। वेणुगोपाल ने ट्वीट में बैठक की तारीखों का ऐलान करते हुए इसे जाहिर करते हुए कहा कि पटना में बेहद सफल सर्व-विपक्षी बैठक में फासीवादी और अलोकतांत्रिक ताकतों को हराने के अपने अटूट संकल्प पर हम कायम हैं और बेंगलुरू बैठक में देश आगे बढ़े इसके लिए एक साहसिक दृष्टिकोण पेश करेंगे। राज्यसभा में टीएमसी के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने भी वेणुगोपाल का समर्थन करते हुए कहा कि बेंगलुरु शिखर सम्मेलन ऑल फॉर वन, वन फॉर ऑल। कांग्रेस के संचार महासचिव जयराम रमेश ने भी अपने तीखे ट्वीट में महाराष्ट्र की उथल-पुथल से पैदा हुई स्थिति पर बेंगलुरू में मंथन का संकेत देते हुए कहा कि जब मुंबई में भाजपा वॉशिंग मशीन अपने आईसीई (इनकम टैक्स, सीबीआई, ईडी) डिटर्जेंट के साथ फिर से शुरू हुई, तो विपक्षी एकता पर भाजपा-प्रेरित श्रद्धांजलियां लिखी जाने लगी। लेकिन श्रद्धांजलि लिखने वाले निराश होंगे। 23 जून को पटना में मिले दलों की अगली बैठक बेंगलुरु में होगी। कुछ भी हो मुंबई ऑपरेशन ने विपक्ष के संकल्प को मजबूत किया है। रमेश ने टवीट में *मोदी वॉशिंग पाउडर* की एक तस्वीर टैगलाइन *सारे दाग चुटकियों में धुले* (एक पल में सभी दाग हटा देता है) के साथ टैग करते हुए पीएम पर निशाना साधा। विपक्षी खेमे के तमाम दिग्गज पवार को राजनीतिक और नैतिक समर्थन देते हुए हालात को संभालने के लिए अपनी भूमिका निभा रहे हैं। यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने रविवार को ही अजीत की बगावत के बाद शरद पवार से फोन पर बात कर अपना समर्थन जताया। द्रमुक प्रमुख तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन, वामपंथी दलों के नेताओं के साथ सपा प्रमुख अखिलेश यादव, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद से लेकर विपक्षी खेमे के सभी प्रमुख नेता शरद पवार के साथ मजबूती से खड़े होने का संदेश देते नजर आए। अखिलेश ने सोमवार को एनसीपी में बगावत पर कहा कि सबका एक लक्ष्य है कि देश से भाजपा जाए। ना सत्य बदल सकता है और ना लक्ष्य बदल सकता है। दिल्ली की सरकार में भाजपा को हटाने के लिए रास्ता निकालना पड़ेगा। पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने भी शरद पवार के संकट को समूचे विपक्ष के लिए चुनौती मानते हुए कहा कि भारत दुनिया भर में एक जीवंत लोकतंत्र और एक साफ्ट पावर के रूप में प्रसिद्ध है। लेकिन इसे नुकसान पहुंचा कर नष्ट किया जा रहा है और यह विपक्ष की एकता को तोड़ेगा नहीं बल्कि इसे और मजबूत करेगा।

कट्टरपंथी विचारधारा ...

देशों से, जहां कभी-कभी खालिस्तानी गतिविधियां होती हैं, खालिस्तानियों को जगह न देने का अनुरोध किया है। क्योंकि उनकी (खालिस्तानियों की) कट्टरपंथी, चरमपंथी सोच न तो हमारे लिए अच्छी है, न ही उनके और न ही हमारे संबंधों के लिए। विदेश मंत्री ने कहा कि हम पोस्टरों का मुद्दा सरकार के समक्ष उठाएंगे। मुझे लगता है कि यह अब तक हो चुका होगा। 1985 के एयर इंडिया हवाई जहाज बम विस्फोट के आरोपी तलविंदर परमार की तस्वीर कनाडा में खालिस्तान समर्थक रैली में देखी गई, जिससे उनका महिमामंडन किया जा सके। विदेश मंत्री की यह टिप्पणी कनाडा में खालिस्तान समर्थक निवासियों को रैली की सूचना देने वाले पोस्टर प्रसारित होने की खबरों के बाद आई है जिसने भारत सरकार के लिए चिंता पैदा कर दी है क्योंकि इन पोस्टर में टोरंटो में भारत के राजदूत और महावाणिज्य दूतावास को धमकी दी गई थी। बता दें इसी साल मार्च में खालिस्तान समर्थकों ने कनाडा में भारतीय दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था। उन्होंने खालिस्तान समर्थक नारे लगाए और मौके पर मौजूद भारतीय मूल के पत्रकारों के साथ कथित तौर पर मारपीट भी की थी।

असम और मेघालय...

दिनों में असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के अलग-अलग हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा (64.5 मिमी - 224.5 मिमी) होगी। मौसम विभाग ने असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश के लिए भी चेतावनी के साथ *ऑरेंज अलर्ट* जारी किया है हालांकि, शेष राज्य शुक्रवार तक *येलो वॉच* पर रहेंगे, जिनमें बुधवार से असम, मेघालय और अरुणाचल शामिल हैं।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **प्रथम अध्याय**

(विविध योग)

श्रुति प्रतिपादित योग के, घाटी बहुत विधान।
सहज योग सब श्रेष्ठ है, सन्त भेद निर्वान॥ 01॥

शब्दार्थ : (श्रुति) वेद (प्रतिपादित) कथन, समर्थन किया हुआ (योग) जीवन-उत्थान का साधन (घाटी) मार्ग (निर्वान) मोक्ष।

भाष्य : वेदों में योग के अनेक प्रकार के मार्गों का विधान है, परंतु उनमें सर्वश्रेष्ठ मार्ग सहज योग है, जिसके द्वारा संत मोक्ष को प्राप्त होते हैं।

षडांग अवर अष्टांग है, यह दो योग विधान।
भूमि बेद अधिकार से, सब मत सन्त प्रधान॥ 02॥

शब्दार्थ : (षडांग) छः अंग (अष्टांग) आठ अंग (विधान) नियम (भूमि) कोटि (अधिकार) योग्यता (सन्तमत) ब्रह्मविद्या का उत्कृष्ट मार्ग (प्रधान) श्रेष्ठ।

भाष्य : नेता, धौती, नौली, बस्ती, त्राटक एवं कपालभाती-इनको षडांग कहते हैं। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि-इनको अष्टांग कहते हैं। वेद में इन दोनों योगों का विधान है। जिज्ञासु कोटि-भेद से योग का अधिकारी होता है। अधिकारी-भेद से ही सभी ज्ञान की कोटियां बन जाती हैं। जो जिस कोटि का अधिकारी है, उसे उस कोटि का योग है, किंतु सब में ब्रह्मप्राप्ति का प्रधान योग संतों का सहज योग है।

विकास की मांग को लेकर ऑयल इंडिया का सड़क किया अवरुद्ध

डिब्रूगढ़ (हिंस)। जिले के दुलियाजान के टिंगराई चौराहे पर उत्तेजक परिएिसथति बनी हुई है। ऑयल इंडिया लिमिटेड के खिलाफ सैकड़ों लोग सड़क पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने ऑयल के टिंगराई चौराहे पर एस-3 तेल क्षेत्र को अवरुद्ध करके सड़क पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि बार-बार अधिकारियों से इस पूरे क्षेत्र में विकास कार्य करने की गुहार लगाई जा रही है। लेकिन, आज तक कोई कदम नहीं उठाया गया है। इसे देखते हुए प्रदर्शनकारियों ने ओआईएल के खिलाफ प्रदर्शन किया है। इस बीच एिसथति बिगड़ती देख प्रदर्शन एसथल पर पुलिस को तैनात कर दिया गिया। प्रदर्शनकारियों ने तेल अधिकारियों को तेल क्षेत्र में प्रवेश करने से रोक दिया है, जिस कारण अधिकारी फंस गए हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जब तक ऑयल के शीर्ष अधिकारी प्रदर्शन एसथल पर नहीं पहुंचेंगे तबतक विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे।

पूर्वोत्तर समेत पूरे देश में बजरंग दल के जरिए निकालेगी शौर्य जागरण यात्रा

लव जिहाद, धर्मांतरण, गोहत्या व लैंड जिहाद आदि विषयों पर जनजागरण की तैयारी

गुवाहाटी (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) पूर्वोत्तर समेत पूरे देश में हिंदू जागरण के लिए दो बड़े कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है। जिसमें लव जिहाद, धर्मांतरण, गोहत्या, लैंड जिहाद आदि विषयों को लेकर समाज जागरण के लिए पूर्वोत्तर समेत पूरे देशभर में आगामी 30 सितंबर से 30 अक्तूबर तक बजरंग दल की शौर्य जागरण यात्रा प्रखंड-खंड एसतर तक निकाली जाएगी। साथ ही संतों के प्रवास प्रत्येक जिलों के प्रखंडों में दीपावली से 15 दिन पूर्व एवं 15 दिन बाद तक होंगे। यह जानकारी सोमवार को यहां विहिप मुख्यालय पांचजन्य भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में विहिप के केंद्रीय महामंत्री मिलिंद पांडे ने दी है। उनके साथ विहिप पूर्वोत्तर प्रांत की पदाधिकारी राजलक्ष्मी शर्मा गोएसवामी भी मौजूद थीं। विहिप महामंत्री ने कहा कि आज

लगातार गौ हत्या हो रही हैं। गौ संरक्षण और गौ संवर्धन के लिए विहिप प्रदेश और केंद्र सरकारों से एक कानून बनाने की मांग करती है। साथ ही उन्होंने असम सरकार का इस बात के लिए अभिनंदन किया कि यहां पर गौ सुरक्षा के लिए कानून बनाया गया है। उन्होंने राज्य सरकार से धर्मांतरण कानून बनाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि विहिप के पूर्वोत्तर प्रांत की षष्ठीपूर्ति सांगठनिक योजना बैठक गुवाहाटी एिसथत हरियाणा भवन में संपन्न हुई है। बैठक में पूर्वोत्तर प्रांत के सभी जिला टोली के पदाधिकारियों की उपएिसथति में कार्य विएसतार का संकल्प लिया गया। विहिप के सभी कार्यकर्ता खंड, प्रखंडों तक आने वाले दिनों में विहिप के काम को लेकर जाएंगे। उन्होंने विहिप की रायपुर में आयोजित बैठक पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विहिप की देश में 75 हजार समितियां हैं, जिसे एक लाख करने की योजना है। वहीं हमारे हित चिंतकों की संख्या 72 लाख है, जिसे एक करोड़ करने की योजना है। विहिप महामंत्री ने कहा कि विहिप की 4, 500 सेवा योजनाएं चल रही हैं, वहीं पूर्वोत्तर में छोटे-बड़े कुल 27 सेवा योजनाएं चल रही हैं। इसी क्रम में आज गुवाहाटी में बालिकाओं के लिए एक छात्रावास बनाने के लिए भूमि पूजन का कार्य संपन्न हुआ है। मिलिंद परांडे ने बताया कि पूर्वोत्तर के मणिपुर राज्य में लगातार कई दिनों से जारी संघर्ष तत्काल रुकनी चाहिए और शांति एसथापित होनी चाहिए। कुकी उग्रवादी म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रीय ड्रग्स माफिया तथा उनके प्रायोजित दिए जा रहे अएसत्र-शएसत्र और धन के प्रवाह पर तुरंत नकेल कसने की आवश्यकता है। इसके लिए सरकार को कठोर कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि विहिप अनवरत शरणार्थी शिविरों में रह रहे मैतेई पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों के लिए भोजन तथा दैनिक उपयोग की सामग्री आदि सेवा कार्य लगातार कर रहा है। खासकर बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह से बाधित हुई है, उसके लिए भी प्रयास किये जा रहे हैं, ताकि बच्चों की पढ़ाई सुचारू बनाया जा सके। इस मौके पर विहिप के क्षेत्रीय संगठन मंत्री दिनेश तिवारी, प्रांत संगठन मंत्री हरि सिंह तेरांग समेत सभी प्रमुख पदाधिकारी उपएिसथत थे।

अपोलो हॉएिसपटल्स ने कोलोरेक्टल रोबोटिक सर्जरी कार्यक्रम का किया विस्तार

गुवाहाटी। दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता अपोलो हॉएिसपटल्स अपने समर्पित रोबोटिक कोलोरेक्टल सर्जरी कार्यक्रम का विस्तार कर रहा है। अत्यधिक कुशल कोलोरेक्टल सर्जन, अंग-विशिष्ट सुपर एसपेशलिटी और कोलोरेक्टल कैंसर उपचार विकल्पों के साथ, अपोलो कोलोरेक्टल रोबोटिक सर्जरी में बेजोड़ परिशुद्धता और सटीकता की पेशकश के साथ अग्रणी बना हुआ है। अपोलो की सामूहिक रोबोटिक कोलोरेक्टल सर्जरी का अनुभव अब 1000 से अधिक प्रक्रियाओं को पार कर गया है, जो देश में अब तक की अधिकतम संख्या है। विशेष रूप से कोलोरेक्टल कैंसर सर्जरी प्रक्रियाओं के लिए इस तकनीक के उपयोग से सर्जनों को संकीर्ण श्रोणि जैसे क्षेत्रों में बहुत सटीक विच्छेदन करने में मदद मिली है, जिससे अंततः पुनः प्रवेश दर में 1.9 प्रतिशत की गिरावट आई है। अपोलो हॉएिसपटल्स ग्रुप की कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. प्रीता रेड्डी ने कहा कि शुरूआत से ही हम नैदानिक उत्कृष्टता के एसतर को ऊपर उठाने और अपने मरीजों को देखभाल के मानक के मामले में वैश्विक एसतर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस लोकाचार को ध्यान में रखते हुए हमने केंद्रित अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कोलोरेक्टल रोबोटिक सर्जरी के क्षेत्र में लगातार प्रगति की है। डॉ. वेंकटेश मुनिकृष्णन-सलाहकार कोलोरेक्टल और रोबोटिक सर्जन, अपोलो अएसपताल, जिन्होंने 600 से अधिक रोबोटिक कोलोरेक्टल सर्जरी की है, ने कहा कि हम देख रहे हैं कि प्रतिहीन जीवनशैली और खराब खान-पान की आदतों के कारण अधिक से अधिक युवा वयएसकों को कोलोरेक्टल कैंसर का निदान हो रहा है। बीमारी के बारे में जागरूकता पैदा करने और प्रारंभिक चरण में बीमारी का निदान करने के लिए सही निवारक कदम उठाने की आवश्यकता है।

विश्वनाथ जिला इकाई ने मनाया हिंदी साहित्य संगठन दिवस

विश्वनाथ चाराली। विश्वनाथ चारिआलि शहर के आमबाड़ी में स्थित चाराली नगर निम्न प्राथमिक विद्यालय में कल अपराह्न 2 बजे हिंदी साहित्य संगठन, बंगाईगांव तथा विश्वनाथ जिला इकाई द्वारा संस्थान का प्रथम स्थापना दिवस तथा मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह का भव्य रूप से आयोजन किया गया। संतोष कुमार महतो जिला इकाई, पर्यवेक्षक द्वारा संचालित समारोह सभा का विश्वनाथ राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के पूर्व सचिव नागेश गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिला सचिव सैयदा आनोवारा खातून द्वारा उपस्थित अतिथि को मंचासीन कराया गया। इसके बाद सभा के अध्यक्ष नागेश गुप्ता और अतिथियों को फुलाम गामोछा से स्वागत किया गया।तत्पश्चात समारोह सभा के अध्यक्ष नागेश गुप्ता तथा विश्वनाथ के जाने माने कवि / साहित्यिक जमीर अहमद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।इसके बाद परिचय पर्व हुआ,जिसमें उपस्थित लोगों ने अपना अपना परिचय दिया।संगठन के विश्वनाथ जिला इकाई के सचिव सैयदा आनोवारा खातून जी ने कार्यक्रम के विशेष उद्देश्य पर व्याख्यान, संस्था का परिचय तथा स्वागत भाषण दिया।कार्यक्रम में कवि जमीर अहमद, विश्वनाथ महाविद्यालय के अध्यापिका व जिला इकाई निरीक्षक गीता वर्मा, साहित्यकार तथा मुख्य वक्ता हरिप्रसाद लुइटैल, आबू चौधरी, सुरेंद्र कुमार सहनी,चित्रप्रसाद पौड़ेल,मनोज कलवार, अरुण साहनी, जिला इकाई सह सचिव अनवर आलि आदि महानुभावों ने अपने भाषण में कार्यक्रम की सराहना करते हुए हिंदी विषय में 80 ? से अधिक अंक प्राप्त मेधावी विद्यार्थी के समक्ष हिन्दी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रभाषा के प्रति कार्य करने हेतु प्रेरणा दी। हिंदी भाषा में लिखने -पढ़ने तथा स्वरचित साहित्य लिखने की आशा व्यक्त की।इस मौके पर अरुण साहनी ने देशभक्ति गीत गाकर सभी को मंत्रमुग्ध किया। इसके बाद हिंदी साहित्य संगठन, बंगाईगाँव द्वारा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु क्रमशः गीता वर्मा,सैयदा आनोवारा खातुन तथा संतोष कुमार महतो को *योग्य पुरस्कार 2023* प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। तत्पश्चात रोशनी कुमारी, सैयदा आनोवारा खातुन ने स्वरचित काव्य पाठ की।

अणुव्रत समिति की प्रथम कार्यकारिणी बैठक संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। अणुव्रत समिति गुवाहाटी (ट्एसट) के सत्र 2023-25 की प्रथम कार्यकारिणी बैठक का आयोजन प्रातः 10.30 बजे से एसथानीय तेरापंथ धर्मएसथल में किया गया जिसमें करीब 40 सदएसय उपस्थित थे। बैठक का शुभारंभ अणुव्रत गीत एवं अणुव्रत आचार संहिता के वाचन से हुआ। अध्यक्ष श्री बजरंग बैद ने सभी का एसवागत करते हुए अणुव्रत के बारे में बताया। पिछली कार्यकारिणी सभा की कार्यवाही विवरण का वाचन सहमंत्री द्वितीय संपत मिश्र ने किया। अणुविभा के असम एवं त्रिपुरा राज्य प्रभारी छत्तर सिंह चौरड़िया ने नवगठित टीम को

शुभकामनाएं दी। परिचय सत्र में सभी ने अपना परिचय दिया। इस बैठक में विभिन्न समितियों का गठन किया गया। जिसमें अर्थ संग्रह, जीवन विज्ञान, कार्यकर्ता संस्कार निर्माण, सदस्यता संवर्धन, महिला प्रकोष्ठ, अणुविभा प्रकाशन सदस्य संवर्धन, नशा मुक्ति अभियान, पर्यावरण संरक्षण, अणुव्रत क्रेटिविटी कॉन्टेएसट एवं जनसंपर्क आदि शामिल हैं। इसके साथ आगामी विभिन्न कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। सभा का संचालन एवं आय-व्यय का ब्यौरा निवर्तमान कोषाध्यक्ष व वर्तमान मंत्री संजय चौरड़िया ने दिया। धन्यवाद ज्ञापन सहमंत्री प्रथम सुरेश मालू ने किया।

गहनों के ठगबाज को जोगीरोड पुलिस ने किया गिरफ्तार

जागीरोड। घटना मोरीगांव जिले के जागीरोड थाने से मात्र 3 सौ मीटर दूर की है। मिली जानकारी के अनुसार स्वर्ण व्यवसाई बीरेंद्र शाह की दुकान पर बीते 1 जुलाई की शाम एक युवक आकर करीब 9 लाख रुपए के सोने के गहने पसंद करता है और ऑनलाइन पेमेंट करने की बात करता है। जब पेमेंट प्रोसेस शुरू होता है तब युवक ने अपना नाम विशाल कुमार गोगोई बताते हुए एक चेक भी व्यवसायी को देता है। बहुत दिनों बाद बड़ा ग्राहक मिलने के गफलत में दुकानदार बीरेंद्र शाह ने थोड़ा लापरवाह हो जाते हैं जिसका फायदा उठा कर तथाकथित विशाल कुमार दुकान से निकल जाता है। थोड़ी देर बाद में जब व्यवसायी ठगने का एहसास हुआ तो उनका हाथ पांव फूलने लगा। इसके बाद व्यवसायी ने भागे भागे जागीरोड थाने जा कर एफआईआर संख्या 0203/23 /एस 420, 406 दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष मून प्रकाश तिवारी भी अपनी टीम के साथ उस ठगबाज की तलाश में जुट गई। दूसरे दिन जब ठगबाज का मोबाइल नंबर सर्विलांस पर लगाया तो उसकी लोकेशन कोलकाता एयरपोर्ट दिखा रहा था, अब कोलकाता जाने की तैयारी कर ही रहे थे कि शाम को उसकी लोकेशन गुवाहाटी एयरपोर्ट तथा आईएसबीटी पर दिखाने लगा। इसके बाद बीरेंद्र शाह के कुछ रिश्तेदार गुवाहाटी आईएसबीटी के आसपास के होटलों तथा बसों में ठगबाज को ढूढ़ने लगे। कुछ लोग जागीरोड में लंबी दूरी की बसों की जांच करने लगे।

स्वर्गीय बाबूलाल सांगानेरिया की जन्मोत्सवर पर स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

सूरजमल जुहारमल सांगानेरिया धर्मशाला ट्एसट के संस्थापक अध्यक्ष, स्वर्गीय बाबूलाल सांगानेरिया की 83वीं जन्मदिन के उपलक्ष में एक निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य-जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मधुमेह परीक्षण और रक्तचाप की जांच की गई। इस अवसर पर रामेन डेका (राज्य नवाचार एवं परिवर्तन आयोग के सह-उपाध्यक्ष, पूर्व अध्यक्ष भाजपा एवम् पूर्व लोक सभा सदएसय) ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और सांगानेरिया परिवार एवम् सूरजमल जुहारमल सांगानेरिया धर्मशाला ट्एसट की सराहना की और भविष्य में ट्एसट को किसी भी प्रकार की आवश्यकता हो तो वे ट्एसट के साथ खड़े रहेंगे ऐसा उन्होंने कहा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लियो क्लब गुवाहाटी अल्फाइन एक्सिस की अध्यक्ष डॉ. आयुषी बजाज, अनीता, शिवांगी, मुस्कान और देव ने भरपूर सहयोग दिया। कार्यक्रम में सुशील, अजय, कैलाश, चंद्रप्रकाश, आयुष, शिवम सांगानेरिया, चेतन सुरेका, तपन कुंडू, हिरेंद्रनाथ शर्मा आदि गणमान्य व्यक्ति उपएिसथत थे। सूरजमल जुहारमल सांगानेरिया धर्मशाला ट्एसट के अध्यक्ष श्रावण कुमार सांगानेरिया ने उन सभी लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है जो इस कार्यक्रम का हिएससा बने और इस आयोजन को बड़ी सफलता के रूप में चिह्नित करने में सहयोग दिया।

युवती की आत्महत्या को लेकर सनसनी

धुबड़ी (हिंस)। जिले के तामरहाट पागलाहाट थाना क्षेत्र के काचखाना हाजिरहाट में सादेक आली की 17 वर्षीय राशिदा खातून नामक युवती ने आज तड़के अपने गले में फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। इस मौत को लेकर पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस द्वारा आज दी गई खबरों के मुताबिक कुछ दिन पहले गांव के ही मनशेर अली के बेटे मोइनुल हक (मनु) नामक लड़के से शादी की चर्चा हुई थी। शादी इसलिए नहीं हुई क्योंकि लड़की की शादी की उम्र नहीं हुई थी। इस बीच लड़की और लड़का दोनों के बीच प्रेम संबंध एसथापित होने की बात कही जा रही है। अचानक बीती रात को युवती ने मोबाइल फोन पर बात करते हुए ही गले में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही तामरहाट पुलिस और पागलाहाट पुलिस घटनाएसथल पर पहुंची।

आंगनबाड़ी स्कूल में लायंस उमंग ने कराया कक्षा का निर्माण

क्लब ने किया डॉक्टर्स डे व सीए डे का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। नारंगी के युवा नगर के कमला बागान स्थित आंगनबाड़ी स्कूल में बच्चों के लिए लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से कक्षा का निर्माण कराया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में इस सत्र के पहले व स्थाई कार्यक्रम के तहत शिक्षा पर जोर देते हुए विद्यालय में क्लास रूम निर्माण कराया गया। क्लास रूम का उद्घाटन लायंस जिलापाल (प्रथम) सीमा गोयनका ने किया। इस मौके पर जिलापाल (द्वितीय) पंकज पोद्दार, लायंस गौहाटी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अजय पोद्दार के अलावा उमंग की अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाती चौधरी, रितु

बंका, सीमा सोनी, संगीता अग्रवाल, तृप्ति मोर, मंजू पंसारी, अनुपमा सिकरिया सहित विद्यालय के शिक्षक मौजूद थे। क्लास रूम निर्माण के अलावा उसमें बच्चों के लिए बेंच-डेस्क, लाइट, फेन, ब्लेकबोर्ड सहित जरूरत की अन्य सभी वस्तुओं की व्यवस्था क्लब की ओर से की गई। इस कार्य को संपादित करने में आर्थिक सहयोग अजय-कंचन पोद्दार का रहा। वहीं क्लब की ओर से डॉक्टर्स डे व सीए डे के मौके पर डॉ. अरुण अग्रवाल, डॉ. दीनेश अग्रवाल, डॉ. राजकुमार अग्रवाल, डॉ. कौस्तव कलिता, डॉ. सौरभ भट्टाचार्य, डॉ. चंदना डेका, डॉ. रूपक पटेल, डॉ. अमित अग्रवाल, डॉ. रितेश जैन, डॉ. देबाशिष बैद्य, डॉ. रिमा दास मल्लिक व डॉ. तदबीर अग्रवाल के अलावा सीए राजेश केडिया को सम्मनित किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाती चौधरी, टीना अग्रवाल, निगम तापड़िया, संगती अग्रवाल, सुनिता गुप्ता, रचना केजरिवाल, शालू अग्रवाल, रोमा भजनका आदि सदस्याएं मौजूद थीं।

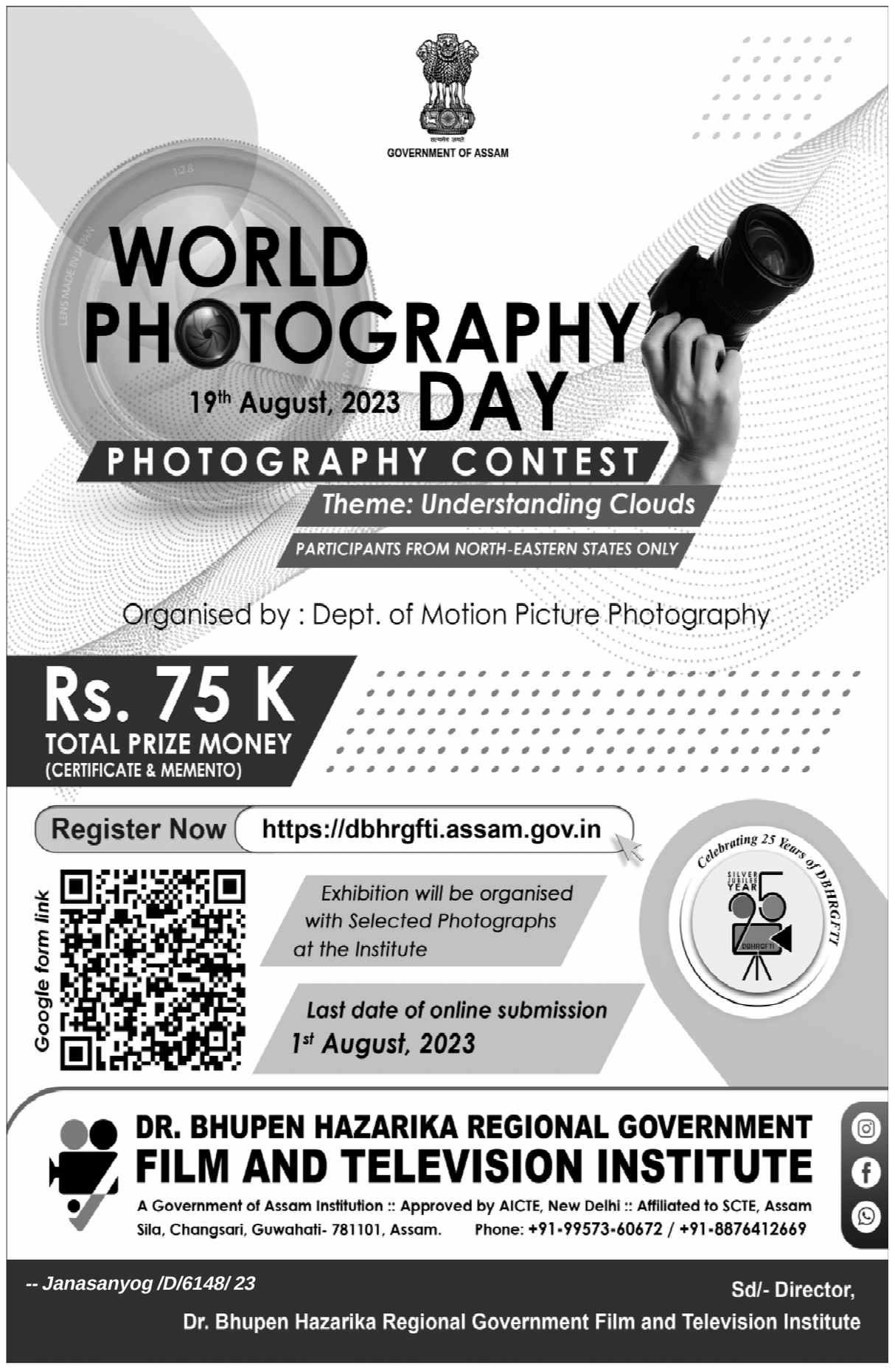

वंदे भारत ट्रेनों के लिए नए मेंटेनेंस शेड के निर्माण का रास्ता साफ

- दिल्ली के शकूरबस्ती में बनना है वंदे भारत का नया मेंटेनेंस शेड
- पेड़ों को हटाने और ट्रांसप्लांटेशन को केजरीवाल सरकार ने दी मंजूरी

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस के लिए नए मेंटेनेंस शेड के निर्माण का रास्ता साफ कर दिया है। मुख्यमंत्री ने इसके निर्माण में बाधक बन रहे पेड़ों को हटाने और ट्रांसप्लांट करने को लेकर आए प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। प्रोजेक्ट स्थल से 78 पेड़ों को हटाने और ट्रांसप्लांट करने की अनुमति देने को लेकर रेलवे ने दिल्ली सरकार को एक प्रस्ताव दिया था। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को रेलवे के इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण की सुरक्षा के मद्देनजर बनी गाइडलाइन के अनुसार निर्माण एजेंसी को 78 पेड़ों को हटाने व ट्रांसप्लांट करने के बदले 780 नए पौधों लगाने की शर्त के साथ इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। दरअसल, रेलवे ने दिल्ली के शकूरबस्ती में एक नए मेंटेनेंस ट्रेन शेड के निर्माण का प्रस्ताव दिया है। हालांकि, पेड़ों के एक पैच की वजह से साइट के निर्माण कार्य में बाधा पैदा हो रही है। इसके चलते रेलवे ने अधिकारियों के माध्यम से दिल्ली सरकार के पर्यावरण और वन विभाग को एक प्रस्ताव बनाकर दिया था। इसके जरिए साइट को खाली करने के लिए 8 पेड़ों को हटाने और 70 पेड़ों के ट्रांसप्लांट करने की मंजूरी मांगी गई थी। रेलवे के लिए आधुनिक बुनियादी ढांचे के महत्व को देखते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पेड़ों के पैच को साफ करके काम में तेजी लाने के लिए अपनी सहमति दी है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि रेलवे को आधुनिक बुनियादी ढांचे की सख्त जरूरत है। इस मंजूरी से देश को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। इसके अलावा हम सक्रिय रूप से यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि आधुनिक विकास का दिल्ली पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े और प्रभावित होने वाले किसी भी पेड़ की भरपाई के लिए 10 गुना पौधारोपण अनिवार्य किया गया है। प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए सीएम ने कहा कि इस प्रस्ताव को एलजी के समक्ष रखा जाएगा। दिल्ली सरकार ने कहा है कि चिन्हित परियोजना स्थल के पास ही प्रत्यारोपण किया जाएगा। दिल्ली सरकार की ओर से साइट पर अप्रूव किए गए और चिन्हित पेड़ों के अलावा रेलवे एक भी अन्य पेड़ को नुकसान नहीं पहुंचा सकती। अगर रेलवे द्वारा अप्रूव किए गए पेड़ों के अलावा किसी भी पेड़ को नुकसान पहुंचाया जाता है, तो यह दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम 1994 के तहत अपराध माना जाएगा। दिल्ली सरकार ने रेलवे के लिए पेड़ों को हटाने और प्रत्यारोपित करने के बदले में 10 गुना पेड़ लगाना अनिवार्य किया है। ऐसे में वो पेड़ों को हटाने के बदले 780 नए पौधे लगाएंगे। इन पौधों को चिन्हित स्थान पर लगाया जाएगा, जिन्हें पेड़ों को स्थानांतरित करने की अनुमति जारी होने की तारीख से 3 महीने के अंदर लगाया जाएगा। दिल्ली सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार रेलवे अगले सात वर्षों तक पेड़ों के रखरखाव की जिम्मेदारी लेगा। सरकार द्वारा अप्रूव किए गए प्रस्ताव के अनुसार पेड़ों को हटाने और प्रत्यारोपण के बदले में दिल्ली की मिट्टी व जलवायु के अनुकूल विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। इनमें नीम, अमलतास, पीपल, पिलखन, गूलर, बरगद, देसी कीकर और अर्जुन समेत अन्य प्रजातियों के पौधे शामिल हैं। नॉन फॉरेस्ट लैंड पर 6-8 फीट हाइट के पौधे लगाए जायेंगे। इसके अलावा जिन पेड़ों को प्रत्यारोपित किया जाना है, उनके लिए रेलवे को आवश्यक शर्तें पूरी करने के तुरंत बाद प्रक्रिया शुरू करनी होगी। यह कार्य 6 महीने के अंदर पूरा करने के लिए कहा गया है। वे सुपर-विजन के लिए ट्री ऑफिसर को एक रिपोर्ट सौंपेंगे। दिल्ली सरकार ने रेलवे से परियोजना के लिए दिल्ली वृक्ष प्रत्यारोपण नीति 2020 का ईमानदारी से पालन करने और उस पर नियमित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। रेलवे को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जो प्रत्यारोपित पौधे सर्वाइव न कर पाएं, उनके लिए 15 फीट ऊंचाई और कम से कम 6 इंच व्यास वाली स्वदेशी पौधों की प्रजातियां 1:5 के अनुपात में लगानी होगी। अगर किसी पेड़ पर पक्षियों का घोंसला पाया जाता है तो उसे तब तक काटने या रोपने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जब तक कि पक्षी उस पेड़ को छोड़ न दें। इसके अलावा पेड़ों की टहनियों की कटाई के 90 दिनों के अंदर उनको मुफ्त में निकटतम श्मशान में भेजा जाएगा।

प्राकृतिक खेती को बनाया जा रहा है पाठ्यक्रम का हिस्सा : तोमर

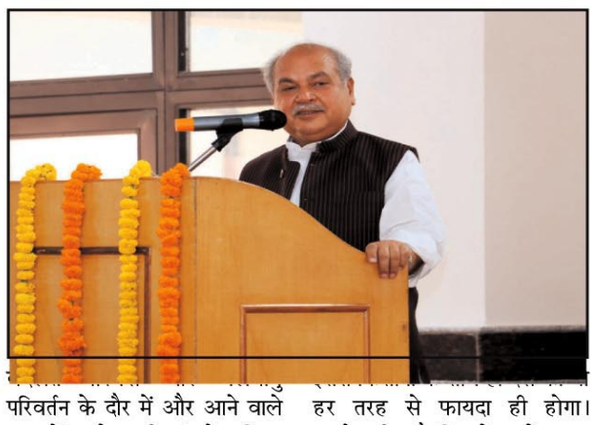

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि प्राकृतिक खेती के लिए अलग से पाठ्यक्रम तैयार कर कृषि शिक्षा में जोड़ा जा रहा है, जो निश्चित रूप से वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप होगा। तोमर ने सोमवार को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास ह्लमधुमासह्व का शुभारंभ करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) देश में आई, जिसका समावेश कृषि शिक्षा में हो, इसके लिए काफी काम किया गया है, जो विद्यार्थियों के भविष्य को निखारने में बहुत मददगार सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र की चुनौतियों पर विजय प्राप्त करने व इनके समाधान के साथ देश-दुनिया की आवश्यकताओं की पूर्ति करने में किसानों के साथ ही हमारे कृषि वैज्ञानिकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। तोमर ने कहा कि कृषि का क्षेत्र हम सब के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र में आज हम जिस पड़ाव पर खड़े हुए हैं वहां तक पहुंचने में किसानों के साथ ही वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, लेकिन परिवर्तन के दौर में और आने वाले कल में बढ़ने वाली मांग के दृष्टिगत व दुनिया की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए निश्चित रूप से हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती हैं। उन्होंने कहा कि एक समय था जब हम दुनिया से सीखना चाहते थे, लेकिन आज बड़ी संख्या में अन्य देश कृषि के मामले में भारत से सीखना चाहते हैं, भारत के रास्ते पर चलना चाहते हैं, तो ऐसी स्थिति में हम सब लोगों की जिम्मेदारियां और भी बढ़ जाती हैं। तोमर ने केमिकल फर्टिलाइजर से बचते हुए, वैकल्पिक रूप से प्राकृतिक खेती व जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि हर तरह से फायदा ही होगा। उल्लेखनीय है कि तोमर ने आज छात्रावास प्रांगण में पौधारोपण किया व फूड कोर्ट का शुभारंभ भी किया। इस छात्रावास में एकल शैया वाले 400 कमरे, स्नानागार- रसोई सहित एकल शैया वाले 56 कमरे व 48 फैमिली अपार्टमेंट हैं, जिनमें 504 छात्रों के रहने की व्यवस्था है। छात्रावास परिसर में व्यायामशाला, रेस्टोरेंट, सौर ऊर्जा प्रणाली, वर्षा जल संचयन प्रणाली, जनरेटर आधारित पॉवर बैकअप, आर.ओ. प्रणाली आधारित पेयजल, अग्निशामक व्यवस्था, पार्किंग क्षेत्र, लिफ्ट प्रणाली जैसी सभी आधुनिक सुविधाएं हैं।

दिल्ली से भाजपा पर्यवेक्षक डॉ. मांडविया, विनोद तावड़े जाएंगे बेंगलुरु, नेता विपक्ष का नाम तय करेंगे

अजय कुमार

नई दिल्ली। कर्नाटक में विपक्ष का नेता तय करने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। दोनों जल्द बेंगलुरु जाएंगे। यह जानकारी सोमवार को राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी और राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल बलूनी ने दी। सूत्रों के अनुसार जेपी नड्डा इस मसले पर विचार-विमर्श करने के लिए रविवार रात केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आवास पहुंचे। जेपी नड्डा ने रविवार को ही येदियुरप्पा को दिल्ली बुला लिया था। कर्नाटक में भाजपा विधायक दल का नेता बनने के लिए पार्टी के अंदर घमासान जारी है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई प्रमुख दावेदार बताए जा रहे हैं।

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सबसे ऊपर : शाह

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। शाह ने सोमवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर ट्वीट कर समस्त देशवासियों शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गुरु अपने ज्ञान से शिष्यों के उज्ज्वल भविष्य का सृजन करने के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अपने निस्वार्थ भाव से राष्ट्र को उन्नति के पथ पर अग्रसर रखने वाले सभी गुरुजनों को नमन। उल्लेखनीय है कि आषाढ़ मास की पूर्णिमा को ह्लव्यास पूर्णिमाह्व के रूप में भी पूरे देश में मनाया जाता है। माना जाता है कि आषाढ़ पूर्णिमा को आदि गुरु वेद व्यास का जन्म हुआ था।

शरद पवार एक्शन मोड में, 5 जुलाई को नेताओं और पदाधिकारियों को एफिडेविट के साथ बुलाया

- राकांपा में फूट के बाद कहा, विध्वंसक प्रवृत्ति वालों को सिखाएंगे सबक

मुंबई (हि. स.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में फूट के बाद पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार एक्शन मोड में आ गए हैं। सोमवार को सातारा जिले के कराड में पूर्व मुख्यमंत्री यशवंत राव चव्हाण के समाधि स्थल पर पहुंचकर शरद पवार ने कहा कि उनकी पार्टी को तोड़ने वालों को सबक सिखा देंगे। इसके साथ ही शरद पवार ने मुंबई स्थित यशवंत राव चव्हाण प्रतिष्ठान में 5 जुलाई को राकांपा नेताओं और पदाधिकारियों की बैठक बुलाई है। इस बैठक में शरद पवार ने सभी को एफिडेविट के साथ आने के लिए कहा है। कराड में शरद पवार के साथ कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण, राकांपा सांसद श्रीनिवास पाटिल विधायक मकरंद पाटिल, अतुल बेनके, बालासाहेब पाटिल, शशिकांत शिंदे, रोहित पवार उपस्थित थे। इनमें से मकरंद पाटिल, अतुल बेनके और बालासाहेब पाटिल रविवार को राजभवन में अजीत पवार के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में भी उपस्थित थे। शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में कुछ सामाजिक विनाशकारी प्रवृत्तियां उथल-पुथल की भूमिका निभा रही हैं। शरद पवार ने इन प्रवृत्तियों को उनकी जगह दिखाए बिना नहीं छोड़ा जाएगा। देश और राज्य में लोकतंत्र की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है, इसलिए अधिकारों को सुरक्षित रखने की जरूरत है। इसी प्रवृत्ति के चलते प्रदेश में सांप्रदायिक झगड़े और दंगे कराने की कोशिश की जा रही है। अब इस विनाशकारी सामाजिक प्रवृत्ति के खिलाफ लड़ने का समय आ गया है। शरद पवार ने उपस्थित लोगों से इस तरह की प्रवृत्तियों के विरुद्ध संघर्ष करने का आह्वान किया। इस बीच, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने भी 5 जुलाई को ही बांद्रा में अपने समर्थकों की बैठक बुलाई है। इसलिए 5 जुलाई को साफ हो जाएगा कि राकांपा में कौन किसके साथ है।

गुरबाणी के सीधे प्रसारण पर विवाद गहराया, सिखों ने दी चेतावनी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सिख समुदाय द्वारा गुरबाणी के सीधे प्रसारण का विवाद अब दिल्ली पहुंच गया है, जहां सिखों ने पंजाब सरकार को धार्मिक मामले में हस्तक्षेप न करने की चेतावनी दी है। श्री हरमंदिर साहिब से गुरबाणी के सीधे प्रसारण को फ्री करने और सभी चैनलों को इसका प्रसारण करने का अधिकार मिलने को लेकर उठा विवाद बढ़ता ही जा रहा है। इस मामले को लेकर दिल्ली के सिख संगठनों एवं सिख जत्थेबंदियों ने सख्त विरोध जताते हुए पंजाब सरकार को चेतावनी दी कि वह सिखों के धार्मिक मामले में हस्तक्षेप न करे। रविवार को इस मामले में पत्रकारों से बातचीत करते हुए दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व महासचिव गुरमीत सिंह शंटी ने पंजाब सरकार और इस मसले का समर्थन करने वालों को आड़े हाथों लिया। शंटी ने बाकायदा शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की पूर्व अध्यक्ष बीबी जागीर कौर पर भी पलटवार करते हुए हमला बोला। उन्होंने कहा कि बीबी जागीर कौर श्री दरबार साहिब से गुरबाणी प्रसारण को लेकर नई-नई सलाह दे रही हैं। वह बार-बार गुरबाणी प्रसारण मामले को बिजनैस से जोड़कर देख रही हैं लेकिन जब वह एस.जी.पी.सी. की अध्यक्ष हुआ करती थीं, तब उन्होंने ही एक निजी चैनल को गुरबाणी का सीधा प्रसारण करने की इजाजत दी थी। इस दौरान गुरमीत सिंह शंटी ने बीबी जागीर कौर से जुड़े कई दस्तावेज भी दिखाते हुए कहा कि उन्होंने जो प्रसारण के लिए समझौता किया था उसमें साफ लिखा है कि इस दौरान जो विज्ञापन से धन प्राप्त होगा, उसका 10 प्रतिशत लाभ एस.जी.पी.सी. को भी जाएगा। ऐसे में उन्हें यह कहने का कोई हक नहीं बनता है कि प्रसारण पर किसी एक संस्थान व परिवार का अधिकार है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्यों परमजीत सिंह खुराना, सुखविंदर सिंह बब्बर, गुरप्रीत सिंह खन्ना, इंदरप्रीत सिंह कोचर, पूर्व सदस्य सुरिंदर सिंह कैरों भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

हुडा सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर गुरुग्राम सिटी सेंटर रखा जाएगा : डीएमआरसी

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉपोरेशन (डीएमआरसी) ने येलो लाइन पर हुडा सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर गुरुग्राम सिटी सेंटर करने का निर्णय किया है। यह हरियाणा के गुरुग्राम में पड़ता है। डीएमआरसी ने सोमवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। इसमें कहा गया कि येलो लाइन पर स्थित हुडा सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलने का फैसला किया गया है। इस मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर गुरुग्राम सिटी सेंटर किया जाएगा, साथ ही पुराने नाम से संबंधित दस्तावेजों में भी सुधार किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि डीएमआरसी यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लगातार पहल कर रही है।

हाल ही में डीएमआरसी ने यात्रियों को मेट्रो में शराब की सीलबंद बोतलें ले जाने की अनुमति दे दी थी। हालांकि, इसको लेकर डीएमआरसी ने कहा है कि यात्री मेट्रो में शराब की बोतलें तभी ले जा सकेंगे, जब वह सीलबंद हों।

मुख्तार अंसारी के मुद्दे पर गरमाई पंजाब की सियासत, पूर्व सीएम अमरिंदर सिंह व एसएस रंधावा को नोटिस जारी

चंडीगढ़, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के गैंगस्टर मुख्तार अंसारी के मुद्दे पर पंजाब की राजनीति पूरी तरह से गरमा गई है। पंजाब सरकार ने सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह तथा पूर्व जेल मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा से पैसे वसूल करने को लेकर नोटिस जारी कर दिया है। आज पूरा दिन चंडीगढ़ में इस मुद्दे को लेकर बैठकों का दौर चलता रहा। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को यह ऐलान किया था कि मुख्तार अंसारी पर खर्च किए गए 55 लाख रुपये की धनराशि तत्कालीन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह तथा पूर्व जेल मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा से वसूल की जाएगी। इसके बाद सोमवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं तत्कालीन गृहमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सोमवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान इस मामले में झूठ बोल रहें हैं कि गैंगस्टर अंसारी की पैरवी का खर्च 55 लाख रुपये बनता है। उन्होंने दस्तावेजी प्रमाण जारी करते हुए कहा कि अंसारी की पैरवी पर केवल 17 लाख 60 हजार रुपये खर्च हुआ है। रंधावा ने कहा कि वह जब पंजाब के जेल मंत्री थे तब उनके पास खर्च की फाइल आई थी तो उसे वापस भेज दिया था। रंधावा ने कहा कि किसी भी अपराधी को कैसे और कहां रखना है यह पुलिस के अधिकार क्षेत्र में आता है। रंधावा ने पंजाब के मुख्यमंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि वह उन्हें रिकवरी नोटिस भेजें वह इस नोटिस का इंतजार कर रहे हैं। रंधावा ने कहा कि वह नोटिस लिये बगैर दिल्ली नहीं जाएंगे। रंधावा की इस चुनौती के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कैप्टन अमरिंदर सिंह तथा सुखजिंदर सिंह रंधावा के नाम नोटिस को ट्वीट कर दिया। नोटिस मिलने के बाद रंधावा ने कहा कि यह नोटिस नहीं बल्कि फाइल की नोटिंग है। नोटिस और नोटिंग में फर्क होता है। रंधावा ने कहा कि वह इस मामले को लेकर हाई कोर्ट में जाएंगे। दूसरी तरफ कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि उन्हें अभी नोटिस नहीं मिला है। नोटिस मिलने पर वह मुख्यमंत्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे।

16 दिनों में बाबा बैद्यनाथ मंदिर में आया साढ़े छह लाख से अधिक का चढ़ावा

देवघर (ईएमएस)। केवल सोलह दिनों में बाबा बैद्यनाथ के मंदिर में साढ़े सोलह लाख रुपये से अधिक की दानराशि प्राप्त हुई है। द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में साल भर लाखों लाख श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ पर जल चढ़ाने पहुंचते हैं। इस दौरान भक्त बाबाधाम मंदिर में भोलेनाथ पर चढ़ावा के रूप में धन भी देते हैं। रविवार को बाबा बैजनाथ मंदिर प्रांगण स्थित सभी दानपात्र को खोला गया जिसमें 658925 रुपये दान स्वरूप प्राप्त हुए। देवघर डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने जानकारी दी कि श्रावणी मेला आरंभ होने से पूर्व रविवार को बाबा मंदिर प्रांगण स्थित 19 दानपात्र को मंदिर प्रशासन की देखरेख में खोला गया। साथ ही गिनती के पश्चात दानपात्र से कुल 6,58,925 भारतीय रुपये के अलावा नेपाली रुपिया 855, भूटानी नेगुलत्रम 005, नाइजरिया नायरा-200 दान स्वरूप प्राप्त हुआ। मंदिर के दान पात्र को कड़ी सुरक्षा के बीच खोला गया। पात्र से निकले पैसे को गिनती के लिए मंदिर प्रशासनिक भवन में रखा गया। गौरतलब है कि इससे पहले 15 जून 2023 को बाबा मंदिर प्रांगण स्तिथ सभी दानपत्रों को खोला गया था। यहां मंदिर में दर्शन के लिए देश विदेश से लाखों श्रद्धालु बाबाधाम पहुंचते हैं और बाबा पर जल अर्पण करने के साथ-साथ दान स्वरूप रुपये, सोना-चांदी सहित अन्य पूजन सामग्री चढ़ाते हैं। सोमवार से विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला की शुरूआत हो रही है, जिसको देखते हुए आज मंदिर के सभी दानपात्र को खोला गया जिसमें श्रद्धालुओं के द्वारा दान स्वरूप पैसे की गिनती की गई जिसके बाद पुनः सभी दानपात्र को पदाधिकारी के देखरेख में लॉक कर दिया गया।

पीएम मोदी के आवास के ऊपर देखा गया ड्रोन एसपीजी और पुलिस में मचा हड़कंप

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री आवास के ऊपर सोमवार सुबह ड्रोन उड़ने की खबर से हड़कंप मच गया। एसपीजी ने दिल्ली पुलिस को इस बारे में सूचना दी, सूचना मिलते ही आला पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह करीब ५ बजे एसपीजी ने दिल्ली पुलिस को इस मामले की जानकारी दी। सूचना मिलते ही दिल्ली इलाके बड़े अधिकारी और भारी फोर्स ड्रोन की तलाश में जुट गई। हालांकि खबर लिखे जाने तक ड्रेन मिल नहीं पाया था। पुलिस ड्रोन की तलाश में जुटी है। आपको बता दें कि प्रधानमंत्री आवास और उसके आसपास का इलाका नो फ्लाइंग जोन में आता है। दरअसल, सोमवार की सुबह एनडीडी कंट्रोल रूम को पीएम आवास के पास एक अज्ञात

उड़ने वाली वस्तु के बारे में सूचना मिली थी। आस-पास के इलाकों में काफी खोजबीन की गई लेकिन ऐसी कोई वस्तु नहीं मिली। हवाई यातायात नियंत्रण कक्ष (एटीसी) से भी संपर्क किया गया, उन्हें भी पीएम आवास के पास ऐसी कोई उड़ने वाली वस्तु नहीं मिली।

उत्तराखंड की कई योजनाओं को लेकर पुष्कर सिंह धामी ने की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात

नई दिल्ली, (हि.स.)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर उत्तराखंड राज्य से संबंधित विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से सौंग बांध पेयजल परियोजना के लिए 1774 करोड़ की धनराशि का वित्त पोषण भारत सरकार से विशेष सहायता के अन्तर्गत कराने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री से उत्तराखंड की विशेष परिस्थितियों और सीमित वित्तीय संसाधनों को देखते हुए बाह्य सहायतित परियोजनाओं की ऋण राशि पर लगाई गई सीलिंग को हटाए जाने का भी अनुरोध किया। मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि देहरादून की बढ़ती हुई आबादी के कारण पेयजल की मांग निरन्तर तेजी से बढ़ती जा रही है। इसके दृष्टिगत व भविष्य में सतत पेयजल की सुविधा प्रदान करने के लिए गंगा नदी की सहायक नदी सौंग नदी पर 'सौंग बांध पेयजल परियोजना' प्रस्तावित है। प्रस्तावित परियोजना की कुल लागत 2021 करोड़ रुपये है। परियोजना के निर्माण से 150 एमएलडी पेयजल 'गुरुत्व' के माध्यम से देहरादून नगर व इसके उपनगरीय क्षेत्रों की लगभग 10 लाख आबादी को पेयजल उपलब्ध होगा। परियोजना के निर्माण उपरान्त पेयजल व्यवस्था की नलकूपों पर निर्भरता लगभग समाप्त हो जाएगी। इसके अतिरिक्त परियोजना के निर्माण से लगभग 3.50 किलोमीटर लम्बी झील का निर्माण होगा जोकि क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देगा, जिससे रोजगार सृजन होगा एवं स्थानीय नागरिकों के आय में वृद्धि होगी। झील निर्माण से पर्यावरण को भी लाभ होगा। उन्होंने बताया कि परियोजना से जुड़े सभी आवश्यक तकनीकी, वन भूमि हस्तान्तरण स्टेज-1 एवं अन्य आवश्यक स्वीकृतियां सम्बन्धित विभागों एवं मंत्रालयों से प्राप्त की जा चुकी हैं। परियोजना से प्रभावित होने वाले कुटुम्बों के पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन हेतु 247 करोड़ रुपये का व्ययभार राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री से राज्य सरकार की सीमित वित्तीय संसाधनों के दृष्टिगत परियोजना के लिए 1774 करोड़ रुपये की अवशेष धनराशि का वित्त पोषण भारत सरकार से विशेष सहायता के अन्तर्गत कराने का अनुरोध किया। इसके साथ उत्तराखंड की विशेष परिस्थितियों और सीमित वित्तीय संसाधनों को देखते हुए बाह्य सहायतित परियोजनाओं की ऋण राशि पर लगाई गई सीलिंग को हटाए जाने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एडीबी के तहत देहरादून के मुख्य मार्गों में विद्युत लाइनों को भूमिगत करने के साथ ही राज्य की पारेषण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण के कार्य, जिसमें विद्युत उपस्थानों एवं लाइनों का निमार्ण कार्य सम्मिलित है, का कार्य शीघ्र किया जाना है। मुख्यमंत्री ने आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार से उपरोक्त योजना की स्वीकृति प्रदान कराए जाने का अनुरोध किया। इस पर केंद्रीय वित्त मंत्री ने पुनर्मूल्यांकन हेतु प्रस्ताव भेजने को कहा ताकि अग्रिम कार्यवाही की जा सके। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मुख्यमत्री पुष्कर सिंह धामी को हर संभव सहयोग के प्रति आश्वस्त किया।

कालागढ़ में 400 क्यूसेक पानी छोड़ा, नदियों के जलस्तर पर पैनी हुई आपदा प्रबंध की नजर

- मुरादाबाद में रामगंगा नदी का जलस्तर 187.93 मीटर, चेतावनी स्तर है 190.60 मीटर पर

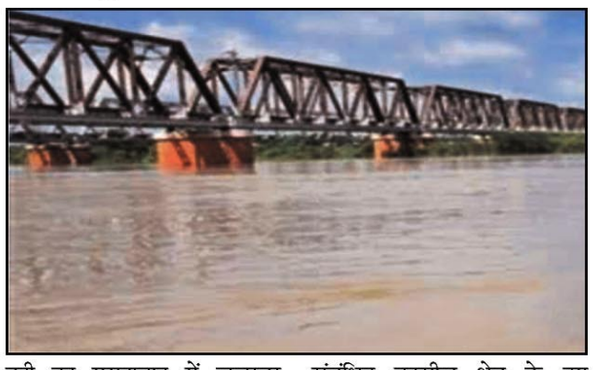

मुरादाबाद (हि.स.)। पहाड़ी व मैदानी क्षेत्रों में भारी बारिश होने से जिले की नदियों में भी पानी का प्रवाह तेज हुआ है। हरिद्वार में गंगा के जलस्तर में कमी से रामगंगा नदी मुरादाबाद में भी घटते क्रम में है। लेकिन रामगंगा नदी का जलस्तर कालागढ़ और गागन नदी के जलस्तर से बढ़ते क्रम में है। बीती रात्रि कालागढ़ में 400 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया है। इसे देखते हुए मुरादाबाद जिला आपदा प्रबंध प्राधिकरण रामगंगा के साथ आस-पास की नदियों के जलस्तर पर नजर बनाए हुए है। जिला आपदा विशेषज्ञ पंकज मिश्र ने बताया कि राहत के लिए बाढ़ चौकी व शरणालयों की व्यवस्था की निगरानी बढ़ा दी गई है। सोमवार को रामगंगा नदी का कटघर रेलवे पुल के पास जलस्तर उतार के क्रम में दिख रहा है। यहां पानी चेतावनी स्तर 190.60 मीटर की तुलना में 187.93 मीटर है। वहीं कालागढ़ स्थित रामगंगा नदी में 400 क्यूसेक डिस्चार्ज होने से वहां का जलस्तर 333.35 मीटर है। जो चेतावनी स्तर 366.30 मीटर से 32.95 मीटर कम है। जबकि गागन नदी का मुरादाबाद में जलस्तर चेतावनी लेवल से सिर्फ 2.55 मीटर ही नीचे है। जिला आपदा प्रबंध प्राधिकरण की ओर से जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए 34 बाढ़ चौकी, 22 बाढ़ शरणालयों में व्यवस्था की जानकारी ली जा रही है। नदियों का जलस्तर पता किया जा रहा है। फिलहाल जिले में सभी तटबंध सु-रक्षित बताया जा रहा है। सोमवार को न्यूनतम तापमान 25 और अधिकतम 38 डिग्री सेल्सियस रहा।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष से ली जा रही हैं नदियों के जलस्तर की रिपोर्ट : जिला आपदा विशेषज्ञ पंकज मिश्र ने बताया कि कलेक्ट्रेट परिसर में आपदा प्रबंध प्राधिकरण में बाढ़ नियंत्रण कक्ष से नदियों के जलस्तर की रिपोर्ट लेकर संबंधित तहसील क्षेत्र के उप जिलाधिकारी और तहसीलदार को भेजी जा रही है। इसी के अनुसार उन्हें अपने तहसील क्षेत्र में व्यवस्था रखने की सलाह दी जा रही है। उन्होंने बताया कि कलेक्ट्रेट परिसर में बाढ़ कंट्रोल रूम के नंबर 0591-2412728 और मोबाइल नंबर 9454416867 व टोल फ्री नंबर 1077 पर सूचना का आदान प्रदान किया जा सकता है। जिला मुख्यालय के अलावा तहसील स्तर पर भी बाढ़ कंट्रोल रूम सक्रिय है। सदर तहसील में 0591-2971370, कांठ में 0591-2974411, बिलारी में 0591-270011 और ठाकुरद्वारा में 0591-2241231 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री योगी ने की नाथपंथ के गुरुजन की विशिष्ट पूजा

- सुबह 05 बजे से 07 बजे तक चला मंदिर में अनुष्ठान

गोरखपुर। गुरु पूर्णिमा पर सोमवार को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिवावतार गुरु गोरक्षनाथ एवं नाथपंथ के गुरुजन की विशिष्ट पूजा की। साथ ही मंदिर की गोशाला में गोवंश की सेवा कर उन्हें गुड़ खिलाया। गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा पूजन का अनुष्ठान सुबह 05 बजे से 07 बजे तक चला। सामूहिक आरती के साथ अनुष्ठान की पूर्णता हुई। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सभी गुरुओं और मंदिर परिसर में मौजूद सभी देव विग्रहों के समक्ष विधि विधान के साथ पूजन किया। देशवासियों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं भी दीं। सोमवार सुबह मुख्यमंत्री ने सबसे पहले नाथपंथ के आदिगुरु भगवान गोरखनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनकी पूजा की। वह परिसर में मौजूद सभी देव-विग्रहों के पास पहुंचे और उनका पूजन किया। उसके बाद वह बारी-बारी से बाबा गंभीरनाथ, अपने दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ समेत ब्रह्मलीन गुरुओं की समाधि पर गए। सभी का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन कर आशीर्वाद लिया। गोरखनाथ मंदिर में नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने गुरु गोरखनाथ को रोट का महाप्रसाद अर्पित किया। पूजा-अर्चना की आनुष्ठानिक प्रक्रिया सम्पन्न होने के बाद गुरु पूर्णिमा पर होने वाली परंपरागत सामूहिक महाआरती हुई तथा सभी गुरुओं के प्रति आस्था निवेदित की गई। इस अवसर पर सभी नाथ योगियों ने भी गोरक्षपीठाधीश्वर का नाथ परम्परानुसार आशीर्वाद लिया।

योगी से दुलार पाकर भाव विह्वल हुए गोवंश

- गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हमेशा की तरह मंदिर की गोशाला भी गए। यहां उन्होंने गोवंश को उनके नाम से पुकारा और उनके पास आने पर खूब दुलारा। अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया। योगी का दुलार पाकर गोवंश भाव विह्वल नजर आए। एक गोवंश योगी से इस कदर खेलने लगा कि मानो वह किसी बात पर रूठ गया हो। उन्होंने, क्यों नाराज है, कहकर उसके माथे व गर्दन को सहलाया तो वह स्नेहाभिभूत होकर उनसे लिपटने लगा।

मुख्यमंत्री योगी ने मातृशक्ति को गुरुशक्ति के समान किया प्रतिष्ठित

गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर गोरखनाथ मंदिर में मातृशक्ति के सम्मान से जुड़ा हृदय को झंकृत कर देने वाला दृश्य देखने को मिला। यह तब साकार हो रहा था जब मुख्यमंत्री योगी द्वारा मातृशक्ति को गुरुशक्ति सदृश प्रतिष्ठित किया जा रहा था। आशीर्वाद लेने गए जुड़वा भाई-बहन को उन्होंने स्नेह और आशीष तो दिया ही भाई को संस्कार की यह दीक्षा भी दी कि बहन का गुरु की भांति ही सम्मान करो। उन्होंने भाई से बहन के पांव स्पर्श कराए और आशीर्वाद दिलाया। दरअसल, गुरु पूर्णिमा पर गोरक्षपीठ में शीश नवाने तथा गोरक्षपीठाधीश्वर का आशीर्वाद लेने नई दिल्ली से रजत अरोड़ा अपनी पत्नी मेघा और जुड़वा बच्चों, बेटी आद्या व बेटा अभव के साथ आए हुए थे। सोमवार सुबह इस परिवार की मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ से मुलाकात हुई। योगी ने सबको आशीर्वाद तो दिया ही जुड़वा भाई-बहन पर खूब स्नेह भी लुटाया। उन्होंने भाई अभय से प्यार से पूछा, बहन को सम्मान देते हो। उसने हां कहते हुए सिर हिलाया। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गुरु पूर्णिमा है। बहन को भी गुरु जैसा मानो और पांव छूकर आशीर्वाद लो। उसने ऐसा ही किया। उसने बहन आद्या के पांव स्पर्श कर हाथ माथे पर लगा लिया। बच्चों के इस स्नेह पर योगी भी मोहित हो गए।

हेट स्पीच सहित दो मामलों में विधायक अब्बास अंसारी की वीसी से हुई पेशी

आरोपियों की हाजिरी के लिए 15 जुलाई की तिथि नियत

मऊ (हि. स) बीते विधानसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन और हेट स्पीच के दो मामलों में आरोपी विधायक अब्बास अंसारी की सोमवार को कासगंज जेल से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी हुई। मामला आरोपियों की हाजिरी के लिए नियत है, उमर अंसारी के कोर्ट में उपस्थित न होने पर उनके विरुद्ध पहले से ही गैरजमानतीय वारंटी जारी किया गया है। लेकिन अब तक उन्हें न तो पुलिस गिरफ्तार कर कर सकीऔर न ही उन्होंने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया। सीजेएम/ एमपी एमएलए कोर्ट श्वेता चौधरी ने मामले में आरोपियों की हाजिरी के लिए 15 जुलाई की तिथि नियत किया। इसमें एक मामला शहर कोतवाली और दूसरा दक्षिण टोला थाना क्षेत्र का है। पहला मामला शहर कोतवाली क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार एस-ाआई गंगाराम बिंद की तहरीर पर शहर कोतवाली में अपराध संख्या 97/ 22 धारा 506, 171च भादवि के तहत एफआईआर दर्ज हुई। इसमें सदर विधायक अब्बास अंसारी व अन्य को आरोपी बनाया गया। आरोप था कि 3 मार्च 22 को विधानसभा चुनाव के दौरान सदर विधानसभा सीट से सुभासपा के प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे अब्बास अंसारी ने नगर क्षेत्र के पहाड़पुर मैदान में जनसभा के दौरान कहा कि जनपद मऊ के प्रश-ासन को चुनाव के बाद रोककर हिसाब-किताब करने व इसके बाद सबक सिखाने की धमकी मंच से दी गई थी। पुलिस ने विवेचना में मामले में धारा 506, 171 एफ,186,189,153 ए, 120 बी भादवि में सदर विधायक अब्बास अंसारी व उनके भाई उमर अंसारी, इलेक्शन एजेंट गाजीपुर जनपद के पुरानी कचहरी यूसुपुर मुहम्मदाबाद निवासी मंसूर अंसारी के विरुद्ध आरोप पत्र कोर्ट में पेश किया है। मामले में उमर अंसारी के विरुद्ध गैरजमानतीय वारंट जारी है। सीजेएम ने मामले में 15 जुलाई की तिथि नियत किया। दूसरा मामला दक्षिणटोला क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार तत्कालीन निरीक्षक पंकज कुमार सिंह की तहरीर पर 12 फरवरी 22 को चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में अपराध संख्या 27/ 22 धारा 188, 171एच भादवि व धारा 133 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज हुई थी। मामले में पुलिस ने विवेचना कर आरोपित कोर्ट में प्रेषित किया है। मामले में अभियुक्तों की हाजिरी के लिए 15 जुलाई की तिथि नियत किया।

प्रधान पति का मिला रक्तरंजित शव, चुनावी रंजिश में हत्या की आशंका

कानपुर, (हि.स.)। बिधनू थाना क्षेत्र में सोमवार को प्रधान पति का रक्तरंजित शव मिला। परिजनों ने चुनावी रंजिश में हत्या की आशंका जताई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक व डॉग स्क्वॉयड टीम के साथ साक्ष्य जुटाया। कुल्हाड़ी मारकर प्रधान पति की हत्या की गई है। ग्राम पंचायत बकौली की ग्राम प्रधान सरोज पांडेय ने बताया कि उनके पति श्रीराम पांडेय रविवार देर शाम बाइक से सब्जी लेने के लिए कठारा गांव स्थित सब्जी मंडी गये थे। रात तक वापस नहीं आये तो उनको फोन मिलाया तो नंबर बंद था। इस पर बेटे लवकुश और गांव के अन्य लोगों ने तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। सोमवार की सुबह परिवार और गांव के लोग तलाश में जुटे ही थे कि सूचना मिली कि बकौली और गोसरा के बीच जाने वाले कच्चे संपर्क मार्ग पर उनका रक्तरंजित शव पड़ा मिला है। ग्राम प्रधान ने बताया कि उनके पति का राजनैतिक रसूख अच्छा था। महिला सीट होने के चलते उन्होंने मुझे चुनाव लड़ाया और मैं भारी वोटों से जीती थी। इसी को लेकर विरोधी रंजिश मानते थे और आशंका है कि चुनावी रंजिश में उनके पति की हत्या की गई है। सूचना मिलते ही बिधनू थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद एसीपी घाटमपुर दिनेश शुक्ला भी मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। खोजी कुत्ता कुछ दूर इधर-उधर जाने के बाद रास्ता भटक गया। एसीपी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

सपा विधायक के बेटे को पीटा, आरोपित के साथ मां, भाई व बहनों पर मुकदमा दर्ज

मुरादाबाद (हि.स.)। थाना गलशहीद क्षेत्र निवासी मुरादाबाद देहात से सपा विधायक हाजी नासिर कुरैशी के बेटे की तहरीर के आधार पर आत थाना गलशहीद पुलिस ने मारपीट के आरोप में एक ही परिवार के पांच लोगों के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया। विधायक के बेटे ने रविवार रात्रि में थाना पुलिस को दी तहरीर में थाना क्षेत्र के असालतपुरा निवासी समीर, उसके भाई, उसकी दो बहनों और मां पर मारपीट का आरोप लगाया था। मु-रादाबाद देहात से विधायक हाजी नासिर कुरैशी के बेटे मोहम्मद आमिर कुरैशी ने रविवार रात्रि में थाना गलशहीद पुलिस को दी तहरीर में थाना क्षेत्र के लंगड़े की पुलिया असालतपुरा निवासी समीर पर आरोप लगाया कि वह कई दिनों से अश्लील हरकतें कर रहा है। उन्होंने और मोहल्ले के लोगों ने उसे समझाया भी लेकिन, वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। पिछले कई दिनों से आ-रोपित समीर रंजिशन उनके कार्यालय एवं घर के बाहर अपने मोहल्ले के कई लोगों को लेकर खड़ा हो जाता है और फिर यह सब लोग अश्लील हरकत करते हैं। बीती 30 जून व 1 जुलाई को भी आरोपितों ने यही हरकत की। बेटे मोहम्मद आमिर कुरैशी ने आरोप लगाते हुए बताया कि बीती रात्रि वह अपने कार्यालय से घर जा रहे थे तो समीर उनके घर के सामने हाथ में थैला लिए खड़ा था । उन्होंने उसे टोका और इतनी रात में घर के बाहर खड़ा होने के बारे में पूछा तो समीर ने चिल्ला कर कहा कि मैं आज तुम्हारी विधायकी निकाल दूंगा। मोहम्मद आमिर कुरैशी ने पुलिस को बताया है कि जैसे ही उन्होंने समीर को टोका, उसने शोर मचाकर अपने भाई और परिवार के लोगों को बुला लिया। फिर अपने भाई से कहा कि जल्दी बम का थैला ले आओ, आज इसका काम तमाम कर देंगे। इसके बाद समीर ने अपने भाई, दो बहनों और मां के साथ मिलकर उसे पीट दिया। थाना गलशहीद प्रभारी मोहित काजला ने बताया कि आमिर कुरैशी की तहरीर के आधार पर सभी आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर लिया हैं। विधायक के बेटे आमिर कुरैशी ने पुलिस से बताया है कि र-विवार रात्रि विवाद के दौरान समीर ने उसके ऊपर जान से मारने की नियत से फायर भी किया था। हालांकि वह भागकर अपने घर घुस गया, जिससे उसकी जान बच गई।

कन्नौज के छात्र-छात्राओं का प्रवेश आश्रम पद्धति विद्यालयों में कराया गया

- 40 छात्र- छात्राओं को कक्षा 6 और 9 में मिला प्रवेश

- पुराने विद्यार्थियों ने नए साथियों का किया स्वागत

लखनऊ, (हि.स.)। जनपद कन्नौज के 40 बच्चे-बच्चियों और उनके अभिभावकों के लिए सोमवार का दिन खास रहा। क्योंकि उनको गुणवत्तापरक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर समाज कल्याण विभाग के सहयोग से मिला है। इन बच्चों का प्रवेश सोमवार को लखनऊ के मोहन रोड स्थित आश्रम पद्धति विद्यालयों में कराया गया। इस मौके पर समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बच्चों के साथ संवाद कर शिक्षा की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। पुराने विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि विद्यालयों में कक्षाओं का नियमित संचालन होता है। कला, विज्ञान एवं कंप्यूटर की शिक्षाएं अच्छे अध्यापकों द्वारा दी जा रही हैं। यहां लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब, खेलकूद, रहने, खाने-पीने इत्यादि की बेहतर व्यवस्था है। इस दौरान श्री अरुण ने बताया कि इन विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए कन्नौज के अब तक 40 छात्र -छात्राओं को कक्षा 6 से 9 के लिए प्रवेश दिया जा चुका है। अन्य छात्र- छात्राओं का प्र-वेश प्रक्रियाधीन है। इन विद्यालयों में बेहतर व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो, इसके लिए हाल ही में विज्ञान वर्ग के 45 नये शिक्षकों की नियुक्ति की गयी है। शिक्षा प्रभावित न हो इसके लिए गेस्ट लेक्चरर की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने बताया कि जल्द ही छात्र - छात्राओं को कम्प्यूटर व टैब उपलब्ध कराए जाएंगे । इस दौरान राज्यमंत्री ने अभिभावकों से सुझाव मांगे और जरूरतमंद छात्राओं को बैग भी वितरित किए। अरुण ने अपने बयान में कहा कि "बाबा साहब के' अवसर की समानता' को आश्रम पद्धति विद्यालयों द्वारा दी गई शिक्षा से धरातल पर उतारने का प्रयास किया जा रहा है। छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराना हमारी प्राथमिकता है।

अमित अग्रवाल और दिलीप घोष की जमानत याचिका पर सुनवाई 7 जुलाई को

रांची, (हि. स.)। रांची के बरियातू स्थित सेना की जमीन से जुड़े घोटाला मामले में कोलकाता के व्यवसायी अमित अग्रवाल और दिलीप घोष की जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद अदालत ने मामले में सुनवाई के लिए अब सात जुलाई की तिथि निर्धारित की है। दोनों आरोपितों ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से 26 जून को ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में जमानत याचिका दाखिल की थी। उल्लेखनीय है कि ईडी ने गत सात जून को कोलकाता के कारोबारी अमित अग्रवाल और दिलीप घोष को गिरफ्तार किया था। दोनों की गिरफ्तारी कोलकाता से हुई थी। रांची के बड़गाईं अंचल के बरियातु स्थित सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद बिक्री से जुड़े इस केस में रांची के पूर्व उपायुक्त आइएएस छवि रंजन, बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, सेना के कब्जे वाली जमीन का फर्जी रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान और मोहम्मद सद्दाम के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल हो चुकी है।

मंत्री बादल पत्रलेख ने किया श्रावणी मेले का विधिवत उद्घाटन

देवघर (हि. स.) झारखंड सीमा पर अवस्थित दुम्मा कांवरिया पथ श्रावणी मेला का कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग मंत्री बादल पत्रलेख ने सोमवार को विधिवत उद्घाटन किया। शुभारंभ कराने के लिए 11 वैदिक पुरोहितों द्वारा बाबा बैद्यनाथ की पूजा के साथ विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला, 2023 का शुभारंभ कराया गया। मंत्री बादल पत्रलेख ने कहा कि मुख्यमंत्री के अगुवाई में हम सभी मिलकर बाबा के भक्तों का स्वागत करेंगे। राज्य स-रकार व जिला प्रशासन के साथ-साथ हम सभी के लिए यह अवसर है कि वे अपनी जिम्मेदारियों को समझें। सभी के भागीदारी के बिना इतना बड़ा आयोजन कतई सफल नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा सरकार आपके साथ है। आइये कदम से कदम मिलाकर चलें और अपने पुनीत कर्तव्य का पालन करें।

बेबी देवी के शपथ ग्रहण समारोह में इंट्री नहीं मिलने से नाराज मंत्री मिथिलेश ठाकुर

रांची, (हि.स.)। दिवंगत जगरनाथ महतो की पत्नी बेबी देवी ने सोमवार को झारखंड सरकार में 11वें मंत्री के रूप में शपथ ली। बेबी देवी को राजभवन के दरबार हॉल में सोमवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन सहित कई नेता और मंत्रियों ने हिस्सा लिया। हालांकि इस शपथ ग्रहण समारोह में झामुमो के कई मंत्रियों व नेताओं को इंट्री नहीं मिलने से वे नाराज हैं। झारखंड सरकार में पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर और पर्यटन, खेल-कूद, कला-संस्कृति व युवा कार्य विभाग मंत्री हफीजुल हसन नाराज होकर राजभवन के गेट से लौट गये। बताया गया कि वहां उन्हें अंदर जाने नहीं दिया गया। मंत्री मिथिलेश ठाकुर शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए राजभवन पहुंचे थे, लेकिन उन्हें अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गयी, जिससे नाराज होकर वे लौट गये। उन्होंने कहा कि वे इस समारोह में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र के इशारे पर राजभवन काम कर रहा है, यह लोकतंत्र पर कुठाराघात है। मंत्रियों को नहीं जाने देना, उसके कार्यकताओं को नहीं जाने देना और मीडियाकर्मियों को भी नहीं जाने देना, यह पूरी तरह से तानाशाही है। उन्होंने कहा कि राजभवन पूरी तरह से केंद्र के इशारे पर काम कर रहा है।

भाजपा महिला मोर्चा ने शुरू की टिफिन बैठक, विधायक ने भी लिया भाग

अररिया (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की ओर से महाजनसंपर्क अभियान के तहत सोमवार को फारबिसगंज में टिफिन बैठक का आयोजन किया गया।जिसमें मंत्री से लेकर बूथ स्तर तक के कार्यकताओं ने एक साथ बैठकर भोजन किया।मौके पर फारबिसगंज विधायक विधासागर केसरी उर्फ मंचन केसरी उपस्थित रहे। विधायक श्री केसरी ने 1957 से जनसंघ के समय से चली आ रही परंपरा के तहत भाजपा महिला मोर्चा का इस तरह के आयोजन पर आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि यह बैठक कार्यकताओं और पदाधिकारियों के बीच आपसी मेल बढ़ाने और मतभेद खत्म करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है।सभी ने एक साथ बैठकर भोजन किया और विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। मौके पर भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष चांदनी सिंह ने कहा भाजपा ने देश भर में टिफिन बैठक शुरू की है।इस-ाकी शुरूआत पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा कर चुके हैं। टिफिन बैठक में पार्टी के सीनियर नेता पार्टी कार्यकताओं के साथ बैठक करने के साथ साथ ही लंच भी कर रहे हैं। टिफिन मीटिंग के जरिए पार्टी सभी कार्यकताओं को यह संदेश दे रही है कि भाजपा में नेता और कार्यकर्ता के बीच कोई फर्क नहीं है। महिला मोर्चा जिला महामंत्री नम्रता सिंह ने बताया कि पार्टी जिला भर में इस तरह का टिफिन बैठक करेगी और यह विधानसभा स्तर पर होगी। इसमें केंद्र की मोदी सरकार की 9 साल की उपलब्धियों पर बात होगी और कार्यकताओं से अलग अलग मसलों पर चर्चा होगी।भाजपा के महाजनसंपर्क अभियान के तहत सीनियर नेताओं का प्रवास अभियान भी है। इस मौके पर महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष चांदनी सिंह, विधायक विधासागर केसरी उर्फ मंचन केसरी, महिला मोर्चा जिला महामंत्री नम्रता सिंह, प्रताप नारायण मंडल, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष लक्ष्मी रंजन, निलिमा साह, अमित निराला, चन्द्रकला देवी,बेचनी देवी,बेबी देवी, समेत बड़ी संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता मौजूद थें।

पूर्व मंत्री डॉ आलोक रंजन ने तीन सड़कों का शिलान्यास किया

सहरसा, (हि.स.)। सहरसा विधानसभा क्षेत्र के बैजनाथपुर, कढ़ैया एवं बखरी में ग्रामीण कार्य विभाग एमआर 3054 से निर्माण कराये जा रहे तीन सड़क का विधायक डॉ आलोक रंजन ने सोमवार को शिलान्यास किया। इसके अंतर्गत बैजनाथपुर सोनवर्षा एसएच 59 से पदमपुरा पथ की लंबाई -2.50 किमी,पीएमजीएसवाई कचरा मेन रोड से नाथू यादव के घर तक पथ की लंबाई -2.00 किमी तथा बरबरी महेन्द्र साह के घर से उत्तर रागी मेहता के घर होते हुए मध्य विद्यालय तक पथ की लंबाई -2.25 किमी का बिहार सरकार के पूर्व मंत्री व सहरसा विधायक डॉ आलोक रंजन ने शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की विकास मेरी प्राथमिकता है और हम इसके लिए समर्पित हैं।मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष महावीर यादव, विकास साह, अनमोल भगत, बिपिन प्रकाश, जयचंद प्रसाद सिंह, रमेश शर्मा, रतन यादव, सुरेन्द्र गुप्ता, घनश्याम कुशवाहा, पवन मेहता, नवीन साह, आजाद गुप्ता, सुमित कुमार बिट्टू, सोनू कुमार, संवेदक अरविंद कुमार, सदानंद मेहता, अजय कुशवाहा, रामविलास साह, कुलदीप कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

चाचा को पलटू राम कहते कहते स्वयं भतीजा तेजस्वी यादव भी पलटू राम बन गए हैं : संजय जायसवाल

बेतिया, (हि.स)। बिहार के शिक्षा मंत्री द्वारा यह कहा जाना कि बिहार में मेघावी छात्रों की कमी है के विरोध में और शिक्षक अभ्यर्थियों को न्याय दिलाने हेतु 13 जुलाई को भाजपा विधानसभा मार्च निकालेगी, जिसमें पश्चिम चंपारण की अच्छी भागीदारी होगी। उक्त बातें मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए पश्चिम चंपारण स-ांसद एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर संजय जयसवाल कहीं। उन्होंने कहा कि अब तक शिक्षक अभ्यर्थियों के फार्म में 8 बार बदलाव किया जा चुका है । उन्होंने कहा कि चाचा को पलटू राम कहते कहते स्वयं भतीजा तेजस्वी यादव भी पलटू राम बन गए हैं। सांसद डॉक्टर जयसवाल ने कहा कि आज सुबह मेरी केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव जी से बात हुई है, उन्होंने छावनी आर ओ बी निर्माण कार्य में होरही देरी पर चिन्ता जताते हुए कहा कि बिहार सरकार द्वारा इस काम को जितेंद्र यादव नामक एक ठे-केदार से कराया जा रहा है जो बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के बहुत करीबी बताए जाते हैं। जिसके कारण छावनी आर ओ बी निर्माण कार्य में देरी की जा रही है। ताकि निर्धारित समय पर पूरा नहीं हो सके इस आर ओ बी का उद्घाटन अक्टूबर माह में सुनिश्चित किया गया था। जो संभव नहीं दिखाई दे रहा है । उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव द्वारा हर सप्ताह छावनी आर ओ बी निर्माण कार्य की रिपोर्टिंग मांगी गई है जिसका निर्माण 138 करोड़ रुपए में कराया जाना है।

संपादकीय

संसद में नागरिक संहिता

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 11 अगस्त तक चलेगा। मणिपुर हिंसा, समान नागरिक संहिता, अडानी की जेपीसी जांच, महंगाई, बेरोजगारी समेत ऐसे मुद्दे उठाए जाएंगे, जिन पर हंगामा होना निश्चित है। नए संसद भवन में भी यही मानसिकता रहेगी कि विपक्ष मुद्दों पर शोर मचाएगा, नारेबाजी करेगा और सत्ता-पक्ष अपने तरीके से सदन की कार्यवाही चलाना चाहेगा। कुछ मुद्दों पर सरकार की सोच भिन्न हो सकती है, लिहाजा कार्यवाही का स्थगन बार-बार हो सकता है। अब यह कोई नया संस्कार या व्यवधान नहीं है। हालांकि कोई पुष्टि नहीं है, लेकिन माना जा रहा है कि मानसून सत्र में ही समान नागरिक संहिता का विधेयक संसद में पेश किया जा सकता है। उससे पहले विधि आयोग ने 13 जुलाई तक देश की जनता और धार्मिक-सामाजिक संगठनों की राय मांगी है। सबसे विवादास्पद और सनसनीखेज पक्ष यह होगा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने भी अपना मसविदा विधि आयोग के सामने प्रस्तुत करना तय किया है। विधि आयोग की संकलित रपट केंद्र सरकार को सौंपने से पहले संसदीय स्थायी समिति की भी बैठक है, जिसकी अध्यक्षता भाजपा के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी करेंगे। समान नागरिक संहिता पर विपक्ष विभाजित-सा लगता है, लेकिन उसमें गहरी दरारें नहीं होंगी और न ही अभी दोफाड़ के आसार हैं। हालांकि आम आदमी पार्टी (आप), शिवसेना (उद्धव गुट), जनता दल-यू और जद-एस सरीखे विपक्षी सैद्धांतिक तौर पर समान नागरिक संहिता के समर्थन में हैं, जबकि कुछ दल फिलहाल विचार कर रहे हैं। जद-एस तो विपक्षी एकता की छतरी तले अभी नहीं है और 'आप' का मन डांवाडोल है। शरद पवार की एनसीपी का रुख अभी आधा-अधूरा है। बहरहाल विपक्षी एकता की अगली बैठक 13-14 जुलाई को बेंगलुरू में होगी। भाजपा कोशिश कर रही है कि एनडीए के पुराने घटक-दलों को फिर साथ में लाकर गठबंधन का विस्तार किया जाए। तेलुगूदेशम पार्टी के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात कर चुके हैं। उप्र में ओमप्रकाश राजभर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिल चुके हैं। पंजाब में अकाली दल के नेताओं से भी बातचीत जारी है, लेकिन अकाली फिलहाल समान नागरिक संहिता के खिलाफ हैं। बहरहाल इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक संबोधन के बाद हलचलें बढ़ गई हैं। अभी संसद का पूरा शीतकालीन सत्र सत्ता-पक्ष के लिए शेष है। वे चाहेंगे, तो यह बिल संसद में पारित किया जा सकता है। फिर कानून बनना तो औपचारिकता भर है, लेकिन संसद में इस बिल को पारित कराने के लिए कमोबेश दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होगी। उसके मुताबिक, लोकसभा में सरकार को 362 सांसदों का समर्थन चाहिए। भाजपा-एनडीए के ही करीब 335-340 सांसद हैं। सरकार को वाईएसआर कांग्रेस और बीजद के समर्थन मिलते रहे हैं। राज्यसभा में भाजपा-एनडीए के 110 सांसद हैं। समान नागरिक संहिता का बिल पारित कराने को 57 और सांसदों के समर्थन की दरकार है। सरकार आश्वस्त है कि जिस तरह अनुच्छेद 370 और तीन तलाक से जुड़े विधेयक राज्यसभा में भी पारित करा लिए गए, उसी तरह समान नागरिक संहिता को भी पारित करा लिया जाएगा। बहरहाल इस संदर्भ में कुछ ऐसे विवादास्पद बदलाव किए जाने की उम्मीद है, जिन पर मुसलमान बिफर सकते हैं। मसलन-बहुविवाह पर रोक लगेगी। यानी मुसलमानों को चार शादियां करने की कानूनन छूट नहीं होगी। विवाह की उम्र 21 साल कर दी जाएगी, जो सभी समुदायों पर लागू होगी। बच्चा गोद लेने का अधिकार औरत को भी होगा। खासकर मुस्लिम औरत भी अपने शौहर को तलाक दे सकेगी। उत्तराधिकार में बेटी को भी बराबर का हिस्सा मिलेगा। हलाला और इद्दत पर पाबंदी लगेगी। लिव इन रिलेशन की जानकारी मां-बाप को देना अनिवार्य होगा और उसका पंजीकरण भी कराना पड़ेगा। शरिया के आधार पर नहीं, बल्कि संवैधानिक अदालतों में सभी मामले निपटाए जाएंगे। जिंदगी के बुनियादी और आधिकारिक मुद्दों पर एक ही कानून लागू होगा, जिस तरह अपराध के कानून लागू होते हैं। फिलहाल कोई भी मसविदा सामने नहीं है। सिर्फ अवधारणा के आधार पर ही बहस जारी है।

> समान नागरिक संहिता पर विपक्ष विभाजित-सा लगता है, लेकिन उसमें गहरी दरारें नहीं होंगी और न ही अभी दोफाड़ के आसार हैं। हालांकि आम आदमी पार्टी (आप), शिवसेना (उद्धव गुट), जनता दल-यू और जद-एस सरीखे विपक्षी सैद्धांतिक तौर पर समान नागरिक संहिता के समर्थन में हैं, जबकि कुछ दल फिलहाल विचार कर रहे हैं। जद-एस तो विपक्षी एकता की छतरी तले अभी नहीं है और 'आप' का मन डांवाडोल है। शरद पवार की एनसीपी का रुख अभी आधा-अधूरा है। बहरहाल विपक्षी एकता की अगली बैठक 13-14 जुलाई को बेंगलुरू में होगी। भाजपा कोशिश कर रही है कि एनडीए के पुराने घटक-दलों को फिर साथ में लाकर गठबंधन का विस्तार किया जाए। तेलुगूदेशम पार्टी के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात कर चुके हैं।

कुछ अलग

मंदिरों में आदर्श आचार संहिता

मंदिर की परंपराएं अपने शुद्धिकरण या माहौल की शुचिता में प्रयास करें तो इससे सामाजिक ताने बाने का अनुशासन और धार्मिक मर्यादाएं सुनिश्चित होंगी। इसी परिप्रेक्ष्य में ऊना जिला के द्रोण महादेव शिव मंदिर अंबोटा के गर्भगृह प्रवेश में एक ड्रैस कोड लागू हो रहा है। मसला कहीं इससे भी बड़ा यानी मंदिर परिसरों में आचार संहिता का है। दरअसल मंदिरों की मान्यता में जबसे पर्यटन की घुसपैठ हुई है, कई परंपराएं विचलित हैं। बेशक आमदनी के लिहाज से धार्मिक पर्यटन का विकसित रूप हिमाचल की आर्थिकी को संबल दे रहा है, लेकिन धार्मिक नगरियों में संगत का सौहार्द न॰र नहीं आता। मंदिर परिसर अपने साथ पर्यटन व शहरी आर्थिकी के साथ-साथ स्वरोजगार के विविध अवसर भी पैदा कर रहे हैं, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि यह आवारगी के केंद्र भी बन जाएं। पिछले कुछ सालों से यह भी देखा जा रहा है कि श्रद्धालुओं की टोली में तथा सैलानियों के वेश में पड़ोसी राज्यों के आपराधिक तंत्र का आगमन हुआ है। मंदिर स्थलों के समीप हत्याएं, आत्महत्याएं तथा लड़ाई-झगड़ों में बढ़ोतरी का एक कारण यह भी है कि यहां कानून व्यवस्था राम भरोसे चल रही है। आज तक मंदिर आचार संहिता जैसे कोई स्पष्ट निर्देश सामने नहीं आए हैं। प्रदेश को कम से कम प्रमुख मंदिर नगरियों का विकास एक आदर्श मॉडल के तहत करना चाहिए और इन्हें नागरिक समाज के सहयोग से मर्यादित रखना होगा। उदाहरण के लिए चिंतपूर्णी, नैना देवी, बालासुंदरी, ज्वालामुखी, दियोटसिद्ध, कांगड़ा व चामुंडा की मंदिर आय के साथ इनके पांच से दस किलोमीटर दायरे को धार्मिक नगर के रूप में ऐसा आकार देना चाहिए ताकि श्रद्धालु या पर्यटक मन की शांति के लिए ही आएं। मंदिर दर्शन की पद्धति में सुधार की गुंजाइश ऊना के द्रोण महादेव मंदिर प्रबंधन को दिखाई दे रही है, तो कमोबेश इसी तरह हर मंदिर में आदर्श आचार संहिता की सख्त जरूरत है। विडंबना यह है कि हिमाचल के मंदिरों का संचालन आधे अधूरे संकल्प और काम चलाऊ व्यवस्था के तहत हो रहा है। मूलतः राजस्व और प्रशासन के अधिकारी ही सरकार के अधीन आए मंदिरों को चला रहे हैं, जबकि अब तक कई कार्य और बदलाव हो जाने चाहिए थे। सभी मंदिरों का संचालन एक केंद्रीय ट्रस्ट के तहत होता, तो कार्य पद्धति, पूजा विधि, मंदिरों की व्यवस्था तथा प्रबंधन भी एक जैसा होता। इसके तहत मंदिर प्रबंधन के तहत एक स्थायी कॉडर विकसित हो जाता। ऐसे में मंदिरों के प्रबंधन के लिए एक मंदिर विकास एवं प्रबंधन प्राधिकरण की जरूरत है जिसका मुख्यालय ज्वालाजी जैसे केंद्रीय स्थल पर स्थापित किया जा सकता है। मंदिरों में आरती, पूजा के तौर तरीके, मंत्रोच्चारण के सही प्रयोग जब होंगे, तो हर पर्यटक को श्रद्धालु होने की मान्यता में मंदिर आचार संहिता का पालन करना पड़ेगा। विडंबना यह है कि मंदिरों के आसपास शराब के ठेके, सिगरेट-बीड़ी की दुकानें और मांसाहारी रेस्तरां सरेआम उस भावना का उल्लंघन कर रहे होते हैं, जिसके तहत ऊना के शिवालय को ड्रेस कोड लागू करना पड़ता है। हम किसी बेटी के कपड़ों की निगरानी में मंदिर की रखवाली तो कर लेंगे, लेकिन परिसर के ठीक बाहर ठेकों पर खड़ी शराबियों की पंक्ति में गाली-गलौच को कैसे रोकेंगे।

भारत का फार्मा सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है और भारत दुनिया की गुणवत्ता वाली फार्मेसी है

फार्मा सेक्टर में नवाचार-गुणवत्ता जरूरी

डा. जयंतीलाल भंडारी

> भारत के द्वारा नकली दवाओं के मामले में कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति के तहत लगातार व्यापक जोखिम आधारित विश्लेषण किया जाता है। अब दवाई उद्योग के लिए सरकार के द्वारा स्व-नियामकीय संस्था बनाने की योजना है, जो निरन्तर आधार पर दवाई उद्योग का आकलन करेगी। निःसंदेह देश में सरकार के द्वारा एक ओर फार्मा सेक्टर को तेजी से बढने के लिए प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गुणवत्तापूर्ण दवाओं के लिए उपयुक्त नियमों का परिपालन भी किया जा रहा है। लेकिन इस समय भारतीय दवाओं से संबंधित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर कई सुधारमूलक जरूरतें अनुभव की जा रही हैं।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमरीका यात्रा के दौरान 23 जून को अमरीका के साथ जो महत्वपूर्ण करार हुए हैं, उनमें फार्मास्युटिकल सप्लाई चेन और टीके के लिए कच्चे माल को लेकर जो सहमति बनी है, उससे भारत के फार्मा सेक्टर को तेजी से आगे बढने में मदद मिलेगी। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि 23 जून को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने इंडियन फार्मास्युटिकल अलायंस द्वारा आयोजित क्वालिटी फोरम में कहा है कि सरकार फार्मा उद्योग के अनुकूल रणनीति के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण दवाई उत्पादन के लिए पूर्णतया ध्यान दे रही है। भारत का फार्मा सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है और भारत दुनिया की गुणवत्ता वाली फार्मेसी है। भारत के द्वारा नकली दवाओं के मामले में कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति के तहत लगातार व्यापक जोखिम आधारित विश्लेषण किया जाता है। अब दवाई उद्योग के लिए सरकार के द्वारा स्व-नियामकीय संस्था बनाने की योजना है, जो निरन्तर आधार पर दवाई उद्योग का आकलन करेगी। निःसंदेह देश में सरकार के द्वारा एक ओर फार्मा सेक्टर को तेजी से बढने के लिए प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गुणवत्तापूर्ण दवाओं के लिए उपयुक्त नियमों का परिपालन भी किया जा रहा है। लेकिन इस समय भारतीय दवाओं से संबंधित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर कई सुधारमूलक जरूरतें अनुभव की जा रही हैं। दवाई ग्राहकों के हितों के मद्देनजर गुणवत्ता और दवाई के कम मूल्य किए जाने हेतु अभी और अधिक ध्यान देने की जरूरत बनी हुई है। जहां आए दिन भारतीय दवाओं की गुणवत्ता को लेकर उठने वाले सवालों के मद्देनजर अधिक सतर्क होकर देश में गुणवत्तापूर्ण दवाओं का उत्पादन सुनिश्चित करना होगा, वहीं जरूरी दवाओं की कीमतें कम करनी होंगी, ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जिसके तहत ग्राहक दवाई की दुकानों से उतनी ही दवाएं खरीद सकें, जितनी उन्हें जरूरत है। गौरतलब है कि इस समय भारत दुनिया में फार्मा के नए हब के रूप में रेखांकित हो रहा है। जो भारतीय दवाई उद्योग कोई पांच दशक पहले केवल विदेशी कंपनियों और ब्रांड पर निर्भर रहता था, वहीं अब भारत का दवाई उद्योग अपनी दवाई क्षेत्र की प्रतिभाओं की शक्ति के बल पर बहुराष्ट्रीय कंपनियों का जोरदार मुकाबला कर रहा है। नए आंकड़े बता रहे हैं कि देश में 3000 से अधिक दवाई कंपनियां हैं और 10500 से अधिक क्रियाशील दवाई उत्पादक इकाइयां हैं तथा भारत 185 से अधिक देशों को दवाइयों का निर्यात करता

है। भारत दवाई उद्योग उत्पादन की मात्रा के मामले में विश्व में तीसरे स्थान पर है और दवाई के मूल्य के मद्देनजर 14वें क्रम पर है। इस समय दुनिया के फार्मा सेक्टर में भारत के तेजी से आगे बढने के कई कारण हैं। कोविड-19 और रूस-यूक्रेन युद्ध से दुनियाभर में जिस तरह दवाई की आपूर्ति बाधित हुई है, उसका लाभ भारत को मिल रहा है। भारत में दवाई उत्पादन की लागत अमरीका एवं पश्चिमी देशों की तुलना में बहुत कम है। भारत में फार्मा सेक्टर में रिसर्च बढ़ रहा है। दुनिया की बड़ी-बड़ी फार्मा कंपनियां भारत में अपना उत्पादन तेजी से बढ़ा रही हैं। इसी कारण भारत घरेलू और वैश्विक बाजारों के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण, उच्च गुणवत्ता और कम लागत वाली दवाओं के निर्माण में एक प्रभावी भूमिका निभा रहा है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि केंद्र सरकार ने दवाई उत्पादन में आत्मनिर्भरता लाने, अधिक कीमतों वाली दवाइयों के स्थानीय विनिर्माण को प्रोत्साहन देने और चीन से होने वाले दवाइयों के कच्चे माल-एपीआई के भारत में ही उत्पादन हेतु कोई ढाई वर्ष पहले शुरू की गई पीएलआई स्कीम को बड़ी सफलता मिली है। सरकार की पीएलआई स्कीम की मदद से कई महत्वपूर्ण बल्क ड्रग (कच्चे माल) का उत्पादन भारत में ही शुरू हो गया है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि देश के कोने-कोने में जहां दवाइयों के करोड़ों ग्राहक दवाइयों की बिक्री व्यवस्था और दवाइयों के अधिक मूल्यों से परेशानी का सामना कर रहे हैं, वहीं कई भारतीय दवाइयां गुणवत्ता के घेरे में आ रही हैं। निश्चित रूप से अब देश में दवाइयों की गुणवत्ता पर और अधिक ध्यान देना होगा। अब सरकार के द्वारा देश के करोड़ों लोगों की इस शिकायत पर भी ध्यान देना होगा कि केमिस्ट या मेडिकल स्टोर ग्राहकों को 10, 15 या 20 टेबलेट या कैप्सूल वाली पूरी स्ट्रिप खरीदने पर जोर देते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि पैसे की कमी की वजह से कई गरीब दवाई उपभोक्ता एक साथ पूरी स्ट्रिप खरीदने में असमर्थ रहते हैं। हाल ही में दवाई खरीदने वाले लोगों से संबंधित जो एक देशव्यापी सर्वे हुआ है, उसमें यह बात सामने आई है कि पूरी स्ट्रिप की खरीदी के कारण बड़ी मात्रा में खरीदी गई दवाएं बिना उपयोग के कारण फेंक दी जाती हैं। सर्वे में यह भी सामने आया कि लोगों के द्वारा पिछले 3 साल में खरीदी गई दवाओं में से 70 फीसदी दवाएं बिना किसी उपयोग के फेंक दी गई और ऐसा हर 4 में से 3 घरों में पाया गया है। ऐसे में सरकार को दवाई ग्राहकों की न्यायसंगत मदद के लिए दवाई की दुकानों से दवाओं की बेची जा रही पूरी स्ट्रिप की जगह जरूरत के हिसाब से ही दवाई की बिक्री हेतु आदेश जारी करने होंगे। लोगों को ऐसी सुविधा दी जाए कि उन्हें दवा की पूरी स्ट्रिप खरीदने के लिए मजबूर न होना पड़े। निःसंदेह अब देश में बड़े पैमाने पर दवाई उत्पादन होने के कारण कई दवाइयों की लागत कम आ रही है। इसके साथ-साथ अब कई दवाओं के कच्चे माल का उत्पादन भी तेजी से बढने से कई दवाओं की लागत भी कम हो रही है। ऐसे में अब सरकार के द्वारा दवाइयों की कीमतों को और कम करने के बारे में स्पष्ट निर्णय लेने होंगे। यह सर्वाविदित है कि अभी भी दवा के कारोबार में कई दवाओं में लाभ की मात्रा बहुत ज्यादा है। हम उम्मीद करें कि हाल ही में राष्ट्रीय औषधि मूल्य नियामक 'नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथारिटी' (एनपीपीए) के द्वारा जिस तरह देश के करोड़ों लोगों के दैनिक जीवन में ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी अनेक बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल में आने वाली कई दवाइयों की खुदरा कीमतें नियंत्रित करके कम की गई हैं, उसी तरह आम लोगों के उपयोग से आने वाली अन्य कई और दवाओं की कीमतें कम की जाएंगी। हम उम्मीद करें कि अब देश में दवाई के करोड़ों ग्राहकों को सरकार के उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय से ऐसी राहत मिलेगी जिसके तहत दवाई की दुकानों से ग्राहक उतनी ही दवाएं खरीद सके, जितनी उन्हें आवश्यकता हो। हम उम्मीद करें कि हाल ही में 23 जून को अमरीका के साथ फार्मास्युटिकल सप्लाई चेन और टीके के लिए कच्चे माल को लेकर जो सहमति बनी है, उससे भारत का फार्मा उद्योग तेजी से आगे बढ़ेगा। हम उम्मीद करें कि हमारी फार्मा कंपनियों और सरकार के द्वारा फार्मा से संबंधित शोध और नियमन में नवाचार पर आधारित ऐसे बदलाव किए जाएंगे जिससे हमारा फार्मा उद्योग गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के साथ दुनिया में और तेजी से बढ़ते हुए दिखाई देगा।

मौजूदा व्यवस्था में वैदिक शिक्षा का समावेश हो

> आषाढ़ मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन संस्कृत के प्रकांड विद्वान व महाकाव्य 'महाभारत' तथा अठारह पुराणों एवं उपपुराणों के रचयिता के रूप में ख्याति प्राप्त महर्षि वेद व्यास का जन्म हुआ था। अतः इस दिन को 'गुरु पूर्णिमा' के तौर पर मनाया जाता है। विश्व का सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ 'श्रीमद्भगवदगीता' भी महाभारत का ही अंश है। पुराणों के अनुसार दूसरी मान्यता यह है कि प्रथम गुरु भगवान शिव ने अपने अनुयायी 'सप्तऋ षियों' को योग का ज्ञान आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा के शुभ अवसर पर ही दिया था। गुरुसत्ता के प्रतिनिधि व भारतीय धर्म साहित्य संपदा के शिरोमणि महर्षि वेद व्यास महान लेखक व दार्शनिक थे। अलौकिक ज्ञान शक्ति से सम्पन्न महर्षि वेद व्यास ने अपने शिष्यों 'पैल मुनि' को 'ऋ ग्वेद', 'वैश्म्पायन' को 'यजुर्वेद' व 'सुमंतु' को 'अथर्ववेद' तथा 'जैमिनी' को 'सामवेद' में परांगत करके सनातन धर्म संस्कृति व वैदिक ज्ञान के प्रसार का दायित्व सौंपा था।

देवभूमि हिमाचल प्रदेश कई महान ऋषियों की तपोभूमि रहा है। मान्यता है कि चंदेल राजवंश की 'कहलूर' रियासत की राजधानी बिलासपुर का वैदिक नाम 'व्यासपुर' वेदों के प्रथम व्याख्याता महर्षि वेद व्यास के नाम से संबंधित था। सतलुज नदी के तट पर व्यास ऋषि की तपोस्थली 'व्यासगुफा' बिलासपुर में एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है। आषाढ़ मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन संस्कृत के प्रकांड विद्वान व महाकाव्य 'महाभारत' तथा अठारह पुराणों एवं उपपुराणों के रचयिता के रूप में ख्याति प्राप्त महर्षि वेद व्यास का जन्म हुआ था। अतः इस दिन को 'गुरु पूर्णिमा' के तौर पर मनाया जाता है। विश्व का सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ 'श्रीमद्भगवदगीता' भी महाभारत का ही अंश है। पुराणों के अनुसार दूसरी मान्यता यह है कि प्रथम गुरु भगवान शिव ने अपने अनुयायी 'सप्तऋषियों' को योग का ज्ञान आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा के शुभ अवसर पर ही दिया था। गुरुसत्ता के प्रतिनिधि व भारतीय धर्म साहित्य संपदा के शिरोमणि महर्षि वेद व्यास महान लेखक व दार्शनिक थे। अलौकिक ज्ञान शक्ति से सम्पन्न महर्षि वेद व्यास ने अपने शिष्यों 'पैल मुनि' को 'ऋ ग्वेद', 'वैश्म्पायन' को 'यजुर्वेद' व 'सुमंतु' को 'अथर्ववेद' तथा 'जैमिनी' को 'सामवेद' में परांगत करके सनातन धर्म संस्कृति व वैदिक ज्ञान के प्रसार का दायित्व सौंपा था। महर्षि वेद व्यास के उन चारों शिष्यों ने अपने आश्रमों को वेद शिक्षा का केंद्र बनाया, तत्पश्चात सम्पूर्ण भारतवर्ष वैदिक ज्ञान से वेदमय हुआ था। महर्षि वेद व्यास के पुत्र 'शुकदेव' भी वेदों के विद्वान ऋषि थे। सनातन धर्म की प्रतिष्ठा व वैदिक संपदा के प्रचार प्रसार में वेद व्यास के अलावा आदि गुरु शंकराचार्य का भी महान योगदान रहा है। ईसा पूर्व आठवीं शताब्दी में आदि शंकराचार्य ने भारत की चारों दिशाओं पूर्व में पुरी के गोवर्धन मठ में 'ऋग्वेद', पश्चिम में द्वारिका के शारदा मठ में 'सामवेद' व उत्तर में उत्तराखंड के जोशीमठ में 'अथर्ववेद' तथा दक्षिण में कर्नाटक के श्रृंगेरी पीठ में 'यजुर्वेद' को स्थापित करके चारों मठों को वैदिक शिक्षा का केन्द्र बनाया था। आदि शंकराचार्य ने ही अपने विद्वान शिष्य को मठाधीश बनाने की परंपरा शुरू की थी। अतः गुरु-शिष्य परंपरा के निर्वहन में मठों की विशेष भूमिका रही है। भारत में अनादिकाल से गुरुओं के प्रति सम्मान व समर्पण रखने वाले महान शिष्यों की गौरवशाली परंपरा रही है। ईश्वर के समतुल्य ज्ञानदाता गुरु द्वारा प्रदान शिक्षा व संस्कारों के आधार पर ही शिष्य अनुशासित व संस्कारवान बनते हैं। आजादी के बाद देश के शिक्षा क्षेत्र में सुधारों के लिए कई नीतियां बनी। वर्तमान में देश के कई सियासी रहनुमा शिक्षा क्रांति की दुहाई देकर अपनी सियासी जमीन मजबूत कर रहे हैं। इसके बावजूद शिक्षा क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर भारत पिछड़ चुका है। स्मरण रहे विश्व में शिक्षा की उत्तम व अनुशासित पद्धति गुरुकुलों का संचालन भारत भूमि पर हमारे आचार्यों ने सदियों पूर्व कर दिया था। उसी शिक्षा व्यवस्था के बल पर भारत को 'विश्व गुरु' की पदवी हासिल हुई थी। धर्मशास्त्र, नीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र, शास्त्रार्थ, खगोल, ज्योतिष व अध्यात्म तथा ज्ञान विज्ञान सहित कई विषयों में विश्व के सर्वश्रेष्ठ आचार्य भारतवर्ष में हुए थे। 'सांख्य दर्शन' के प्रवर्तक 'कपिल मुनि' व 'यंत्र सर्वस्व' ग्रंथ के रचयिता महर्षि 'भारद्वाज' तथा चंद्रगुप्त मौर्य को सम्राट बनाकर भारत का इतिहास बदलने वाले 'तक्षशिला' विश्वविद्यालय के शिक्षक 'चाणक्य' जैसे विद्वान आचार्यों का जन्म इसी भारतभूमि पर हुआ था। शैक्षिक ज्ञान से अपने शिष्यों को गुणवान बनाने वाले कई महान आचार्यों का उल्लेख वैदिक साहित्य में हुआ है। देवताओं के गुरु बृहस्पति तथा दैत्य गुरु महर्षि शुक्राचार्य दोनों 'अंगिरा' ऋषि के शिष्य थे। ऋषि 'उपमन्यु' व आरुणि जैसे गुरुभक्त व धर्मशास्त्रों के महाज्ञाता शिष्यों ने महर्षि 'धौम्य' से शिक्षा प्राप्त की थी। अपनी विद्वता के बल पर गुरु परशुराम ने भीष्म, द्रोण व दानवीर कर्ण जैसे शिष्यों को शस्त्र विद्या में निपुण करके महान योद्धा बनाया था। अपने लक्ष्य के प्रति संकल्पवान अर्जुन जैसा महान धनुर्धर शिष्य गुरु द्रोण के सान्निध्य से ही निकला था। 'ज्ञान वही जो व्यवहार में काम आए', इस प्रसंग का उल्लेख करने वाले वैदिक आचार्य 'बहुश्रुति' का प्राचीन भारत की शिक्षा में विशेष योगदान रहा था। भारत की शिक्षा संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा के विकास तथा शिष्यों में राष्ट्रवाद जगाने के लिए वैदिक आचार्य महर्षि 'शौनक' ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वैदिक शिक्षा के ध्वजवाहक शौनक ऋषि 'नैमिषारण्य' के विशाल गुरुकुल के कुलपति थे। नैमिषारण्य में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या हजारों में थी। आध्यात्मिकता के रंग में रंगा शौनक ऋषि की सिद्धस्थली व विद्याध्ययन का प्राचीन केंद्र नैमिषारण्य भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की मजबूत नींव रहा है। विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण का कुशल संपादन करने वाले महर्षि शौनक को विश्व के प्रथम कुलपति होने का गौरव प्राप्त था। भावार्थ यह है कि जीवन में बेहतर भविष्य की कल्पना तथा असंभव लक्ष्य की प्राप्ति के लिए गुरु रूपी महान विभूति के मार्गदर्शन की जरूरत होती है। भारत में अनादिकाल से समाज को शिक्षित करने में आचार्यों तथा धर्म स्थापना के लिए आध्यात्मिक गुरुओं की विशेष भूमिका रही है, मगर विश्व की सर्वश्रेष्ठ शिक्षा व्यवस्था गुरुकुल पद्धति के संचालक महर्षि भारद्वाज, वाल्मीकि, बहुश्रुति, शौनक, अत्रि, संदीपनी, वशिष्ठ, मैत्रेय, अष्टावक्र, याज्ञवल्क्य व उद्दालक जैसे महाविद्वान आचार्य भारतीय शिक्षा पाठ्यक्रमों में गुमनाम क्यों हुए, यह मंथन का विषय है। वैदिक संस्कारों से परिपूर्ण प्राचीन शिक्षा व्यवस्था गुरुकुल व शिक्षा के स्तंभ आचार्य स्वाभिमान का प्रतीक हैं। राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक सोच से परिपूर्ण वैदिक शिक्षा शिक्षार्थी को हर परिस्थिति से सामना करके चुनौतियों से जूझने में सक्षम बनाती थी। अतः अपनी गौरवशाली संस्कृति व वैदिक संस्कारों का अस्तित्व बचाने के लिए तथा विद्यार्थियों को अपने कत्तव्य व दायित्व का बोध कराने के लिए मौजूदा शिक्षा व्यवस्था में भारत का गौरव रही वैदिक शिक्षा का समावेश जरूरी है। भारत की प्राचीन ज्ञान विरासत तथा गुरु-शिष्य परंपरा पर हर भारतवासी को गर्व होना चाहिए।

देश दुनीया से

मलेशिया सिनेमा और छाया नाटक का विस्तार

1963 से पहले मलेशिया का नाम मलाया या ब्रिटिश मलाया था। 1957 में इसने स्वतंत्रता हासिल की और पहले द फेडरेशन ऑफ मलाया और फिर नाम परिवर्तित होने पर मलेशिया बना। मलेशिया में सिनेमा और सिनेमा जाने वालों को अक्सर 'पैन्गुन्ग वैयान्ग' कहते हैं। यहां पैन्गुन्ग का अर्थ थियेटर, मंच और यहां तक कि दर्शक भी है तथा वैयान्ग का मतलब परम्परागत पुतली थियेटर। वैयान्ग को 'गैम्बर' से जोड़ कर भी बोलते हैं, जिसका अर्थ है, चित्र, चित्रांकन, फोटो मतलब मूवी। विश्व सिनेमा में मलेशिया की फिल्मों की बात प्रमुखता से नहीं होती है। शायद ही इसका कहीं उल्लेख होता है। मलेशिया में यहां के छाया-नाट्य तथा थियेटर में सिनेमा की जड़ें हैं, जो यहां सदा से बहुतायत से रही हैं। छाया-नाट्य, फिल्मों की भांति सफेद परदे का उपयोग करता है। मूक सिनेमा की तरह छाया-नाट्य में भी ध्वनि तथा संगीत का प्रयोग अलग से होता है। मूक फिल्मों के दौर में वादक परदे और दर्शकों के सामने वैठ कर पियानो-बैंड आदि बजाते थे, पुतली-छाया नाट्य में भी संवाद-संगीत पीछे से दिया जाता है। हालांकि सिनेमा के सवाक होते ही यह सब बदल गया। इसी कारण यहां के अभिनेताओं को परिवर्तित होकर सिने-अभिनेता बनने में खास दिक्कत न हुई और इनमें से कई आगे चल कर सिने-निर्देशक भी बने। मलेशिया में पहले-पहल फिल्म स्क्रीनिंग 1897 में अल्हाम्ब्रा थियेटर हाल में सिंगापुर में हुई थी, जिन्हें ब्रिटेन के रॉबर्ट विलियम पॉल ने प्रदर्शित किया था। जिसमें लघु फिल्मों की श्रृंखला दिखाई गई थी। बाद में यहां के दर्शकों ने 'सिंड्रेला एंड हर ग्लास स्लिपर', 'मेस्मेरिज्म एंड वन्डरफुल ड्रीम लाइफ पैशन ऑफ क्राइस्ट', तथा एडविन एस. पोर्टर की 'द ग्रेट ट्रेन रोबरी' भी देखी। 1913 तक मलाया पेनिन्सुला में करीब 14 थियेटर थे। 1929 में सोलह शहरों में 35 थियेटर थे और छोटे शहरों में 10-12 थियेटर आम बात थी। मलेशिया की फिल्मों पर भारत का प्रभाव रहा है। मलाया भाषा में पहली फिल्म 'लैला मजनू' बनी। यह 1933 में हुआ मगर इसे बनाने वाले केवल मलाया के लोग ही न थे। इसे बनाने में मलाया के अलावा इंडोनेशिया के लोग भी शामिल थे। इनमें से अधिकतर लोग किसी-न-किसी परम्परागत कला से जुड़े हुए थे। इसीलिए उन्हें स्टेजक्राफ्ट, अभिव्यक्ति तथा अभिनय की आधारभूत जानकारी थी। बाद में इसी नाम से कई बार फिल्म बनी। यह भारत का प्रभाव था। भारत में भी 'लैला मजनू' फिल्म बहुत बार बनी है। चालीस के दशक में यहां 'मुतिअरा' (पर्ल), 'बेरमाडु' (पोलीगैमी), टोपेंग शैतान' (मास्क ऑफ द देवी), 'हैंचुर हैटी' (हार्ट ब्रोएअ), 'इबु तिरी' (स्टेपमदर), 'तीगा केकैसिह' (थ्री लवर्स) तथा 'तेरैंग बुलान डी मलाया' (फुल मून इन मलाया) जैसी फिल्में बनीं। जब 1941-1945 में मलाया पर जापान का आधिपत्य रहा तो यहां ढेर सारी प्रोपेगंडा फिल्में बनीं। इनमें 'मार्च टू सिंगापुर', 'ए नाइट इन चाइना' आदि फिलें प्रमुख हैं। इसी समाय चैपलिन की 'सिटी लाइट्स' की तर्ज पर 'टोकियो सिंफनी' बनी और पता नहीं कैसे इसे दिखाने भी दिया। पचास के दशक में मलाया फिल्मों में धीरे-धीरे परिवर्तन आने लगा जिसका मुख्य कारण था स्थानीय लोगों का सिने-निर्देशन की दिशा में आगे आना था। ये लोग अधिक वास्तविक तथा वांछिनीय फिल्म बनाए लगे। ये मलेशिया के जीवन से जुड़े मुद्दों को उठा रहे थे। आधुनिक सभ्यता पर टिप्पणी कर रहे थे। इस समय काफी लोग मलेशिया छोड़ कर रोजगार की खोज में सिंगापुर पलायन कर रहे थे और अपनी जड़ों से, अपनी परम्परा से, अपनी संस्कृति से दूर हो रहे थे। चौथे प्रधानमंत्री डॉ. महाथिर मोहम्मद के साथ यहां एनीमेशन फिल्में बनने लगीं क्योंकि वे सूचना एवं संचार तकनीकि के पक्ष में थे। 1995-2015, बीस साल के दौरान मलेशिया में करीब 200 एनिमेशन फिल्मों का निर्माण हुआ। ये फिल्में देश के बाहर भी देखी गईं। एनीमेशन फिल्म 'गैंगः दि एडवेंचर बिगिंन्स' ने बॉक्स ऑफिस पर खूब कमाई की। यह मलेशिया के अलावा इंडोनेशिया, सिंगापुर, भारत में भी देखी गई। निजाम रजक द्वारा निर्देशित यह फिल्म मलेशिया के जंगल में चलती है जहां कुछ युवा और बच्चे दूसरे डाइमेंशन के जीवों के संपर्क में आते हैं।

> मलेशिया की फिल्मों पर भारत का प्रभाव रहा है। मलाया भाषा में पहली फिल्म 'लैला मजनू' बनी। चौथे प्रधानमंत्री डॉ. महाथिर मोहम्मद के साथ यहां एनीमेशन फिल्में बनने लगीं क्योंकि वे सूचना एवं संचार तकनीकि के पक्ष में थे। 1995-2015, बीस साल के दौरान मलेशिया में करीब 200 एनिमेशन फिल्मों का निर्माण हुआ।

नागरिक बोध

देश मे बढ़ते भीषण सड़क हादसे चिंताजनक

देश मे बढ़ते सड़क हादसों में अनेक लोगो की घटना स्थल पर ही मौत हो जाती है जबकि घायल लोगो का आंकड़ा भी कम चोंकाने वाला नही है। महारास्ट्र के समृद्घि हाइवे पर अब तक का सबसे भयंकर भीषण सड़क हादसे में 25 लोगो की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए।यह सिलसिला यू ही चलता रहेगा। हादसे में मरने वालों के लिए संवेदना व्यक्त कर कुछ समय के बाद भुला दिया जाता है। लेकिन मरने वालों का परिवार हमेशा रोता और बिलखता ही रहता है। यह भाग्य की ही विडंबना थी कि चालक स्टेरिंग पर से नियंत्रण खो दिया।उसके बाद बड़ा हादसा हुआ है। देश मे सड़क हादसे में हररोज 415 लोगो की जान जाती है। 67 प्रतिशत हादसे तेज गति से होते है। मानवीय त्रुटि के कारण हादसे से 25 घरों में मातम छा गया।भारत मे सड़को पर चलना खतरनाक है। देश मे हर साल 4.50 करोड़ सड़क हादसे होते है। इनमें डेढ़ लाख लोगों की मौत हो जाती है और साढ़े चार लाख लोग घायल होते है। दूरदराज में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा इसमें शामिल नही होता है।लिहाजा,सड़क हादसों के आंकड़े में अंतर रहता है। जबकि भीषण हादसों में लोगो की मौतें होती है और घायल भी होते है। सड़क हादसों में मारे गए लोगो मे 54 फीसदी हिस्सा दुपहिया वाहनों का है और पैदल चलने वालों का है। एनसीआरबी की रिपोर्ट में यह खुलासा किया है कि दुनिया मे 3 फीसदी वाहन सिर्फ भारत मे है जबकि 12.06 फीसदी जान यहा भारत मे जाती है। इसका मतलब है कि भारत मे आरटीओ के नियमो का उल्लंघन होता है। अंतराष्ट्रीय सड़क संग़ठन के मुताबिक दुनिया मे 12.5 प्रतिशत लोगो की जान जाती है। जिसमे 3 प्रतिशत का हिस्सा भारत का है और हादसे में मारे जाने वाले लोगो का 12.6 प्रतिशत हिस्सेदारी भारत मे है। 15 फीसदी वैध लायसन्स और 10 प्रतिशत ओवरलोड वाहनों के कारण दुर्घटनाए होती है। 26 प्रतिशत लापरवाही और ओवरटेकिंग के कारण हादसे हो रहे है। इसमें 15.5 फीसदी हिट एंड रन के तौर पर हादसे हो रहे है। ट्रैफिक चौराहे पर भी ज्यादातर हादसे होते है। इन सभी को ध्यान में रखकर चालक को सावधानी से वाहन चलाना चाहिए। सरकार ने पांच हजार जगह का शिनाख्त किया है जो हादसों के लिए संवेदनशील है। हादसों को कम करने के लिए वाहन चालकों में जागरूकता लानी होगी।दुर्घटना में बचने के लिए ट्रैफिक नियमो का कड़ाई से पालन करना होगा। आरटीओ को ओवर टेकिंग और ओवर लोडिंग रोकना होगा। साइकिल की सवारी और हाइवे पर पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने से भीषण हादसे ही नही छोटे हादसों में भी कमी आएगी। पिछले साल 412432 सड़क हादसे हुए जिसमे 153932 लोगो की जान गई थी।दुर्घटनाओं में 384 448 लोग घायल हुए है। भारत मे चार मिनट में एक व्यक्ति की मौत हो जाती है।

महिलाओं के लिए नरक बना चीन: घरेलू हिंसा के डरावने मामले आए सामने, युवाओं ने कहा- शादी करने से लगता है डर

हॉन्गकॉन्ग ।

चीन में महिला अधिकारों, समानता और न्याय के दावे की पोल खुल गई है। लगातार घरेलू हिंसा के मामले बढ़ते जा रहे है। आए दिन कोई न कोई खौफनाक केस लोगों के सामने आ ही जाता है। इन सबको देखते हुए चीन के युवा सोशल मीडिया पर शादी करने के फैसले पर सवाल उठा रहे हैं। लड़कियों को सलाह दी जा रही है कि शादी और प्रसव से दूर रहकर खुद को सुरक्षित रखें। इतना ही नही, एक शख्स का कहना है कि चीन में अब हर कोई शादी करने से डरता है। गौरतलब है, हाल ही में चीन में रौंगटे खड़े कर देने वाले कई घरेलू हिंसा के मामले सामने आए हैं। इसमें दिनदहाड़े की गई हत्या भी शामिल है, जिसका वीडियो रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया।

पहला मामला

26 जून को एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसे जिसने भी देखा उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। दरअसल, वीडियो में देखा जा सकता है कि व्यक्ति बार-बार एक महिला के ऊपर कार चढ़ा रहा है। इतना ही नहीं शख्स ने हद तो पार तब कर दी, जब वह कार से उतरा। उसने महिला पर कई बार कार चढ़ाने के बाद यह जानने के लिए कार से उतरा कि कहीं वह जिंदा तो नहीं रह गई। देखने बाद शख्स ने फिर कई बार महिला पर कार से हमला किया। शेडोंग के पूर्वी प्रांत में हुए इस खौफनाक मंजर को एक गवाह ने अपने फोन में कैद कर लिया। बाद में वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। बुधवार सुबह तक ये मामला चीन के अधिकतर लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ था। जब पुलिस को सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के बारे में जानकारी मिली, तो जांच की। पुलिस को पता लगा कि कार से कुचलने वाला 37 साल का शख्स कोई अनजान व्यक्ति नहीं बल्कि 38 वर्षीय महिला का पति था। अधिकतर लोग घरेलू हिंसा का एक और डरावना मामला देखकर स्तब्ध रह गए। अभी कुछ दिन पहले ही और भी ऐसी ही घटनाएं सामने आई थीं।

दूसरा मामला

पिछले महीने दक्षिणी प्रांत गुआंगडोंग में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और उसकी भाभी की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। उसके परिवार ने बताया था कि पत्नी वर्षों से घरेलू हिंसा से पीड़ित थी और तलाक लेने की योजना बना रही थी।

न्यूज ब्रीफ

विपक्ष एक साल में लाया 716 ड्राफ्ट बिल, एक पर भी नहीं हुई चर्चा! रबर स्टाम्प बनी तुर्किए की संसद

अंकारा । तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तैय्यब एर्दोआन को सत्ता पर काबिज हुए 20 साल से ज्यादा का समय बीत चुका है और इस दौरान एर्दोआन ने सत्ता पर इस कदर नियंत्रण कर लिया है कि तुर्किए की संसद अब महज एक रबर स्टाम्प बनकर रह गई है। एक समय तुर्किए से मध्य पूर्व और अरब देशों के लिए रोल मॉडल बनने की उम्मीद की जाती थी लेकिन यह सफर ज्यादा लंबा नहीं चल सका। 16 जुलाई 2016 में एर्दोआन के खिलाफ बगावत हुई। हालांकि यह बगावत असफल रही लेकिन इसने एर्दोआन को वो मौका दे दिया, जिसकी तलाश में वह लंबे समय से थे। दरअसल बगावत के बाद रजब तैय्यब एर्दोआन ने सत्ता में कई बदलाव किए, जिससे एर्दोआन ने तुर्किए के संविधान की उस ताकत को खत्म कर दिया, जिससे सरकार पर नियंत्रण किया जाता था। साथ ही एर्दोआन ने बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारियों, जजों, शिक्षा जगत के लोगों, स्वास्थ्य कर्मियों और सैन्य अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया। अब रजब तैय्यब एर्दोआन का देश की न्यायपालिका की नियुक्तियों और पूरी व्यवस्था पर पूरा नियंत्रण है। नॉर्डिक रिसर्च मॉनिटरिंग नेटवर्क चलाने वाले अब्दुल्लाह बोजकुर्त ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि अक्टूबर 2021 से लेकर सितंबर 2022 तक विपक्ष ने 716 ड्राफ्ट बिल तुर्किए की संसद में पेश किए लेकिन उनमें से एक पर भी चर्चा नहीं हुई। यह अपने आप में वर्ल्ड रिकॉर्ड है। वहीं सत्ताधारी पार्टी एकेपी और इसकी सहयोगी एमएचपी ने इस समयअवधि में 80 ड्राफ्ट बिल पेश किए और वह सभी मंजूर कर लिए गए और अंत में कानून बन गए।

बच्चे पैदा करने पर वर्कर्स को पैसे देगी चीनी कंपनी: हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करेगी; चीन की कम होती बर्थ रेट बनी वजह

बीजिंग। चीन की सबसे बड़ी ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसी अपने कर्मचारियों को बच्चे पैदा करने के लिए पैसे देगी। कंपनी यह कदम देश की बढ़ती बुजुर्ग आबादी और कम होती जन्मदर को ठीक करने के लिए उठा रही है। कंपनी एक जुलाई से कर्मचारियों को बच्चा पैदा करने पर 5.6 लाख रुपए (50 हजार युआन) देगी। इस योजना के तहत कंपनी कुल 1,128 करोड़ रुपए (1 बिलियन युआन) बांटेगी। दुनिया की सबसे बड़ी ट्रैवल एजेंसियों में गिना जाता है। इसके दुनियाभर में 40 करोड़ से ज्यादा यूजर्स हैं। कंपनी के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन जेम्स लिआंग ने एक बयान में कहा- मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सरकार को बच्चों वाले परिवारों को रकम देनी चाहिए। खासकर ऐसे परिवारों को जिनमें एक से ज्यादा बच्चे हैं। इससे ज्यादा युवा बच्चा करने की अपनी इच्छा पूरी कर पाएंगे। इस मामले में कंपनी भी एक अहम भूमिका निभा सकती हैं। चीन की कम होती जन्मदर सरकार और नीति बनाने वालों के लिए चिंता का सबब बन चुकी है।

अमेरिका के बाल्टीमोर शहर में पार्टी के दौरान गोलीबारी, दो की मौत, 28 घायल

वॉशिंगटन । अमेरिका में एक बार फिर शूटिंग की घटना हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बाल्टीमोर शहर में रविवार को एक पार्टी में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से तीन की हालत गंभीर है। बाल्टीमोर पुलिस विभाग के कार्यवाहक आयुक्त रिचर्ड वर्ली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि घटनास्थल पर कुल 30 पीड़ित थे। उन्होंने कहा कि गोलीबारी की घटना शहर के दक्षिणी हिस्से में ब्रूकलिन होम्स इलाके में एक ब्लॉक पार्टी में रात 12:30 बजे के बाद हुई। अमेरिका में चार जुलाई की छुट्टियों से पहले देशभर में होने वाली सभाओं के बीच गोलीबारी की यह घटना हुई है। चार जुलाई को अमेरिका में स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। अमेरिका के कंसास शहर में भी गोलीबारी घटना हुई है, जिसमें सात लोग घायल हो गए। बाल्टीमोर के पुलिस आयुक्त वर्ली ने कहा कि गोलीबारी में घायल 20 पीड़ित खुद क्षेत्रीय अस्पतालों में पहुंचे, जबकि नौ घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल लाया गया। अस्पताल के प्रवक्ता के अनुसार, 19 पीड़ितों का इलाज मेडस्टार हार्बर अस्पताल के आपातकालीन विभाग में किया गया। गंभीर रूप से घायल नौ मरीजों की हालत स्थिर होने के बाद उन्हें बाल्टीमोर ट्रॉमा सेंटर में स्थानांतरित कर दिया गया। वहीं, बाल्टीमोर के मेयर ब्रैंडन स्कॉट ने घटनास्थल का दौरा किया और फरार हमलावरों को खुली चेतावनी दी।

पाकिस्तान को बेहद सख्त शर्तों पर मिला आईएमएफ से कर्ज

फौज का बजट कम होगा, पेट्रोल-डीजल महंगे होंगे ; नवंबर तक 23 अरब डॉलर चुकाने हैं

इस्लामाबाद/वॉशिंगटन।

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड यानी आईएमएफ ने पिछले हफ्ते पाकिस्तान को 3 अरब डॉलर कर्ज देने के प्रपोजल को मंजूरी दे दी। यह मंजूरी 30 जून को दी गई और इसी दिन आईएमएफ का प्रोग्राम भी खत्म हो रहा था। इसका मतलब ये कि अगर आईएमएफ चंद घंटे और लोन मंजूर नहीं करता तो पाकिस्तान चंद दिन बाद दिवालिया हो जाता। बहरहाल, 3 अरब डॉलर का लोन तो पाकिस्तान को मिल गया है, लेकिन इसके साथ आईएमएफ ने तमाम सख्त शर्तें भी हैं। ये वो बातें हैं जो पाकिस्तान की शाहबाज शरीफ सरकार मुल्क को नहीं बता रही है। यहां इन शर्तों के बारे में जानते हैं।

तीन काम जो फौरन करने होंगे - आईएमएफ ने लोन के साथ जो सख्त शर्तें लगाई हैं, उन्हें पूरा करना शाहबाज सरकार के लिए बेहद मुश्किल होगा। इसकी सबसे बड़ी वजह सियासी है। दरअसल, अक्टूबर में जनरल इलेक्शन होने हैं, और अगर सरकार इन शर्तों को मानती है तो उसकी सत्ता में वापसी बेहद मुश्किल होगी। इसकी वजह ये है कि इन शर्तों को पूरा करने का मतलब है आम जनता पर जबरदस्त बोझ डालना। सरकार को तीन काम फौरन करने हैं और ये आदेश आईएमएफ ने दिया है। हर तरह की सब्सिडी खत्म करनी होगी, पेट्रोल-डीजल और बिजली 30प्रतिशत तक महंगे करना होंगे और टैक्स कलेक्शन 10प्रतिशत तक बढ़ाना होगा। रविवार को पब्लिश रिपोर्ट के मुताबिक- सरकार आईएमएफ की शर्तों को कैसे पूरा करेगी अगर इन्हें पूरा किया गया तो इसकी जबरदस्त सियासी कीमत चुकानी होगी। अगर सरकार ने हिम्मत करके ये शर्तें पूरी कर भी दीं तो ये तय है कि उसे फिर सत्ता नहीं मिल पाएगी।

क्या छिपा रही है सरकार - पाकिस्तान सरकार ने आईएमएफ से 3 अरब डॉलर कर्ज मिलने पर खुशियां तो खूब मनाईं, लेकिन ये नहीं बताया कि इस लोन के साथ शर्तें क्या हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि फौज के बजट में भी कटौती को कहा गया है, लेकिन सवाल ये है कि क्या फौज इसके लिए तैयार होगी वो तो हर साल अपने बजट में इजाफा करती है। कहा जा रहा है कि शाहबाज शरीफ ने आईएमएफ चीफ क्रिस्टलिना जियोंजिवा से जो पांच मुलाकातें कीं, उनके पहले शरीफ ने आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर से लंबी बातचीत की थी। सवाल ये है कि क्या शरीफ ने मुनीर को फौजी बजट कम करने के लिए तैयार कर लिया है सरकार ये भी नहीं बता रही है कि वो आईएमएफ से किए गए वादे के तहत एक्सपोर्ट कैसे बढ़ाएगी और इम्पोर्ट में 30प्रतिशत कमी कैसे करेगी दूसरी बात, पाकिस्तान की आबादी 22 करोड़ से ज्यादा है और टैक्स के दायरे में 1प्रतिशत से भी कम लोग आते हैं। फिर टैक्स कलेक्शन कैसे बढ़ाया जाएगा। क्या इसके खिलाफ अमीर लोग चुप बैठ जाएंगे।

कर्ज चुकाना सबसे बड़ा चैलेंज - रिपोर्ट के मुताबिक- 3 अरब डॉलर का कर्ज आईएमएफ ने दिया है, लेकिन पाकिस्तान को इस साल नवंबर तक 23 अरब डॉलर कर्ज चुकाना है और इसमें भी बहुत बड़ा हिस्सा सिर्फ ब्याज का है। जाहिर है मूल रकम तो अपनी जगह बनी रहेगी। फाइनेंस मिनिस्टर इशहाक डार दावा कर रहे हैं कि जुलाई के आखिर में सरकार के खजाने में 15 अरब डॉलर होंगे। अगर ये सही भी है तो सरकार कर्ज की किश्तें चुकाने और चुनाव के पहले महंगाई कम करने के काम कैसे करेगी

आईएमएफ चीफ की नसीहत - फरवरी में पाकिस्तान बिल्कुल डिफॉल्ट होने की कगार पर था। उसी दौरान वित्त मंत्री डार ने एक बयान दिया। कहा- हम अपने फैसले खुद करेंगे। आईएमएफ हमें डिक्टेशन नहीं दे सकता। इसके बाद मैनेजिंग डायरेक्टर क्रिस्टलिना जियोर्जिवा ने कहा- सबसे पहले तो पाकिस्तान को एक मुल्क की तरह बर्ताव करना सीखना होगा। पाकिस्तान एक ऐसी खतरनाक जगह बनती जा रही है जहां कर्ज के सहारे ही सिस्टम चल रहा है। सवाल ये है कि आईएमएफ आपको लोन देता है, लेकिन आप इसका इस्तेमाल गरीबों की भलाई के बजाय इस तरीके से करते हैं कि इसका फायदा मुल्क के अमीरों को होता है। उस पर इस वक्त 123 अरब डॉलर का कर्ज है। महंगाई दर 40प्रतिशत से ज्यादा हो चुकी है। इस डील के बाद पाकिस्तान ऑयल, गैस और फूड प्रोडक्ट्स इम्पोर्ट कर सकेगा और ये शाहबाज सरकार के लिए राहत की बात है, क्योंकि अक्टूबर में आम चुनाव होने वाले हैं और पाकिस्तान में महंगाई दर 40प्रतिशत से ज्यादा हो चुकी है। सरकार को इस डील से चंद महीने की राहत मिल गई है, क्योंकि वो घरेलू और विदेशी बैंकों से कुछ लाख डॉलर लेकर महंगाई काबू कर सकती है। इसका उसे सियासी फायदा होना तय है।

चीन ने धोखा दिया था - एक रिपोर्ट के मुताबिक- फाइनेंस मिनिस्टर भले ही सऊदी अरब और चीन से नए लोन मिलने का दावा कर रहे हों, लेकिन हकीकत कुछ और है। नवंबर 2022 में में दोनों देशों से बातचीत हुई थी और अब तक इनकी तरफ से कोई पैसा मिलना तो दूर, वादा भी नहीं किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन तो एक कदम आगे निकल गया। उसने पाकिस्तान से 1.3 अरब डॉलर की किश्त मांग ली थी। पाकिस्तान सरकार ने चीन की इस हरकत पर कुछ नहीं कहा।

नाटो को बढ़ावा देने के लिए बाइडन करेंगे यूरोप के देशों की यात्रा, व्हाइट हाउस ने जारी किया शेड्यूल

वाशिंगटन ।

उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) गठबंधन को मजबूत करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन तीन देशों - यूनाइटेड किंगडम, लिथुआनिया और फिनलैंड - की यात्रा के लिए यूरोप जाएंगे। व्हाइट हाउस ने एक बयान में बताया कि 9-13 जुलाई की अपनी यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति बिडेन हमारे देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों को और मजबूत करने के लिए किंग चार्ल्स और प्रधान मंत्री ऋषि सुनक के साथ बातचीत के लिए सबसे पहले लंदन, यूनाइटेड किंगडम की यात्रा करेंगे। इसके बाद वह 74वें नाटो शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 11 से 12 जुलाई तक विनियस, लिथुआनिया की यात्रा करेंगे। इसके बाद यूएस-नॉर्डिक लीडर्स समिट के लिए हेलसिंकी, फिनलैंड का दौरा किया जाएगा। बाइडन की यूरोप यात्रा का इरादा रूसी आक्रामकता के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गठबंधन को मजबूत करना है क्योंकि यूक्रेन में युद्ध अपने दूसरे वर्ष तक फैला हुआ है। बाइडन की पांच दिवसीय यात्रा का मुख्य फोकस इस साल लिथुआनिया के विनियस में आयोजित वार्षिक नाटो शिखर सम्मेलन होगा। व्हाइट हाउस ने घोषणा की है कि अप्रैल में 31 देशों के सैन्य गठबंधन में नॉर्डिक देश के प्रवेश के उपलक्ष्य में हेलसिंकी, फिनलैंड और ब्रिटेन में रुकने की भी योजना बनाई गई है। नाटो बैठक युद्ध के नवीनतम महत्वपूर्ण बिंदु पर आती है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की का कहना है कि रूसी सेना के खिलाफ जवाबी और रक्षात्मक कार्रवाई चल रही है क्योंकि यूक्रेनी सैनिकों ने देश के दक्षिणपूर्वी हिस्से में क्षेत्र पर फिर से कब्जा करना शुरू कर दिया है, जैसा कि अल जज़ीरा ने बताया। गौरतलब है कि रूस-यूक्रेन युद्ध यूक्रेन द्वारा नाटो गठबंधन का हिस्सा बनने की इच्छा जताने के बाद शुरू हुआ था। एक साल से अधिक समय से चल रहे रूसी आक्रमण के बाद भी यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की अपने रुख पर कायम हैं। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ से मुलाकात के बाद उन्होंने ट्विटर पर कहा, मैं नाटो में हमारे आंदोलन के समर्थन के लिए भी आभारी हूं। यह अब स्पष्ट तथ्य है जितना व्यापक नाटो यूरोप में है, शांति का दायरा उतना ही व्यापक है।

फ्रांस में हिंसा जारी, अब तक 3000 गिरफ्तार: पुलिस फायरिंग में मारा गया था नाबालिग, दादी बोलीं- स्कूलों पर हमले बंद करो, दंगा रोको

पेरिस।

फ्रांस में 17 साल के लड़के की पुलिस के हाथों मौत होने के बाद शुरू हुई हिंसा लगातार जारी है। फ्रांस की मीडिया के मुताबिक, पुलिस ने रविवार को 49 लोगों को गिरफ्तार किया। इससे पहले रविवार को 719 और शुक्रवार को 1,300 लोग गिरफ्तार किए गए थे। फ्रांस में अब तक 3 हजार से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। पेरिस पुलिस चीफ ने कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि दंगे खत्म हो गए हैं। नुकसान कम हुआ है, लेकिन हम आगे भी पूरी सावधानी रखेंगे। पुलिस की गोली से मारे गए नाहेल की दादी ने रविवार को लोगों से दंगा न करने की अपील की। उन्होंने कहा- दंगे बंद करो, चीजों को नष्ट करना बंद करो। खिड़कियों को मत तोड़ो, स्कूलों पर हमले मत करो। हम चाहते हैं कि चीजें ठीक हो जाएं। उनकी अपील के बाद हिंसा में कमी देखी गई।

27 जून की घटना के बाद भड़की हिंसा

27 जून को फ्रांस की राजधानी पेरिस के सब-अर्बन एरिया नेन्तेरे में दो पुलिस अफसरों ने एक कार को रोका। बहस के दौरान पुलिस अफसर ने गाड़ी चला रहे 17 साल के नाहेल के सिर में गोली मार दी। गोली लगने से नाहेल की मौत हो गई थी। इसके बाद देश में हिंसा भड़क गई जो अब तक जारी है।

हिरासत में लिए गए ज्यादातर नाबालिग

फ्रांस में दंगों के चलते हिरासत में लिए गए ज्यादातर नाबालिग हैं। फ्रांस के गृह मंत्री गेराल्ड डरमनिन ने बताया कि हिरासत में लिए गए 2 हजार से ज्यादा लोगों की औसत उम्र 17 साल है। हिंसा में 50 से ज्यादा सुरक्षाकर्मी घायल हो चुके हैं। दंगाईयों ने 26 पुलिस स्टेशन समेत 74 बिल्डिंग्स को नुकसान पहुंचाया है। 577 से ज्यादा गाड़ियों को आग के हवाले किया जा चुका है। दंगाईयों ने शनिवार और रविवार की दरमियानी रात पेरिस के नजदीकी इलाके के मेयर के घर पर हमला बोल दिया। उन्होंने मेयर के घर में एक कार घुसा दी और उसमें आग लगा दी। इस दौरान मेयर उनके 5 और 7 साल के दो बेटे घर में मौजूद थे।

चीन में पश्चिमी देशों का खाना पसंद किया जा रहा: लोग नूडल्स की जगह सलाद-सैंडविच खा रहे, इसे संस्कृति के लिए खतरा बताकर विरोध हो रहा

बीजिंग/लंदन।

हॉट नूडल्स, चावल और सूप चीन की सांस्कृतिक पहचान है। लेकिन अब इस कम्युनिस्ट देश में लोगों की खाने को लेकर पसंद बदल रही है। लोग 'बैरेनफैन' हैशटेग के साथ पनीर में लिपटी कच्ची गाजर-हरी सब्जियां, वैज सैंडविच और हरी सलाद जैसी डिश पोस्ट कर रहे हैं। चीनी शब्द 'बैरेनफैन' का मतलब 'श्वेत लोगों का भोजन' होता है। ये भोजन बिना तामझाम के बनते हैं और बहुत कम समय में बनते हैं। चीन में यह ट्रेंड बीते साल अक्टूबर में शुरू हुआ और अब यह एक बड़े आंदोलन में बदल चुका है। ऐसे ही एक ट्वीट को 3 हफ्ते में 50 लाख से अधिक बार देखा गया। हालांकि चीन में इसे लेकर विरोध भी उतना ही ज्यादा है। कई चीनी लोगों ने कच्चे भोजन पर हैरानी व्यक्त की है। क्योंकि आम चीनी धारणा यह है कि हमारा शरीर गर्म भोजन और पेय पदार्थों के लिए ही बना है।

वजन कम करने और सेहत दुरुस्त रखने में मददगार लाइट फूड

लंदन के चीनी रेस्तरां ए. वोंग के मालिक एंड्रयू वोंग कहते हैं कि पश्चिम के साथ चीन के संबंधों के इतिहास को देखते हुए यह ट्रेंड हाल ही में विकसित हुआ है। कुछ चीजों के पीछे के कारणों को समझने में समय लगता है और इसमें भोजन भी है। हालांकि इसके पक्ष में लोगों का तर्क है कि इससे वजन कम करने और सेहत दुरुस्त रखने में मदद मिलेगी। चीनी ब्लॉग 163 डॉट कॉम ने लिखा कि विशेष रूप से ऑफिस में लंच के दौरान ऐसा नरम और आरामदायक भोजन वरदान है। पूर्ण चीनी भोजन के विपरीत ये आपको काम के दौरान झपकी लेने से बचाता है। ये ट्रेंड बताता है कि लोग अपने करियर और सेहत के प्रति सजग होते जा रहे हैं। पालक के साथ दो गाजरों के एक लंचबॉक्स की तस्वीर साझा करते हुए एक शख्स ने लिखा कि क्या इसका मालिक इतने कम भोजन के साथ 'पर्याप्त ऊर्जा' पैदा कर सकता है। वहीं, चीनी मूल के शेफ एडवर्ड वून कहते हैं कि यह चलन अंतर-सांस्कृतिक मतभेदों को उजागर करता है। जब मैं छोटा था तो कभी सैंडविच या इस तरह के खाने के बारे में नहीं सोचा। तब कभी सलाद को भी हाथ नहीं लगाया। घर में सिर्फ पारंपरिक चीनी भोजन ही बनता था। क्योंकि हमारे दादा-परदादाओं को पश्चिमी खाना पसंद नहीं था। वहीं, शेफ एंड्रयू वोंग कहते हैं कि इसकी वजह यह भी है कि किसी भी नई संस्कृति और अनुभव को गलत तरीके से या बढ़ा-चढ़ाकर समझा जाता है। फूड हिस्टोरियन और 'लंच: ए हिस्ट्री' किताब की लेखिका मेगन एलियास कहती हैं कि हल्के लंच फूड का ऐतिहासिक कारण है। 19वीं सदी के मध्य से अंत तक जैसे-जैसे शहरीकरण व औद्योगिकीकरण ने रफ्तार पकड़ी तो फैक्ट्री वर्कर्स और क्लर्कों के लिए दोपहर के भोजन के बाजार उभरे। लंच वैगन, कॉफी की दुकानें सस्ते व आसान लंच देने के लिए शुरू हुईं, जिन्हें लोग बाहर या अपने दफ्तर में खा सकते थे। जैसे-जैसे दुनिया छोटी और व्यस्त होती जा रही है। सुविधाजनक ठंडा भोजन जैसे सैंडविच, सलाद या एशियाई स्नैक्स आम होता जा रहा है।

अहसान फरामोश हैं इमरान

जावेद मियांदाद बोले- मैंने खान को पीएम बनवाया था, उन्होंने कभी शुक्रिया तक अदा नहीं किया

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और दिग्गज बैटर जावेद मियांदाद ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अहसान फरामोश और मतलबी करार दिया है। मियांदाद ने कहा है कि इमरान को प्रधानमंत्री उन्होंने बनवाया था, लेकिन खान ने कभी उनका शुक्रिया तक अदा नहीं किया। वो बताएं कि रात 2 बजे वो मेरे घर क्यों आते थे। हालांकि, मियांदाद ने ये नहीं बताया कि उन्होंने खान को प्रधानमंत्री कैसे बनवाया था। बहरहाल, ये पहला मौका नहीं है जब मियांदाद ने इमरान को लेकर राय जाहिर की हो। जब ये दोनों एक्टिव क्रिकेटर थे, तब भी दोनों के बीच कप्तानी को लेकर बयानबाजी होती रही थी। जावेद ने पाकिस्तान के लिए 124 टेस्ट में 8832 और 233 वनडे में 7381 रन बनाए हैं।

मियांदाद ने क्या कहा - मियांदाद ने अपने क्रिकेट के दिनों, इमरान से रिश्तों और सियासत को लेकर खुलकर बातें कीं। एक सवाल के जवाब में जावेद ने कहा- खान जब वजीर-ए-आजम बने तो मैं भी उनके शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुआ था। मियांदाद ने कहा- खान जब इलेक्शन लड़ रहे थे, तब भी मैंने उनके लिए काफी कैम्पेन किया था, वो भी तब जबकि मेरी सेहत अच्छी नहीं थी। उन्हें प्रधानमंत्री मैंने बनवाया। बहरहाल, अफसोस इस बात का है कि प्रधानमंत्री बनने के बाद से अब तक उन्होंने न तो कभी मेरा शुक्रिया अदा किया और न ही कभी फोन पर बातचीत की। आज इमरान के बुरे दिन आ गए हैं और इसके जिम्मेदार वो खुद हैं। हालांकि, मियांदाद ने ये नहीं बताया कि उन्होंने खान को प्रधानमंत्री कैसे बनवाया था। इमरान खान अगस्त 2018 में प्रधानमंत्री बने थे। 4 अप्रैल 2022 को उन्हें नो-कॉन्फिडेंस मोशन यानी अविश्वास प्रस्ताव के जरिए हटा दिया गया था। इसी साल 9 मई को

उनकी गिरफ्तारी के बाद हुई हिंसा के मामले में उन्हें कभी भी गिरफ्तार किया जा सकता है।

तीन साल पहले कहा था- खुद को खुदा मत समझो इमरान - 2020 में इमरान खान प्रधानमंत्री थे। तब भी मियांदाद ने उन्हें खूब खरीखोटी सुनाईं थीं। मियांदाद ने एक वीडियो में कहा था- देश और क्रिकेट की बदहाली के लिए इमरान खान जिम्मेदार हैं। मैं मदद न करता तो इमरान प्रधानमंत्री न बन पाते। उन्होंने देश को धोखा दिया। अब मैं उन्हें सियासत सिखाउंगा। अगर मेरी एक भी बात गलत है या झूठ है तो इमरान इसका खंडन करें, जो लोग मुल्क के साथ गलत करेंगे मैं उन्हें छोड़ने वाला नहीं हूं। मियांदाद ने तब इमरान पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में गलत लोगों को नियुक्त करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था- इमरान खुद को खुदा समझने लगे हैं। मनमाने फैसले ले रहे हैं। उन्हें लगता है कि पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) चलाने के लिए काबिल लोग ही नहीं हैं। इसलिए उन्होंने बोर्ड में विदेशियों की नियुक्ति की है, जिन्हें क्रिकेट के बारे में कुछ नहीं पता। अगर बोर्ड में बैठे विदेशी करप्शन करके भाग गए, तो फिर इन्हें कौन पकड़ेगा

एटम बम ले जाएगा आईएमएफ - 2020 में ही मियांदाद ने कहा था- अगर हमने आईएमएफ जैसे संगठनों का कर्ज नहीं चुकाया तो वो हमारा एटम बम ले जाएंगे। मैंने नेशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान में एक अकाउंट खुलवाया है। मैं आप लोगों से भीख मांगता हूं कि इसमें पैसा जमा करें ताकि हमारा एटम बम बचाया जा सके। अगर हमने आईएमएफ जैसे संगठनों का कर्ज नहीं लौटाया तो वो इस बम को ले जाएंगे। मैं जानता हूं कि इस देश के लोगों ने अपने ही मुल्क को खूब लूटा है। अब वक्त है जब वो मुझे भीख देकर अपने पापों का प्रायश्चित कर सकते हैं। विदेश में रहने वाले पाकिस्तानी भी अब फर्ज निभाएं। मियांदाद भारत के मोस्ट वॉन्टेड दाऊद इब्राहिम के समधी हैं। उन्होंने आगे कहा था- मेरा नया अकाउंट इंटरनेशनल है और इसका इस्तेमाल सिर्फ मैं करूंगा। हम आईएमएफ का कर्ज चुकाएंगे। लोग हर महीने इसमें पैसा डिपॉजिट करें।

तीन मजदूरों ने की आत्मदाह करने की कोशिश, अस्पताल में भर्ती

श्रीनगर (हिंस)। अनंतनाग जिले के बॉटनिकल गार्डन कोकरनाग में सोमवार दोपहर तीन मजदूरों ने आत्मदाह करने की कोशिश की। मौके पर मौजूद लोगों ने तीनों को समय पर बचाया और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के अनुसार गार्डन में मौजूद लोगों में उस वक्त दहशत फैल गई जब तीन लोगों ने बॉटनिकल गार्डन कोकरनाग में आत्मदाह की कोशिश की। मौके पर मौजूद लोगों ने समय पर हस्तक्षेप करके तीनों को बचाया और उन्हें एसडीएच कोकरनाग ले गए, जहां से उन्हें जीएमसी अनंतनाग रेफर कर दिया गया है। तीनों की पहचान जाकिर हुसैन शक्शाज (30) पुत्र गुलाम हसन शक्शाज, अर्शीद अहमद इटू (33) पुत्र अब्दुल सलाम निवासी बिडर कोकरनाग और हिलाल अहमद तांत्रे पुत्र मोहम्मद अकबर तांत्रे निवासी वाटनार्ड के रूप में की गई है।

मुख्तार अंसारी के मुद्दे पर गरमाई पंजाब की सियासत

पूर्व सीएम अमरिंदर सिंह व एसएस रंधावा को नोटिस जारी

चंडीगढ़ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के गैंगस्टर मुख्तार अंसारी के मुद्दे पर पंजाब की राजनीति पूरी तरह से गरमा गई है। पंजाब सरकार ने सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह तथा पूर्व जेल मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा से पैसे वसूल करने को लेकर नोटिस जारी कर दिया है। आज पूरा दिन चंडीगढ़ में इस मुद्दे को लेकर बैठकों का दौर चलता रहा। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को यह ऐलान किया था कि मुख्तार अंसारी पर खर्च किए गए 55 लाख रुपए की धनराशि तत्कालीन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह तथा पूर्व जेल मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा से वसूल की जाएगी। इसके बाद सोमवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं तत्कालीन गृहमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सोमवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान इस मामले में झूठ बोल रहें हैं कि गैंगस्टर अंसारी की पैरवी का खर्च 55 लाख रुपए बनता है। उन्होंने दस्तावेजी प्रमाण जारी करते हुए कहा कि अंसारी की पैरवी पर केवल 17 लाख 60 हजार रुपए खर्च हुआ है। रंधावा ने कहा कि वह जब पंजाब के जेल मंत्री थे तब

उनके पास खर्च की फाइल आई थी तो उसे वापस भेज दिया था। रंधावा ने कहा कि किसी भी अपराधी को कैसे और कहां रखना है यह पुलिस के अधिकार क्षेत्र में आता है। रंधावा ने पंजाब के मुख्यमंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि वह उन्हें रिकवरी नोटिस भेजें वह इस नोटिस का इंतजार कर रहे हैं। रंधावा ने कहा कि वह नोटिस लिए बगैर दिल्ली नहीं जाएंगे। रंधावा की इस चुनौती के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कैप्टन अमरिंदर सिंह तथा सुखजिंदर सिंह रंधावा के नाम नोटिस को ट्वीट कर दिया। नोटिस मिलने के बाद रंधावा ने कहा कि यह नोटिस नहीं बल्कि फाइल की नोटिंग है। नोटिस और नोटिंग में फर्क होता है। रंधावा ने कहा कि वह इस मामले को लेकर हाई कोर्ट में जाएंगे। दूसरी तरफ कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि उन्हें अभी नोटिस नहीं मिला है। नोटिस मिलने पर वह मुख्यमंत्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे।

अलग-अलग हादसों में बच्चे समेत तीन लोगों की मौत

सिरोही (हिंस)। जिले में अलग-अलग जगह नदी में नहाते समय तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने तीनों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिए। पिंडवाड़ा थाने के हैड कांस्टेबल ओमप्रकाश ने बताया कि विरोली गांव में बकरियों को चरा रहा 11 वर्षीय बच्चा भीमाराम पुत्र नाथा राम देवासी पानी पीते समय पैर फिसलने से तालाब के गहरे पानी में डूब गया, जिससे उसकी मौत गई। इसी प्रकार शिवगंज उपखंड के पालड़ी एम थानाधिकारी प्रभु राम ने बताया कि गोल निवासी 21 वर्षीय ईश्वरलाल पुत्र गोपाराम मीणा परिजनों के साथ गौतम ऋषि मंदिर में प्रसादी कार्यक्रम में गया हुआ था। वहां वह नदी में नहाने के लिए उतर गया, नहाते समय अचानक वह पानी में डूब गया तथा मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही शिवगंज तहसीलदार नीरज कुमारी, थानाधिकारी तथा पालड़ी एम थानाधिकारी प्रभु राम घटनास्थल पर पहुंचे। वहां पहले गोताखोरों की मदद से शव को ढूंढने का प्रयास किया गया। बाद में सिरोही से सिविल डिफेंस की टीम को बुलाया गया। सिविल डिफेंस की टीम ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद शव को गहरे पानी से बाहर निकाला। पिंडवाड़ा थाना क्षेत्र के अजारी गांव स्थित एसाऊ नदी में रविवार शाम को नहाते समय अजारी निवासी गोविंद उम्र 20 साल पुत्र शिवराम गहरे पानी में चला गया, जिससे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। युवक की डूबने की सूचना मिलते ही पिंडवाड़ा थाने के सीआई चंपालाल, हैड कांस्टेबल ओमप्रकाश दल सहित घटनास्थल पहुंचे तथा गोताखोरों की मदद से करीब घंटे भर की मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला। गोताखोर जब तक शव को बाहर निकालते, तब तक अंधेरा होने के कारण पुलिस ने शव को पिंडवाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। सोमवार सुबह परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिए।

बिजली टावर पर चढ़ी महिला मशक्कत के बाद पुलिस ने नीचे उतारा

फरीदाबाद (हिंस)। गांव मवई में दो भाइयों पर जानलेवा हमले का मामला तूल पकड़ रहा है। आरोपित पक्ष की महिला सोमवार सुबह बाईपास रोड किनारे सेक्टर-29 में हाईटेंशन बिजली टावर पर चढ़कर बैठ गई। महिला का कहना है कि इस मामले में उसके पति को बेकसूर फंसाया जा रहा है। महिला को नीचे लाने के लिए पुलिस और फायर ब्रिगेड को खासी मशक्कत करनी पड़ी। करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद महिला को सकुशल टावर से नीचे लाया गया। पुलिस ने मेडिकल कराकर महिला को घर भेज दिया है। गांव मवई में महेंद्र शर्मा और सतबीर भाटी के परिवार रहते हैं। 21 मई को सतवीर के परिवार के सदस्यों ने महेंद्र के भतीजे चिंटू व सुदीश कुमार पर जानलेवा हमला किया था। इस संबंध में खेड़ी पुल थाने में सतबीर भाटी समेत सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। बाद में मामले की जांच सेक्टर-17 क्राइम ब्रांच को सौंपी गई। पुलिस इस मामले में अभय, लोकेश उर्फ लौकी, राकेश उर्फ लुक्की और एक अन्य लोकेश को गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित पक्ष के चिंटू के पिता इंद्रजीत व चचेरे भाई पूर्व पार्षद बिजेंद्र शर्मा का आरोप है कि पुलिस ने सतबीर भाटी समेत अन्य आरोपियों को अब तक गिरफ्तार नहीं किया है। पुलिस उन्हें मुकदमे से निकालने का प्रयास कर रही है। इसके चलते रविवार को उन्होंने सेक्टर-29 के पास जाम लगाकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी। सोमवार सुबह सतबीर भाटी की पत्नी 56 वर्षीय महक सोमवार तड़के करीब पांच बजे सेक्टर-29 पुल के निकट हाईटेंशन बिजली टावर पर चढ़ गई। वह करीब 40 फुट ऊपर पहुंच गई। लोगों ने उन्हें वहां बैठे देखकर पुलिस को सूचित किया। मौके पर भीड़ जुट गई। पुलिसकर्मी नीचे लाउडस्पीकर से महक को नीचे उतरने की अपील करने लगे। कुछ पुलिसकर्मियों ने ऊपर चढ़ने का प्रयास किया तो महक ने चुन्नी गले में डालकर आत्महत्या करने की बात कही।

गहलोत सरकार के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा का थाली नाद प्रदर्शन कल

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा पांच जुलाई को गहलोत सरकार के खिलाफ थाली नाद कर विरोध प्रदर्शन करेगा। इस दौरान पार्टी की महिला कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करेंगी। भाजपा प्रदेश महामंत्री दीया कुमारी ने कहा कि आगामी महिला मोर्चा के नेतृत्व में बडी संख्या में महिलाएं भाजपा प्रदेश कार्यालय में एकत्रित होंगी। इस दौरान कार्यालय में ही एक बैठक का आयोजन होगा। इसके बाद सभी महिलाएं थाली नाद के साथ गूंगी बहरी गहलोत सरकार को जगाने के लिए मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करेंगी। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में सोमवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए दीया कुमारी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के इन साढे चार सालों में दुष्कर्म और महिला उत्पीडन के मामले 46 प्रतिशत बढोतरी हुई हैं। महिला उत्पीडन के मामलों में आज राजस्थान देश में *नंबर एक* पहुंच गया है। जिस प्रदेश में महिलाओं के सम्मान के लिए रानी

पदमिनी और मां पन्नाधाय ने बलिदान दिया उस प्रदेश में महिलाओं यह स्थिति शर्मसार करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के जिम्मेदार मंत्री शांति धारीवाल प्रदेश की विधानसभा में दुष्कर्म के बढते मामलों पर यह कहते हैं कि *राजस्थान मर्दों का प्रदेश* हैं। एक जिम्मेदार पद पर बैठे मंत्री का यह बयान बताता है कि महिलाओं के प्रति कांग्रेस की मानसिकता कितनी घृणित और कुत्सित है। वहीं प्रदेश के मुखिया सीएम गहलोत यह कहकर दुष्कर्म आरोपियों का बचाव करते हैं कि दुष्कर्मियों को फांसी की सजा नहीं देनी चाहिए वरना दुष्कर्म के अधिकांश मामलों में आरोपी दुष्कर्म के बाद पीडिता की हत्या भी करने लगेंगे। कांग्रेस के नेताओं के ये बयान इनकी महिला विरोधी मानसिकता को स्पष्ट करते हैं। प्रदेशभर में कहीं भी महिलाएं और बच्चियां सुरक्षित नहीं हैं। चाहे वह एंबुलेंस, सडक, घर, अस्पताल और पुलिस थानों तक में महिला सुरक्षित नहीं है। प्रदेश में जयपुर, डूंगरपुर, बाडमेर, उदयुपर, अलवर और भिन्न भिन्न स्थानों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध घटित हुए हैं। इस अवसर पर कांग्रेस का कुशासन, प्रदेश को किया शर्मसार रेप में नंबर 01 प्रदेश पोस्टर का विमोचन किया गया। वहीं इस दौरान *बेटियों का अपमान नहीं सहेगा राजस्थान* आक्रोशित गीत भी लांच किया गया। प्रेसवार्ता में महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूजा कपिल मिश्रा, प्रदेशाध्यक्ष अल्का मुदड़ा, ग्रेटर नगर निगम महापौर सौम्या गुर्जर, जिला प्रमुख रमा चौपड़ा और मीडिया संपर्क प्रमुख आनन्द शर्मा मौजूद रहें।

दिव्यांगजनों के अधिकार सुरक्षित रखने के लिए यूडीआईडी लागू : राजकुमार मक्कड़

झज्जर (हिंस)। दिव्यांगजनों के अधिकार सुरक्षित रखने के लिए प्रदेश में गत जुलाई से यूडीआईडी कार्ड लागू हो चुका है। दिव्यांगजन को नौकरी या अन्य किसी प्रकार का सरकारी लाभ लेने के लिए यूडीआईडी देना जरूरी होगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कैंप लगाकर यूडीआईडी बनाना सुनिश्चित करें, ताकि दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से मिल सके। यह जानकारी हरियाणा राज्य दिव्यांगजन आयुक्त राजकुमार मक्कड़ ने सोमवार को अधिकारियों की बैठक में दिव्यांगजनों से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा करते हुए दी। डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने राज्य आयुक्त राजकुमार मक्कड़ का स्वागत करते हुए दिव्यांगों के कल्याण को लेकर चलाई जा रही योजनाओं

से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि कार्यालयों में कामकाज के लिए आने वाले प्रत्येक दिव्यांग को यूडीआईडी कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि यूडीआईडी को पेंशन से लिंक किया जाना है, ऐसे में सभी दिव्यांगजनों के यूडीआईडी बनाएं जाएं। दिव्यांगजन आयुक्त ने कहा कि प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के हितों के लिए गंभीर है। इतना ही नहीं दिव्यांगों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, हमें उन्हें अच्छा वातावरण देकर समाज की मुख्य धारा में लाना है। कोई भी व्यक्ति कभी भी दिव्यांग हो सकता है, हम सब अपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि बैंक परिसर, बीडीपीओ, पटवारघर, पुलिस स्टेशन, बस स्टैंड पर रैंप की व्यवस्था के साथ ही सरकारी भवनों में दिव्यांगजनों के लिए लिफ्ट आदि की सुविधा सुनिश्चित हो। बसों में तीन नंबर सीट दिव्यांगों के लिए आरक्षित की गई हैं। इस अवसर पर तमाम संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मुनीष जैन पुनः तेरापंथ के अध्यक्ष मनोनित

हिसार (हिंस)। पारिजात चौक स्थित सत्य भवन धर्मशाला में तेरापंथ युवक परिषद की बैठक हुई। युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य तपोमूर्ति मुनिश्री पृथ्वीराज जी के सान्निध्य में हुई बैठक में में सर्वसम्मति से मुनीष जैन को तेरापंथ युवक परिषद पुनः अध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर वरिष्ठ श्रावक तेरापंथ सभा संरक्षक लक्ष्मी सागर जैन उपस्थित रहे। तेरापंथ सभा अध्यक्ष संजय जैन चुनाव अधिकारी के रूप में उपस्थित रहे व नव मनोनीत अध्यक्ष को शुभकामनाएं दी। युवक परिषद के निवर्तमान अध्यक्ष गौरव जैन व मंत्री रवि जैन ने अपने कार्यकाल की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर नव मनोनीत अध्यक्ष मुनीश जैन ने सभी का धन्यवाद किया व आगे सभी से सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि अभाते युप द्वारा जो भी कार्य युवक परिषद को दिया जाएगा वह बढ़ चढ़ कर किया जाएगा। मुनिश्री के सान्निध्य में जल्द से जल्द शपथ ग्रहण का कार्यक्रम रखा जाएगा।

फसल पकाने के लिए खतरनाक केमिकल *पैराकुआट* का न करें इस्तेमाल : स्पीकर

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने पंजाब के किसानों की तरफ से मूंगी की फसल पकाने के लिए खतरनाक केमिकल *पैराकुआट* के इस्तेमाल न करने की अपील की है। संधवां ने किसानों के इस खतरनाक केमिकल के इस्तेमाल करने के रुझान को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि आज के दौर में खेती उत्पादन के लिए विभिन्न रसायनों के और ज्यादा प्रयोग से कैंसर जैसी भयानक बीमारियां हो रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में कुछ किसान मूंगी की फसल को कुदरती तौर पर पकाने की जगह *पैराकुआट* केमिकल का स्प्रे करने को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह केमिकल फसल के लिए नुकसानदेय होने के साथ ही मानव की सेहत के लिए भी बहुत खतरनाक है। संधवां ने आगे कहा कि जल्दी धान की फसल लगाने के लिए किसान मूंग को काट कर सुखाने की जगह खड़ी फसल पर स्प्रे करके 2-3 दिन में सुखाकर अपना खर्च घटाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि *पैराकुआट* केमिकल खरपतवार के खात्मे के लिए इस्तेमाल किए जाने वाला केमिकल है। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग या कृषि यूनिवर्सिटी की तरफ से इस केमिकल की सिफारिश नहीं की, बल्कि किसान समय की कमी के कारण ऐसा कर रहे हैं। संधवां ने राज्य के किसानों से अपील करते हुए कहा है कि वह व्यापक जनहित को मुख्य रखते हुए *पैराकुआट* केमिकल का प्रयोग करने से गुरेड़ करें और रिवायती ढंग से मूंगी की फसल का उत्पादन करने को प्राथमिकता दें।

राजनैतिक पार्टियां वित्तीय खातों संबंधी ऑनलाइन दे सकेंगी जानकारी : सिबिन सी

चंडीगढ़ (हिंस)। राजनैतिक पार्टियां अब निर्वाचन आयोग के पास अपने वित्तीय खाते ऑनलाइन दाखिल कर सकेंगी। इस पहल के अंतर्गत नया वेबपोर्टल शुरू किया गया है। सीईओ पंजाब सिबिन सी ने बताया कि जन प्रतिनिधित्व एक्ट, 1951 और आयोग द्वारा पिछले सालों के दौरान समय-समय पर जारी पारदर्शिता सम्बन्धी दिशा-निर्देशों के मुताबिक यह वित्तीय स्टेटमेंट राजनैतिक पार्टियों की तरफ से निर्वाचन आयोग/राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के पास जमा करवानी जरूरी है। इस संबंधी विवरणों का खुलासा करते हुए सभी राजनैतिक पार्टियों को संबोधित एक पत्र में बताया गया है कि यह सुविधा दोहरे उद्देश्य के लिए शुरू की गई है।

इनेलो सरकार बनते ही प्रोपर्टी आईडी होगी खत्म : अभय चौटाला

फतेहाबाद (हिंस)। इनेलो के प्रधान महासचिव एवं विधायक अभय सिंह चौटाला ने कहा कि प्रदेश सरकार ने प्रोपर्टी आईडी और फैमिली आईडी के नाम पर लोगों को परेशान करने का काम किया है। प्रदेश में इनेलो की सरकार बनते ही प्रोपर्टी आईडी को न केवल खत्म किया जाएगा, बल्कि प्रोपर्टी आईडी के नाम पर जमकर चांदी कूटने वाली कम्पनी व अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। वे सोमवार को टोहाना में आयोजित जनसभा के दौरान लोगों को संबोधित कर रहे थे। सोमवार को अभय सिंह चौटाला बार एसोसिएशन में पहुंचे जहां बार एसोसिएशन प्रधान सुरेश गिल एडवोकेट के नेतृत्व में वकीलों ने उनका जोरदार स्वागत किया। टोहाना में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अभय चौटाला ने भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार को जमकर आड़े हाथ लिया और कहा कि भाजपा और जजपा नेताओं ने जमकर दोनों हाथों से प्रदेश को लूटने का काम किया है। जजपा का प्रदेश में खात्मा हो चुका है। जनता की समझ में आ चुका है कि देवीलाल की फोटो लगाकर घूमने वाले बहरूपिए हैं। ये प्रदेश को लूटने वालों की पंक्ति में सबसे आगे खड़े हैं। आने वाले चुनावों में जजपा प्रदेश में खाता तक नहीं खोल पाएगी। उन्होंने

कहा कि चौधरी देवीलाल ने बुजुर्गों का सम्मान करते हुए पेंशन शुरू की थी, लेकिन मौजूदा सरकार इस पेंशन को खत्म करने का काम कर रही है, जिसे इनेलो किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। वकीलों को संबोधित करते हुए अभय चौटाला ने कहा कि वकीलों को समाज का बुद्धिजीवी वर्ग माना जाता है। उन्होंने वकीलों द्वारा दिए गए सम्मान के लिए उनका आभार जताया और चौ. देवीलाल की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए इनेलो के साथ जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर इनेलो प्रदेशाध्यक्ष नफे सिंह राठी, इनेलो महिला विंग महासचिव सुनैना चौटाला, महिला विंग प्रदेशाध्यक्ष सुमित्रा देवी, डॉ. विरेन्द्र सिंह, अंजली सिंह, आईएसओ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अर्जुन चौटाला, युवा इनेलो नेता कुनाल कर्ण सिंह, वरिष्ठ इनेलो नेत्री सरपंच नैना झोरड़ सहित अनेक इनेलो नेता मौजूद रहे।

आमजन से मिले केंद्रीय मंत्री शेखावत

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जैसलमेर प्रवास के बाद देर रात जोधपुर पहुंचे। जोधपुर निवास पर रात्रि विश्राम के बाद यहां आज निवास स्थान पर आमजन से मुलाकात की। उन्होंने जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याओं को सुना और यथा सम्भव निराकरण का प्रयास भी किया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री शेखावत हवाई मार्ग से दिल्ली रवाना हो गए।

गर्भवती महिला या कोई मरीज वार्ड से बाहर मिला तो नपेंगे गार्ड

गुरुग्राम (हिंस)। सरकारी अस्पतालों में अक्सर फर्श पर, बाथरूम में महिलाओं की डिलीवरी होने के घटनाएं खूब होती हैं। बीते सप्ताह के गुरुग्राम के सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल में भी जच्चा-बच्चा वार्ड से बाहर फर्श पर ही एक महिला की डिलीवरी हुई। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए अस्पताल प्रशासन ने अब आदेश जारी किए हैं कि कोई भी गर्भवती महिला या फिर किसी अन्य वार्ड का मरीज बेड से गायब नहीं मिलना चाहिए। वार्डों में तैनात गार्ड को यह जिम्मेदारी दी गई है। जारी आदेशों में कहा गया है कि सभी गार्ड अपनी ड्यूटी के दौरान इस बात का ध्यान रखें कि कोई गर्भवती महिला अस्पताल की चाहरदीवारी के अंदर कहीं भी घूमती या फर्श पर लेटी, बैठी ना मिले। अगर कोई गर्भवती महिला दिखाई दे तो उसको तुरंत लेबर रूम में छोड़कर आएं। ड्यूटी पर उपस्थित नर्सिंग अधिकारी तथा डॉक्टर को भी सूचित करें। गार्ड इस बात का भी ध्यान रखें कि अस्पताल में दाखिल मरीज बेड छोड़कर इधर-उधर ना घूमे। अगर किसी गार्ड की ड्यूटी के समय ऐसा होता है तो उस गार्ड के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अस्पताल के अधिकारियों का कहना है कि सामान्य तौर पर महिलाएं वार्ड से बाहर घूमने लग जाती हैं। इस दौरान लेबर पेन होने पर उनकी डिलीवरी फर्श पर हो जाती है। ऐसी घटनाओं में सीधे स्टाफ को दोषी ठहराया जाता है, जबकि लेबर रूम में दाखिल गर्भवती महिलाएं अपनी मर्जी से बाहर घूमने निकल जाती हैं। ऐसा ही बीते रोज एक महिला के साथ भी हुआ। वह घूम रही थी, इसी दौरान उसे लेबर पेन हुआ और उसकी डिलीवरी हो गई। लेबर रूम के अलावा ऐसे फर्श पर शिशु की डिलीवरी होना उसकी सेहत के लिए भी सही नहीं है। दिनभर लोग वहां से आते-जाते हैं। उसके जूते-चप्पलों से मिट्टी आदि भी वहां लगी रहती है। हालांकि बीच-बीच में सफाई होती रहती है। फिर भी ऐहतियात बरती बहुत जरूरी है।

नहर में सफाई के दौरान मिले थे पंद्रह बम, डिफ्यूज करने पर हुए जोरदार धमाके

श्रीगंगानगर (हिंस)। इंदिरा गांधी नहर की मुख्य नहर की सफाई कार्य के दौरान बिरधवाल हैड के पास गत माह करीब 15 बम मिले। जिन्हें बिरधवाल चौकी पुलिस ने उन्हें सुरक्षित रखवाया गया। सोमवार को सेना के मेजर नवनीत सिंह के नेतृत्व में बम निरोधक दस्ते ने सुरक्षित स्थान पर ले जाकर बमों को निष्क्रिय किया। इस मौके पर बिरधवाल हैड चौकी पुलिस भी मौजूद रही। बिरधवाल हैड चौकी प्रभारी सत्यप्रकाश जांगिड़ ने बताया कि गत माह नहरबंदी के दौरान इंदिरा गांधी नहर की मुख्य नहर की सफाई कार्य किया गया। बिरधवाल हैड के पास सफाई कार्य में करीब 15 बम मिले। सूचना मिलने पर बिरधवाल चौकी पुलिस मौके पर पहुंची तथा बमों को सुरक्षित स्थान पर रखा गया। सोमवार को सेना के मेजर नवनीत सिंह के नेतृत्व में बम निरोधक दस्ते ने बमों को निष्क्रिय किया। इस दौरान आसमान में धूलभरे गुब्बार उड़ गए। इससे पूर्व भी 13 मई को इंदिरा गांधी नहर में बिरधवाल

हैड के पास नहर की खुदाई कार्य के दौरान एक साथ पांच बम मिले थे। जिन्हें बाद में सेना के बम निरोधक दस्ते ने निष्क्रिय कर दिया। गौरतलब है कि गत वर्ष भी नहरबंदी के दौरान इंदिरा गांधी नहर की मुख्य नहर व इससे निकलने वाली नहरों से दस जिन्दा बम मिले थे। हालांकि पुलिस व प्रशासन की ओर से सेना के उच्चाधिकारियों से इंदिरा गांधी नहर में सर्च अभियान चलाकर बमों को निष्क्रिय करने का आग्रह किया। लेकिन सेना के बम निरोधक दस्ते की मदद से इन बमों को महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में भेजकर निष्क्रिय करवाया गया। बिरधवाल हैड पर स्थित सेना के आयुध डिपो में 24 मई 2001 को भीषण आगजनी हुई थी। उस वक्त डिपो से बड़ी संख्या में बम व रॉकेट बाहर खेतों व नहर में उछलकर गिरे थे। इसमें से कुछ बम रेत के टीलों में दब गए थे। आगजनी की घटना के बाद सेना द्वारा बमों की तलाशी के लिए क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया गया। इसमें कुछ बम मिले थे लेकिन रेत के नीचे अभी भी बड़ी संख्या में बम पड़े हैं। बम यदाकदा खेतों में काम करने वाले किसानों को मिलते रहते हैं। इससे जान माल का खतरा सदैव बना रहता है। वर्ष 2013 में एक जिंदा बम तोडने पर हुए विस्फोट में एक बालक व एक बकरी की मौत हो गई थी।

बैंक लॉकर के नियम, परिवार को भी खोलने की इजाजत नहीं, चरणबद्ध तरीके से पूरी होगी प्रक्रिया

नई दिल्ली। आरबीआई ने बैंक लॉकर के लिए नए एग्रीमेंट साइन करने की अंतिम तारीख पहले 1 जनवरी 2023 रखी थी। अब बढ़ाकर 31 दिसंबर 2023 कर दिया है। यह प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से पूरी होनी है। आरबीआई ने बैंक लॉकर के 50प्रतिशत नए एग्रीमेंट 30 जून तक, 75 प्रतिशत 30 सितंबर तक और 100 प्रतिशत 31 दिसंबर 2023 तक साइन करवाने का लक्ष्य तय किया है। नए बैंक लॉकर ग्राहकों के लिए ये नियम 1 जनवरी 2022 से ही लागू हो चुके हैं। पुराने ग्राहकों के लिए नए एग्रीमेंट साइन करने की अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2023 कर दी गई है।

एग्रीमेंट में स्पष्ट तौर पर देनी होगी सामान की जानकारी – बैंक लॉकर के नए नियमों के मुताबिक बैंक और ग्राहकों को नए एग्रीमेंट में स्पष्ट तौर पर ये उल्लेख करना होगा कि वहां किस तरह का सामान रखा जा सकता है और किस तरह का नहीं। इसी के साथ बैंक में कीमती वस्तुओं को रखने के लिए लॉकर की सुविधा लेने वाले लोगों से अब बैंक नए प्रकार के चार्ज वसूलना शुरू कर रहे हैं। इस नए नियम को ग्राहकों के साथ एग्रीमेंट में लाने के लिए बैंक कई प्रकार के स्टांप शुल्क वसूल रहे हैं। साथ ही फाइन चार्ज के नाम पर जेब ढीली कर रहे हैं।

बैंकों के साथ लॉकर रखने के लिए होने वाला नया एग्रीमेंट अब स्टांप पेपर पर साइन किया जाएगा। इसका खर्च पुराने ग्राहकों को नहीं उठाना है, बल्कि बैंक इसे मुफ्त में उपलब्ध कराएंगे। नए एग्रीमेंट को लेकर आरबीआई ने कई बदलाव किए हैं। ये लॉकर रखने वाले ग्राहकों के हितों की सुरक्षा करता है।

दवाएं या जहरीला सामान नहीं रख सकते – बैंक लॉकर में हथियार, नकदी या विदेशी मुद्रा या दवाएं या कोई घातक जहरीला सामान नहीं रखा जा सकेगा। नए नियम बैंक को कई तरह की जिम्मेदारियों से मुक्त कर देंगे। अगर बैंक लॉकर का पासवर्ड या चाबी खो जाती है या उसका दुरुपयोग होता है तो बैंक की जिम्मेदारी नहीं होगी। ग्राहक के सामान की सुरक्षा की जिम्मेदारी बैंक की होगी। अगर बैंक ऐसा नहीं कर पाता है तो उसे समय-समय पर बदलने वाले इससे जुड़े नियमों के हिसाब से हर्जाना देना होगा। पुराने लॉकर एग्रीमेंट में लोगों के लॉकर से गायब हुए सामान या किसी आपात स्थिति में लॉकर के अंदर उपलब्ध चीजें बर्बाद होने के बाद ग्राहकों के लिए रिकवरी कुछ नहीं होती थी।

न्यूज ब्रीफ

जीएसटी में 12000 से ज्यादा फर्जी कंपनियां, अन्य लोगों के पैन-आधार का कर रहे दुरुपयोग

नई दिल्ली। धोखेबाज कंपनियों पर नकेल कसने के लिए सीबीआईसी नए तरीके आजमाने की योजना बना रहा है।

12,000 से ज्यादा फर्जी कंपनियां जीएसटी में पंजीकृत हैं। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन विवेक जौहरी ने कहा कि जीएसटी के तहत जोखिम भरी संस्थाओं के बॉयोमीट्रिक प्रमाणीकरण पर काम हो रहा है। यह उन धोखेबाजों पर नकेल कसने की तैयारी है, जो जीएसटी पंजीकरण प्राप्त करने के लिए अन्य लोगों के पैन और आधार का दुरुपयोग कर रहे हैं। विवेक जौहरी ने कहा, कर अधिकारी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का दावा के दायरे को सीमित करने के लिए जीएसटी रिटर्न फाइलिंग प्रणाली में कुछ और सख्ती पर भी चर्चा कर रहे हैं। ऐसा देखा जा रहा है कि आपूर्ति श्रृंखला में बहुत सारे आपूर्तिकर्ताओं ने करों का भुगतान नहीं किया है। उनके मुताबिक, यदि कर अधिकारियों को संदेह है कि कंपनियां केवल आईटीसी का फर्जी दावा करने के लिए बनीं हैं हैं तो ऐसी कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधियों, निदेशकों या भागीदारों का बायोमीट्रिक प्रमाणीकरण होगा। इसका उपयोग नए पंजीकरण आवेदनों और जीएसटी के तहत पंजीकृत मौजूदा व्यवसायों के लिए किया जाएगा। सभी संस्थाओं की जियो-टैगिंग की योजना भी बनाई जा रही है। इससे यह प्रमाणित होगा कि जीएसटी पंजीकरण में दी गई जानकारी सही है या नहीं। अभी तक बायोमीट्रिक प्रमाणीकरण और जियो-टैगिंग कुछ कुछ राज्यों में चल रहा है। जल्द ही इसे पूरे देश में लॉन्च किया जाएगा। जौहरी ने कहा, हम सिस्टम को और मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। हम पहले से ओटीपी-आधारित प्रमाणीकरण का उपयोग कर रहे हैं। अब बायोमीट्रिक प्रमाणीकरण होगा। संदिग्ध मामलों में व्यक्तियों को बायोमीट्रिक सत्यापन के लिए आधार केंद्र पर जाने के लिए कहा जाएगा।

2000 के नोट से जुड़ी याचिका हाईकोर्ट में खारिजः आरबीआई ने 19 मई को 2000 का नोट सर्कुलेशन से वापस लेने का किया था फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2,000 रुपए के नोटों को चलन से वापस लेने के आरबीआई के फैसले को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। ये जनहित याचिका एडवोकेट रजनीश भास्कर गुप्ता ने दायर की थी। उन्होंने अपनी याचिका में कहा था कि आरबीआई के पास ऐसा निर्णय लेने के लिए आरबीआई अधिनियम के तहत कोई इंडिपेंडेंट पावर नहीं है। वहीं आरबीआई की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट पराग त्रिपाठी ने कहा था कि आरबीआई का हालिया फैसला नोटबंदी नहीं है और यह केवल करेंसी मैनेजमेंट की एक एक्सरसाइज है। आरबीआई ने 19 मई को 2000 का नोट सर्कुलेशन से वापस लेने का ऐलान किया था। इसके तीन बाद यानी 23 मई से देशभर के बैंकों में इस नोट को बदलने की प्रोसेस शुरू हो गई। लोग बैंकों में अपने नोट बदलने के लिए पहुंच रहे हैं। आरबीआई ने 30 सितंबर तक 2000 के नोट बदलने या अकाउंट में जमा कराने को कहा है। 2000 को नोट बदलने या जमा करने के लिए किसी तरह के डॉक्यूमेंट नहीं देने हैं।

एमवी एमएससी हैमबर्ग मुंद्रा बंदरगाह पहुंचा, सबसे लंबे जहाज में होती है गिनती, 400 मीटर है लंबाई

नई दिल्ली । अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) के प्रमुख बंदरगाह मुंद्रा पोर्ट पर दुनिया के बड़े जहाजों में से एक एमवी एमएससी हैमबर्ग पहुंचा है।

एमवी एमएससी हैमबर्ग 399 मीटर लंबा और 54 मीटर चौड़ा जहाज है। एपीएसईजेड ने एक बयान में कहा, जहाज का आकार चार फुटबॉल मैदानों के बराबर है। बयान में कहा गया कि मुंद्रा सबसे लंबे जहाज में से एक है। एमवी एमएससी हैमबर्ग जहाज का आकार चार फुटबॉल मैदानों के बराबर है। कंपनी ने कहा कि 2015 में निर्मित कंटेनर जहाज एमवी एमएससी हैमबर्ग मुंद्रा पोर्ट पर दो जुलाई को पहुंचा। मुंद्रा पोर्ट पर सभी सेवाएं बहाल हो गई हैं, जिन्हें चक्रवात बिपरजॉय के कारण अस्थायी रूप से रोक दिया था। एपीएसईजेड का प्रमुख बंदरगाह भारत में सबसे बड़ी एकीकृत परिवहन उपयोगिता है और विविधीकृत अदानी समूह का एक हिस्सा है।

निवेशक हैं तो डर और लालच से बचिए, रुझान हमेशा एक नुकसान वाला सौदा साबित हो सकता है

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार करीब सात महीने बाद फिर नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ है। लेकिन जो लोग बाजार में निवेश करते हैं अगर उन्होंने डर और लालच पर काबू नहीं पाया तो उनके लिए यह घाटे का सौदा है।

झुंड की विपरीत दिशा में बने रहें

दुनिया भर के निवेशकों के लिए कहावत है कि आप बाजार में निवेश से फायदा कमाना चाहते हैं तो डर और लालच को कभी भी हावी नहीं होने दें। इसका मतलब यह है कि जब एक झुंड बाजार में खरीदारी कर रहा हो तो आपको इनसे अलग रहना चाहिए। यही झुंड जब बाजार में बिकवाली करे तो तब भी आपको इसका पालन नहीं करना चाहिए। इसका मतलब यह होता है कि बाजार में जब भारी गिरावट आती है तो लोग डर के मारे शेयर बेचते हैं और जब बाजार खूब तेजी में होता है तो वे कमाई के लालच में खरीदते हैं। यह रुझान हमेशा एक नुकसान वाला सौदा साबित हो सकता है।

निवेश वाले क्षेत्र

विश्लेषकों का कहना है कि सुरक्षित निवेश के लिए फार्मा, इन्फ्रा, विनिर्माण, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, आईटी और स्मॉलकैप्स जैसे चुनिंदा शेयरों पर दांव लगा सकते हैं

7 माह बाद फिर रिकॉर्ड ऊंचाई पर सेंसेक्स

जिन लोगों ने दिसंबर में यह सोचकर बाजार में निवेश नहीं किया कि सेंसेक्स 63 हजार को पार कर गया है और अब यह नीचे जाएगा, तो उनके लिए यह एक जवाब है। सेंसेक्स अब 64 हजार के पार है। शेयर बाजार हमेशा एक लंबे समय में बेहतर रिटर्न दिया है। पिछले साल जून से लेकर अब तक इसने 20 फीसदी का रिटर्न दिया है। तब पहली बार यह 53 हजार के आंकड़े को पार किया था। यानी बाजार की तेजी में भी अगर आप लंबे समय के लिए निवेश करते हैं तो आप घाटे से बच सकते हैं।

तक जा सकता है बीएसई सेंसेक्स

पिछले साल जब नवंबर में सेंसेक्स ने तेजी की रफ्तार पकड़ी थी, तब ब्रोकरेज हाउस मॉर्गन स्टेनली ने कहा था कि तेजी के माहौल में 2023 के अंत तक सेंसेक्स 80 हजार तक जा सकता है। हालांकि, अभी पहली छमाही बीती है और सेंसेक्स ने 64 हजार के शिखर को पार किया है। ऐसे में ब्रोकरेज हाउस के अनुमान के करीब बाजार रह सकता है। वैसे भी इस साल और अगले साल तक तेजी के आसार हैं।

इस हफ्ते में रह सकती है तेजी

जीएसटी के मोर्चे पर तेजी, ऑटो कंपनियों की बेहतर बिक्री और अन्य मोर्चे पर बेहतरी से इस हफ्ते बाजार में तेजी रह सकती है। जून तिमाही के कंपनियों के वित्तीय परिणाम भी इस हफ्ते से आने शुरू हो जाएंगे। साथ ही वैश्विक स्तर पर खाने पीने जैसी चीजों की कीमतों में भी गिरावट आ रही है।

ब्रोकरेज हाउस एंजल वन का कहना है कि अगर वैश्विक बाजारों का समर्थन रहा तो निफ्टी 19,250 से 19,500 के बीच रह सकता है। पिछले हफ्ते निफ्टी और सेंसेक्स 3-3 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए हैं।

पांच आईपीओ बाजार में

इस हफ्ते पांच आईपीओ बाजार में आने हैं। इनमें से तीन छोटी कंपनियों (एसएमई) और दो मुख्य प्लेटफॉर्म के हैं। सेनको गोल्ड का निर्गम कल से खुलकर 6 जुलाई को बंद होगा। यह कंपनी 301 से 317 रुपये के भाव पर 405 करोड़ जुटाएगी। खुदरा निवेशकों के लिए 35 फीसदी शेयर आरक्षित हैं। पीकेएच वेंचर्स का निर्गम मंगलवार को बंद होगा। यह कंपनी 379 करोड़ जुटाएगी। खुदरा निवेशकों के लिए 35प्रतिशत हिस्सा है।

एफआईआई का रिकॉर्ड निवेश

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने इस साल तेज वापसी की है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में रिकॉर्ड 87 हजार करोड़ के शेयर खरीदे हैं। ब्रोकरेज हाउसों का अनुमान है कि ब्याज दरें अब स्थिर होने लगी हैं। ऐसे में भारतीय बाजार एफआईआई के लिए आकर्षक निवेश का साधन बना है।

बाजार भले तेजी में है, पर इसकी रफ्तार अब शुरू हुई है। साल के अंत तक निफ्टी 21,000 तक जा सकता है। निवेशकों को निवेश करते रहना चाहिए और गिरावट में ज्यादा खरीदी करनी चाहिए। खराब शेयरों से बाजार की तेजी में निकल भी सकते हैं।

रुपया 33 पैसे बढ़कर 81.77 डॉलर

नई दिल्ली । एशियाई और घरेलू बाजार में तेजी की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया शुरूआती कारोबार में 33 पैसे उछलकर 81.77 प्रति डॉलर पर रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह जारी रहने और घरेलू शेयर बाजार में मजबूत रुख से रुपए को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले घरेलू रुपया 82.01 पर खुला और बाद में मजबूत होकर 81.77 तक पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 33 पैसे की तेजी है। शुक्रवार को रुपया 82.10 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। मुद्रा कारोबारियों के अनुसार संस्थागत विदेशी निवेशकों के पूंजी प्रवाह तथा बेहतर वृहत आर्थिक आंकड़ों के साथ रुपये में मजबूती आई है।

चीन से कारोबार समेट सकती हैं ताइवानी कंपनियां, भारत बनेगा उत्पादन केंद्र

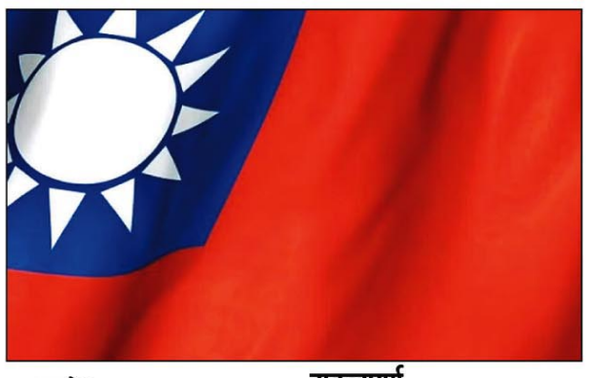

ताइपे। चीन से तनातनी के बीच प्रमुख ताइवानी कंपनियां चीनी बाजार से अपना कारोबार समेटते हुए भारत को उत्पादन केंद्र बनाना चाहती हैं। स्वायतता के मुद्दे पर जहां ताइवान व चीन के बीच लगातार तनाव बढ़ रहा है, वहीं बीजिंग का भारत के साथ भी विगत कुछ वर्षों से सीमा विवाद गहराया है। अगर योजना मूर्त हुई तो चीन को आर्थिक के साथ-साथ कूटनीतिक मोर्चे पर भी बड़ा झटका लगेगा। ताइवान की राष्ट्रीय विकास उप मंत्री काओ शिएन-क्यू ने कहा, सेमीकंडक्टर व इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के निर्माण सहित उभरती व महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत व ताइवान के बीच सहयोग की बड़ी संभावना है। अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों के एक समूह से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रमुख ताइवानी प्रौद्योगिकी दिग्गज कंपनियां अपनी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती देने के लिए भारत को प्रमुख गंतव्य के रूप में देख रही हैं। भारत व ताइवान के बीच कारोबार वर्ष 2006 में दो अरब डॉलर था, जो वर्ष 2021 तक 8.9 अरब डॉलर हो चुका है।

ताइवान के लिए भारत महत्वपूर्ण

चुंग-हुआ इंस्टीट्यूशन ऑफ इकनॉमिक रिसर्च में नीतिगत मामलों की प्रमुख संस्था ताइवान आसियान अध्ययन केंद्र की निदेशक क्रिस्टी सुन-जू सू ने कहा कि चीन से संचालित होने वाली प्रमुख ताइवनी कंपनियां अपनी घेरलू जरूरतों की आपूर्ति बनाए रखने के साथ बीजिंग से अपनी वैश्विक आपूर्ति शृंखला को अलग करना चाहती हैं। ये कंपनियां अपना उत्पादन केंद्र चीन से हटाकर यूरोप, अमेरिका व भारत को बनाने पर लगातार विचार कर रही हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था बड़ी है, जो ताइवान को चीन से कारोबारी रिश्तों में बदलाव का मौका दे सकती है।

भारत ने सेमीकंडक्टर व अन्य उत्पादों में दिखाई दिलचस्पी

भारत ने भी दुनिया के सबसे बड़े चिप निर्माता ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन (टीएसएमसी) सहित प्रमुख ताइवानी उत्पादकों में दिलचस्पी दिखाई है। टीएसएमसी के ग्राहकों में आई-फोन निर्माता एपल भी शामिल है।

17 जुलाई से महंगी हो जाएंगी टाटा की कारें: कंपनी ने इस साल तीसरी बार बढ़ाए दाम, इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी बनी वजह

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने अपने पैसेंजर व्हीकल्स की कीमतों में बढ़ोतरी का एलान किया है। बढ़ी हुई कीमतें 17 जुलाई से कंपनी की सभी इंजन वाली कारों और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर लागू होंगी। टाटा मोटर्स ने एक्सचेंजों को फाइलिंग में बताया कि कारों के अलग-अलग मॉडल्स और वैरिएंट्स की कीमतों में एवरेज 0.6प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। कंपनी ने प्राइस में बढ़ोतरी के लिए पिछली इनपुट कॉस्ट के अवशिष्ट प्रभाव को जिम्मेदार बताया है। फरवरी 2023 के बाद कंपनी ने यह इस साल तीसरी बार अपने पैसेंजर व्हीकल्स की कीमतों को बढ़ाने का ऐलान किया है। इससे पहले कंपनी ने 14 अप्रैल को अपने सभी वैरिएंट और मॉडल की कीमतों में एवरेज 0.6प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का फैसला किया था। अगर आप टाटा मोटर्स की कार खरीदना चाहते हैं तो आपके पास थोड़ी सस्ती कार खरीदने का मौका 16 जुलाई तक यानी 13 दिन तक का है। इसके बाद कंपनी की सभी कारें महंगी मिलेंगी। कंपनी ने 16 जुलाई तक कारों की बुकिंग करने वाले और 31 जुलाई तक डिलीवरी पाने वाले कस्टमर्स को पुरानी कीमतें और ऑफर का लाभ मिलेगा। टाटा मोटर्स ने फाइलिंग में कीमतों में बढ़ोतरी करने की वजह भी बताई है। कंपनी ने बताया है कि ओवरऑल इनपुट कॉस्ट यानी कार की मेकिंग कॉस्ट बढ़ने की वजह से कंपनी ने अपने पैसेंजर व्हीकल्स के दाम बढ़ाने का यह फैसला किया है। इससे पहले टाटा मोटर्स ने 1 अप्रैल से अपने कमर्शियल व्हीकल्स की कीमतों में 5प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी। फरवरी में टाटा मोटर्स ने अपने सभी पैसेंजर व्हीकल्स की कीमतें एवरेज 1.2प्रतिशत बढ़ाने की अनाउंसमेंट की थी। वहीं 10 फरवरी 2023 से टाटा मोटर्स ने अपनी टियागो-ईवी की कीमत लगभग 20,000 रुपए बढ़ा दी थी। 1 अप्रैल से देश में बीएस6 का दूसरा फेज लागू हो गया है और इसकी वजह से कंपनी की कार की मेकिंग कॉस्ट भी बढ़ गई है। यही वजह है कि कंपनियां अपने व्हीकल्स के दाम बढ़ा रही हैं। टाटा मोटर्स पैसेंजर्स व्हीकल्स की एक रेंज सेल करती है, जिसमें टियागो, टिगोर और अल्ट्रोज जैसी कारें शामिल हैं। वहीं पंच, नेक्सॉन, हैरियर और सफारी जैसी कारें शामिल हैं।

जून में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में आई कमी, पर उत्पादन के मोर्चे पर वृद्धि बरकरार

नई दिल्ली। भारत में विनिर्माण गतिविधियों में जून में कमी आई है। एक मासिक सर्वेक्षण में सोमवार को कहा गया कि देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में मई की अपेक्षा जून में कमी आई है। हालांकि,अनुकूल मांग स्थिति के बीच नए ऑर्डर में उल्लेखनीय तेजी के साथ उत्पादन के स्तर पर वृद्धि बरकरार है। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया का विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) घटकर जून महीने में 57.8 रहा, जो मई महीने में 58.7 था। इससे पिछले महीने मई में यह 31 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। सर्वे में कहा गया है कि भले ही विनिर्माण गतिविधियों में कमी आई हो, लेकिन इसके बावजूद आंकड़ा परिचालन स्थिति में सुधार को बताता है। मजबूत मांग ने बिक्री, उत्पादन, भंडार निर्माण और रोजगार जैसे अन्य क्षेत्रों को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। बता दें, जून का पीएमआई आंकड़ा लगातार 24वें महीने समग्र परिचालन स्थितियों में सुधार को दिखाता है। पीएमआई की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब विस्तार होता है, जबकि 50 से नीचे का स्तर संकुचन को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की एसोसिएट निदेशक पोलियाना डी लीमा ने कहा कि जून के जो पीएमआई आंकड़े हैं, वह फिर से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारत में विनिर्मित उत्पादों की मजबूत मांग को बताते हैं। उन्होंने कहा कि ग्राहकों में सकारात्मक रुचि के साथ विनिर्माण उद्योग को समर्थन मिलता रहा।

इससे उत्पादन, रोजगार, खरीद की मात्रा और कच्चे माल भंडार में वृद्धि हुई। मांग में तेजी, नए ग्राहकों की तरफ से पूछताछ और विपणन प्रयास वृद्धि की संभावनाओं को बताते हैं। सर्वे के अनुसार व्यापार भरोसे का समग्र स्तर छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। रोजगार के मोर्चे पर वस्तु उत्पादकों ने जून में अतिरिक्त श्रमिकों को लेकर क्षमता विस्तार पर जोर दिया। रोजगार मध्यम गति से बढ़ा जो मोटे तौर पर मई के बराबर है। वस्तु उत्पादकों ने अतिरिक्त कच्चे माल की खरीद की। यह पिछले 12 साल में दूसरा मौका है जब सकारात्मक मांग रुख और बढ़ती उत्पादन जरूरतों के कारण अतिरिक्त कच्चे माल की खरीद में वृद्धि दर्ज की गई है। लीमा ने कहा कि कच्चे माल खरीद में वृद्धि विनिर्माताओं के बीच उम्मीद और सकारात्मक रुख को बताती है। वास्तव में उन्होंने अनुकूल बाजार स्थितियों को भुनाने और उत्पादन वृद्धि को समर्थन देने के लिए संसाधन हासिल किए।

अलीबाबा के को-फाउंडर जैक मा अचानक पाकिस्तान पहुंचे

दूतावास तक को जानकारी नहीं, 7 बिजनेसमैन भी साथ थे

इस्लामाबाद। चीनी अरबपति और अलीबाबा के को-फाउंडर जैक मा ने अचानक पाकिस्तान का दौरा किया है। जैक मा की इस अनएक्सपेक्टेड विजिट ने दुनियाभर के एनलिस्ट्स के बीच हलचल बढ़ा दी है। रिपोर्ट के अनुसार, जैक की इस यात्रा और वहां के कार्यक्रमों के बारे में चीनी दूतावास को कोई भी जानकारी नहीं दी गई थी।

23 घंटे तक पाकिस्तान में थे जैक मा

बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट के पूर्व चेयरमैन मुहम्मद अजफर अहसन ने जैक मा के पाकिस्तान यात्रा की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि जैक 29 जून को लाहौर पहुंचे थे और 23 घंटे तक रुके थे। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान जाने से पहले जैक मा नेपाल में काठमांडू के द्वारिका होटल में रूक थे। वह लोकप्रिय थमेल, कालीमाटी मार्केट और भक्तपुर दरबार स्क्वायर भी गए थे।

यात्रा का पॉजिटिव रिजल्ट आने की उम्मीद

जैक मा की पाकिस्तान यात्रा के उद्देश्यों के बारे में जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, उम्मीद है कि आने वाले दिनों में पाकिस्तान के लिए जैक मा के यात्रा का सकारात्मक परिणाम आएगा।

सोशल मीडिया पर अटकलें लगाई जा रही हैं कि जैक का यह दौरा पाकिस्तान में बिजनेस के अवसर तलाशने के लिए था। हालांकि, अभी तक किसी बिजनेस डील, बैठक के बारे में किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं दी गई है।

30 जून को पर्सनल जेट से वापस चीन लौटे जैक मा

यात्रा के दौरान जैक मा ने सरकारी अधिकारियों और मीडिया से बातचीत करने से परहेज किया। वह एक निजी स्थान पर रुके थे। 30 जून को जैक जेट एविएशन के ड्क्क-ष्ट्रूनाम के पर्सनल जेट से उज्बेकिस्तान और फिर वापस चीन लौट गए।

बिजनेसमैन का एक प्रतिनिधिमंडल भी था साथ

जैक मा के साथ 7 बिजनेसमैन का एक प्रतिनिधिमंडल भी पाकिस्तान गया था। इसमें पांच चीन के नागरिक, एक डेनिश और एक अमेरिकी नागरिक था। सभी हॉन्गकॉन्ग के कॉमर्शियल एविएशन सेक्टर से एक चार्टर्ड के माध्यम से नेपाल और वहां से पाकिस्तान पहुंचे थे।

आलोचना के बाद जिनपिंग के निशाने पर आए थे मा

जैक मा चीन सरकार की नीतियों की आलोचना के बाद राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निशाने पर आए गए थे। मा की एक कंपनी एंट ग्रुप के दुनिया के सबसे बड़े आईपीओ को भी रोक दिया गया था और अरबों डॉलर का जुर्माना लगाया गया था। इस पूरे घटनाक्रम के बाद मा गायब हो गए थे।

साल 2021 के बाद वो पब्लिकली दिखाई नहीं दिए थे। इसके करीब एक साल बाद वो चीन लौटे थे। अब वो टोक्यो यूनिवर्सिटी के टोक्यो कॉलेज में विजिटिंग प्रोफेसर है।

चीन लौटने के बाद युंगु स्कूल पहुंचे थे जैक मा

चीन लौटने के बाद मा अपने होमटाउन हांगझोऊ के युंगु स्कूल पहुंचे थे, जहां अलीबाबा का मुख्यालय भी है। ये स्कूल अलीबाबा की फंडिंग से चलता है। इसमें ज्यादातर बच्चे अलीबाबा के एम्प्लॉइज के हैं। मा ने स्कूल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से शिक्षा को मिलने वाली चुनौतियों के बारे में बात की थी। मा कुछ वक्त हॉन्गकॉन्ग में भी रुके थे जहां वो अपने दोस्तों से मिले।

एक्ट्रेस चाहत पांडेय ने थामा आप का दामन

-कई टीवी सीरियल्स में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस

मुंबई (ईएमएस)। छोटे परदे की एक्ट्रेस चाहत पांडेय ने अब एक्टिंग से राजनीति की दुनिया में एंट्री कर ली है। एक्ट्रेस ने आम आदमी पार्टी ज्वॉइन कर ली है। पार्टी के महासचिव और राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने उन्हें पार्टी की सदस्यता की शपथ दिलाई और एक्ट्रेस मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी का प्रचार करेंगी। चाहत पांडेय के पार्टी में शामिल की तस्वीरें आम आदमी पार्टी ने अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर की हैं। इस दौरान एक्ट्रेस पिंक सूट के साथ सिर पर आप की टोपी और गले में साफा लिए नेता लुक में नजर आ-ईं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं।

काम की बात करें तो चाहत पांडेय ने 17 साल की उम्र में टीवी शो पवित्र बंधन से अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत की। इसके बाद वह तेनाली रामन, राधा कृष्णन, सावधान इंडिया, नागिन-2, दुर्गा-माता की छाया, अलादीन और क्राइम पेट्रोल सहित कई सीरियल्स में नजर आईं। फिलहाल वह टीवी शो नथ जेवर या जंजीर में महुआ का किरदार निभा रही हैं। बता दें कि चाहत पांडेय हमारी बहू सिल्क और पवित्र रिश्ता जैसे टीवी सीरियल्स में नजर आ चुकीं है। टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री के रुप में उन्होंने घर-घर में अपनी पहचान बना ली है।

गदर-2 की रिलीज से पहले अमीशा पटेल ने प्रोडक्शन टीम पर लगाए आरोप

मुंबई (ईएमएस)। सनी देओल और अमीषा पटेल स्टारर गदरः एक प्रेम कथा का सीक्वल यानी गदर 2 अगले माह 11 अगस्त को रिलीज हो रही है। लेकिन इसी बीच एक प्रोडक्शन टीम को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल अमीषा पटेल डायरेक्टर अनिल शर्मा की प्रोडक्शन कंपनी पर बुरी तरह भड़क गईं, और सोशल मीडिया पर उन्हें काफी कुछ सुना दिया है। अमीषा पटेल का कहना है कि गदर 2 के प्रोडक्शन का काम अनिल शर्मा ही देख रहे थे, और उनकी कंपनी ने फिल्म की शूटिंग के दौरान बहुत से लोगों को परेशानी में डाल दिया। अमीशा ने ट्विटर पर एक के बाद एक कई ट्वीट्स किए हैं। इनमें उन्होंने गदर 2 से उस तस्वीर पर सफाई दी है, जिसमें सनी देओल एक डेड बॉडी के सामने रोते नजर आ रहे हैं। कहा जा रहा था कि यह सकीना की बॉडी है। लेकिन अमीषा पटेल ने साफ किया कि वह डेड बॉडी सकीना की नहीं है। इसके बाद अमीषा पटेल ने गदर 2 के डायरेक्टर अनिल शर्मा पर धावा बोल दिया, और उनकी प्रोडक्शन कंपनी के खिलाफ काफी कुछ कह गईं। अमीषा पटेल ने ट्विटर पर लिखा, फैन्स इस तस्वीर के अलावा कुछ घटनाओं को लेकर भी चिंतित थे, जोकि गदर 2 के लास्ट शेड्यूल के दौरान घटी थीं। फाइनल शेड्यूल की शूटिंग मई में चंडीगढ़ में हुई थी। अनिल शर्मा की प्रोडक्शन कंपनी काम संभाल रही थी। कुछ मसले थे, जैसे कि मेकअप आर्टिस्ट, कॉस्ट्यूम डिजाइनर्स और बाकी लोगों को उनके पैसे नहीं मिले। लेकिन तभी जी स्टूडियोज ने दखल दिया, और तय किया कि जिनके भी बकाया पैसे हैं, वो सेटल किए जाएं। अमीषा पटेल ने आगे लिखा है कि ठहरने की व्यवस्था से लेकर शूट के आखिरी दिन चंडीगढ़ एयरपोर्ट तक जाने और खाने के बिल तक का भुगतान नहीं किया गया था। कुछ कास्ट और क्रू मेंबर्स को कार तक नहीं दी गई। उन्हें ऐसे ही छोड़ दिया गया। लेकिन जी स्टूडियोज ने फिर दखल दिया और इन सारी समस्याओं को सुलझाया, जो अनिल शर्मा प्रोडक्शंस की वजह से हुई थीं।

रिलीज से पहले ही जवान ने बनाया कमाई का रिकॉर्ड

-मेकर्स हाथ लगी बड़ी कामयाबी

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की अपकमिंग फिल्म जवान रिलीज से पहले ही कमाई का रिकॉर्ड बना रही है। इस फिल्म के म्यूजिक करोड़ों में बिके है। रिपोर्ट्स की मानें तो जवान के म्यूजिक लेबल टी-सीरीज ने 36 करोड़ रुपये में खरीदे हैं। ऐसे में लग रहा है कि फिल्म पठान शाहरुख खान एक बार फिर से बॉक्स ऑफिस पर कहर बरपाएगी। जानकारी के मुताबिक जवान के संगीत राइट्स को म्यूजिक लेबल टी-सीरीज ने 36 करोड़ में खरीदा है। एक रिपोर्ट की मानें तो इस फिल्म के म्यूजिक राइट्स को खरीदने के लिए कई कंपनियों के बीच भारी कॉम्पटीशन था, लेकिन आखिरकार भूषण कुमार की टी-सीरीज ने बाजी मार ली है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ये एक रिकॉर्ड सेट करने वाली डील है जो इससे पहले कभी नहीं देखने को मिला है। अब इन दावों पर अगर यकीन करें फिल्म ने अपनी बजट की आधी कमाई अपने रिलीज से पहले कमा डाली है। बता दें कि आने वाली शाहरुख खान की ये फिल्म कई मायनों में बेहद खास है। पहली बात ये हैं कि इस फिल्म में शाहरुख खान साउथ स्टार नयनतारा संग रोमांस करने वाले हैं। इसके साथ ही वह विजय सेतुपति संग पर्दे पर सीधे भिड़ने वाले हैं। वहीं इस फिल्म के डायरेक्टर एटली कुमार पहली बार शाहरुख खान के साथ कोई बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। फिल्म अपने घोषणा के साथ ही खबरों में है। जैसा कि सबको पता है कि जवान एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में शाहरुख जबरदस्त एक्शन दिखाते नजर आएंगे। इस पहले शाहरुख खान की थ्रिलर सस्पेंस फिल्म पठान भी लोगों को काफी पसंद आई थी। इसका निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया था। इस फिल्म में वर्ल्डवाइड स्तर पर 1053 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। पठान के जरिए शाहरुख खान ने पूरे 4 साल बाद बॉलीवुड में वापसी कर दर्शकों पर छा गये थे। फिल्म जवान के बाद शाहरुख खान के बाद फिल्म डंकी में नजर आएंगे। इस फिल्म में वह एक्ट्रेस तापसी पन्नू संग रोमांस करने वाले हैं। बता दें कि बालीवुड के सुपर स्टार शाहरुख खान, नयनतारा और विजय सेतुपति अपकमिंग फिल्म जवान का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म 7 सितंबर को दर्शकों के सामने आने वाली हैं।

नेहा ने आयुध को बताया सबसे बड़ा मसखरा

छोटे परदे की अभिनेत्री नेहा जोशी ने बाल कलाकार आयुध भानुशाली को सेट पर सबसे बड़ा मसखरा बताया हैं। नेहा ने टीवी सेट पर होने वाले कुछ वाकया शेयर करते हुए बताया कि बाल कलाकार आयुध भानुशाली अपनी शरारतों और मजाकिया चुटकुलों से उनका मनोरंजन करने का कोई मौका नहीं चूकते। अभिनेत्री ने कहा कि जहां मैं शूटिंग के दौरान शांत रहना पसंद करती हूं, वहीं वह हमेशा हाई गियर में रहते हैं और ब्रेक के बीच बिना रुके बात करते रहते हैं। उन्होंने कहा, मनोरंजक वॉयसओवर में आयुध मुझे खुश करने में कभी असफल नहीं होता। भावनात्मक दृश्यों के दौरान भी वह चुटकुलों से मूड को हल्का कर देते हैं।

उन्होंने आगे बताया कि आपके जीवन में किसी ऐसे व्यक्ति का होना जरुरी है, जो आपको किसी भी स्थिति में हंसा सके और आयुध मेरे लिए वही है। बता दें कि नेहा जोशी टेलीविजन शो दूसरी मां में यशोदा का किरदार निभा रही है।

हर हिट फिल्म के लिए कार्तिक को मिलती है कार

- कियारा आडवाणी ने किया बड़ा खुलासा!

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने खुलासा किया कि फिल्म सत्य प्रेम की कथा के निमार्ता कार्तिक आर्यन को बॉक्स ऑफिस पर हर हिट के लिए एक नई कार उपहार में देते हैं और उनका रिएक्शन आपको हंसा-हंसा कर लोटपोट कर देगी। एक इंटरव्यू में, कियारा आडवाणी ने कार्तिक की टी-शर्ट की ओर इशारा किया, जिस पर एक कार छपी थी और कहा, यह एक संकेत है। क्योंकि आप सही जानते हैं, जब भी कार्तिक की फिल्म ब्लॉकबस्टर होती है, तो उनके निमार्ता उन्हें एक कार उपहार में देते हैं। इस पर कार्तिक आर्यन ने मजेदार जवाब देते हुए कहा, इसलिए मेरा नाम कार-टिक है।कार्तिक आर्यन ने आगे खुलासा किया कि भूषण कुमार ने उन्हें भूल भुलैया 2 की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद एक कार गिफ्ट में दी थी और अपनी टी-शर्ट पर कार प्रिंट की ओर इशारा करते हुए कहा, मुझे उम्मीद है कि सत्य प्रेम की कथा की सफलता के बाद मुझे यह कार मिलेगी। आपको बता दें कि भूल भुलैया 2 के ब्लॉकबस्टर बनने के बाद, कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम पर भूषण कुमार ने उपहार में दी गई अपनी नई कार की तस्वीरें प्रशंसा के प्रतीक के रूप में साझा कीं। भूषण ने उन्हें मैकलेरन जीटी तोहफे में दी, जिसकी कीमत 4.7 करोड़ रुपये है। तस्वीर शेयर करते हुए एक्टर ने लिखा, चाइनीज खाने के लिए नई टेबल गिफ्ट मिल गई मेहनत का फल मीठा होता है सुना था..इतना बड़ा होगा नहीं पता था भारत का पहला मैकलेरन जीटी अगला गिफ्ट प्राइवेट जेट सर, आभार।समीर विदवान्स की निर्देशित, सत्यप्रेम की कथा में कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी के साथ-साथ सुप्रिया पाठक, गजराज राव और रितु शिवपुरी भी शामिल हैं। फिल्म 29 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। बता दें कि कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की ब्लॉकबस्टर जोड़ी अपनी फिल्म सत्य प्रेम की कथा के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने और उनका दिल जीतने में कामयाब रही है। फिल्म को सिनेमाघरों और सोशल मीडिया पर पॉजिटिव एक्शन मिल रहे हैं। लोग कियारा और कार्तिक की केमिस्ट्री तारीफ कर रहे हैं।

अनन्या का अभी शादी को लेकर कोई प्लान नहीं

-डेटिंग की अफवाहों के बीच एक्ट्रेस ने किया यह खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अपनी शादी को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। अनन्या ने अपनी शादी की प्लानिंग शेयर की है और इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने अपनी डाइट प्लानिंग भी शेयर की है। एक इंटरव्यू में अनन्या पांडे ने अपनी शादी के प्लान के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि वह शादी करने के लिए अभी बहुत छोटी हैं। साथ ही अनन्या ने बताया कि उनका अभी शादी को लेकर कोई प्लान नहीं है। अपनी फिटनेस के बारे में बताते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हे वर्कआउट करना बिल्कुल पसंद नहीं है इसलिए वह वजन कम करने के लिए कम खाती हैं। हालांकि अपने फैंस और फॉलोअर्स की चिंता होने पर अनन्या ने कहा कि कम खाना हेल्थ के लिए अच्छा नहीं होता है। इंसान को दिल खोलकर खाना चाहिए और वो वर्कआउट करना चाहिए जो उन्हें बेहद पसंद हो। बता दें कि इन दिनों अनन्या पांडे अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। खबरों कि माने तो कहा जा रहा है कि अनन्या और आदित्य रॉय कपूर एक दूसरे को डेट कर रहें हैं। दोनों को कई बार एक साथ देखा गया है जिसके बाद से दोनों के रिलेशनशिप की खबरें आने लगी थीं। हालांकि अभी तक दोनों में से किसी ने भी डेटिंग की खबरों पर चुप्पी नहीं तोड़ी है। अब इसी के चलते अनन्या ने कुछ ऐसा बोल दिया है जिसे सुनकर कपल के फैंस बेहद खुश हैं।

डोजा कैट ने शेयर किया अपने टैटू की तस्वीरें

हाल ही में रैपर डोजा कैट ने अपने पीठ और हाथ पर बनाए टैटू की तस्वीरें पोस्ट की। रैपर ने टैटू वाली तस्वीर को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। रैपर डोजा कैट ने अपने इंस्टाग्राम पर दो टॉपलेस तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उनकी पीठ के निचले हिस्से पर बना मकड़ी का टैटू दिख रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि डोजा कैट का टैटू ऐसा लग रहा है जैसे कोई कीट जाल बुन रहा हो। पोस्ट की गई फोटो में डोजा कैट ने अपने दाहिने हाथ की एक तस्वीर भी शेयर की है, जिसमें आईबॉल जैसा कुछ देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन के साथ नई शुरूआत होगी। डोजा कैट जिस नई शुरूआत की उम्मीद कर रही हैं वह उनके नए दौरे की शुरूआत हो सकती है। पिछले हफ्ते उन्होंने द स्कार्लेट टूर की घोषणा की, जो 2019 के बाद उनका पहला प्रमुख दौरा होगा। स्कार्लेट टूर हैलोवीन पर सैन फ्रांसिस्को में शुरू होता है। आइस स्पाइस और डोएची अटेंशन परफॉर्मर में शामिल होने के लिए तैयार हैं।

अक्षरा सिंह और राहुल शर्मा की फिल्म 'डार्लिंग' 7 जुलाई को रिलीज होगी

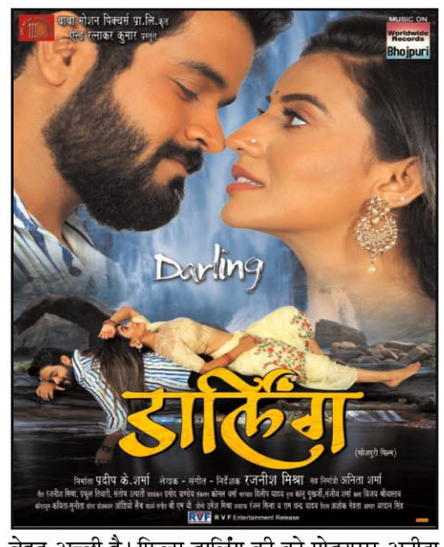

फिल्म डार्लिंग के रिलीज डेट की घोषणा होने के साथ ही अब दर्शकों का इंतजार खत्म होने वाला है। फिल्म रिलीज करने के लिए तैयारियां जोर-शोर पर है। इस बारे में फिल्म के निमार्ता प्रदीप के शर्मा ने बताया कि डार्लिंग को लेकर दर्शकों में काफी उत्सुकता है, तो अब उन्हें इंतजार नहीं करवाएंगे। फिल्म बन कर रिलीज को तैयार है और फिल्म का ट्रेलर भी आउट हो चुका है। अब हम फिल्म को इसी महीने यानि 7 जुलाई को रिलीज करेंगे। उन्होंने कहा कि फिल्म का निर्माण भव्यता के साथ हुआ हैं, तो रिलीज भी भव्यता के साथ होगी। यह फिल्म भोजपुरी सिने प्रेमियों को मनोरंजन का एक नया नजरिया देगी। फिल्म के कई हाई लाइट हैं, जिनमें बॉलीवुड एक्टर राहुल शर्मा की भोजपुरी परदे पर एंट्री, अक्षरा सिंह का पहली बार निर्देशक रजनीश मिश्रा की फिल्म में काम करना, मशहूर फिल्म मेकर रत्नाकर कुमार द्वारा फिल्म की प्रस्तुति, यूथ बेस्ड कथानक व और भी कई चीजें हैं, जो फिल्म को रूटीन फिल्मों से अलग बनाती हैं। एक बार फिर से इस फिल्म के जरिए रजनीश मिश्रा बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाते नजर आएंगे। फिल्म डार्लिंग को एक ऐसे नौजवान की कहानी है, जो दीवानगी की हदें क्रॉस कर देता है। यह फिल्म सबों खास कर युवाओं को बेहद पसंद आने वाली है, इसलिए इसे जरूर सिनेमाघरों में जाकर देखें। फिल्म बेहद अच्छी है। फिल्म डार्लिंग की को प्रोड्यूसर अनीता शर्मा है। फिल्म में अक्षरा सिंह और राहुल शर्मा के साथ शुरूश्ती पाठक, अमित शुक्ला, संजय महानंद और सुजान सिंह मुख्य भूमिका में हैं।

द नाइट मैनेजर 2 एक दिन पहले रिलीज

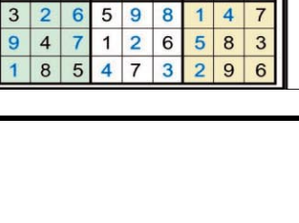

क्राइम थ्रिलर सीरीज द नाइट मैनेजर के दूसरे पार्ट को तय तारीख से पहले ही रिलीज कर दिया गया। सीरीज में अनिल कपूर, आदित्य रॉय कपूर, शोभिता धूलिपाला और तिलोत्तमा शोम अहम भूमिकाओं में हैं। हथियार डीलर की भूमिका निभाने वाले अनिल कपूर ने शो के निमार्ता संदीप मोदी की सराहना करते हुए कहा कि वह उन पर इतना भरोसा करते हैं कि उन्हें कभी भी उनके शॉट्स को चेक करने की जरुरत महसूस नहीं होती। सीजन की रिलीज से पहले, कपूर ने शो के हालिया प्रेस कॉन में बात की और कहाः जब संदीप ने एक शॉट ओके किया, तो मुझे कभी भी जाकर उसे चेक करने की जरूरत महसूस नहीं हुई। मुझे उनकी क्रिएटिव इंस्टिंक्ट पर भरोसा है। मैंने 99 प्रतिशत शॉट्स नहीं देखे हैं। संदीप मोदी ने सफल वेब सीरीज आर्या और मराठी फिल्म चुंबक का भी निर्देशन किया है। द नाइट मैनेजर इसी नाम की ब्रिटिश सीरीज पर आधारित है, जो जॉन ले कैर के इसी नाम के नोवेल से ली गई है।

सूडोकु नवताल- 6481

मध्यम

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6480 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

शब्दजाल - 7228

अ	द्वा	रि	का	ग	द	रि	सि	या	र	क	
दा	वि	ल	मा	व	जी	ब	द्री	ना	थ	ली	
गि	स	शे	ख्या	बा	छ	ची	ता	रा	क	क	
उ	ज्जै	न	दो	पु	ज	न	ह	न	त	क	
क	खु	मा	ता	वै	ष्णो	दे	वी	ग	व	क	
जी	द	रा	प	य	ख	पू	शि	हि	र	ह	
ती	लो	म	मे	या	प	र	र	र	र	रि	
क	र्ज	ल्जा	इ	श्व	ब	क	डी	लो	श	द्वा	
ने	बा	म	न्न	ब	र	त्या	री	श	प	र	
ति	रु	प	ति	व	जी	म	थु	रा	हा	त	
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	गा	य	द	प	थ	

शब्द जाल में 10 तीर्थ स्थलों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

हरिद्वार, बद्रीनाथ, मथुरा, रामेश्वरम, माता वैष्णोदेवी, शिरडी, उज्जैन तिरुपति, द्वारिका, कामाख्या

शब्दजाल - 7227 का हल

श	रा	कै	फी	आ	ज	मी	ट	झ	क	न	
नौ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	र	
शा	र	श	बा	ना	आ	ज	मी	अ	ल	गि	
द	म	दा	च	ल	क	ड़	हा	मि	र	स	
व	क	र	ष	अ	मि	री	चि	ता	र	ट	
ह	ह	मा	व	दा	भि	ला	ती	भ	न	ती	
ट	ट	बु	ल	र	म	जी	ह	ब	ह	क	
बा	जी	वा	ला	अ	छ	स	त	च्च	जू	ट	
स	थो	शे	व	ह	म	दा	ने	न	र	द	
र	ल	लें	ति	रं	ट	रो	बें	न	रु	थो	
र	वीं	द्र	जै	न	ख	वौ	ही	स	मी	र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6181

5	3	2		1	6	
	27		24		33	
	5	3		7	1	
1	30	6	37	3	34	5
7	1				2	4
	38		40		26	
	7	4		5	2	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6180 का हल

2	3	5	4	1	6	7
1	30	6	34	2	31	3
5	1	7	3	6	2	4
6	30	1	33	3	34	5
3	5	2	4	7	1	6
7	35	4	35	4	28	2
4	7	3	6	5	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

पहली बार विंबलडन जीतना चाहेंगी नंबर एक स्वियातेक, रिकॉर्ड 24वें ग्रैंड स्लैम के लिए उतरेंगे जोकोविच

लंदन।

पोलैंड की महिला टेनिस खिलाड़ी विश्व नंबर एक इगा स्वियोतक पहली बार विंबलडन का खिताब जीतना चाहेंगी। वह इस टूर्नामेंट पिछली बार 2021 में खेली थी और चौथे दौर तक पहुंची थी। वह उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। वह सोमवार को अपने पहले दौर के मुकाबले में चीन की झू लिन के खिलाफ उतरेंगी। सर्बिया के नोवाक जोकोविच 24वें ग्रैंड स्लैम के लिए उतरेंगे। वह अगर इस बार चैंपियन बन जाते हैं तो सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने के मामले में ऑस्ट्रेलिया की मारग्रेट कोर्ट की बराबरी कर लेंगे। पुरुषों में जोकोविच सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी पहले ही बन चुके हैं। जोकोविच की बात करें तो वह आठवीं बार विंबलडन जीतने उतरेंगे। उन्होंने यहां पिछले चार सीजन में लगातार जीत हासिल की है। वह अगर इस बार चैंपियन बन जाते हैं लगातार पांच बार विंबलडन जीतने वाले तीसरे खिलाड़ी बन जाएंगे। स्वीडन के ब्योन बोर्ग 1976 से 1980 तक लगातार पांच बार चैंपियन बने थे। वहीं, स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर 2003 से 2007 तक चैंपियन बने थे। जोकोविच का पहले राउंड में विश्व की 67वीं रैंकिंग वाले अर्जेंटीना के पैड्रो कैचिन के खिलाफ उतरेंगे। जोकोविच इस साल ऑस्ट्रेलियन और फ्रेंच ओपन पहले ही जीत चुके हैं।

वीनस विलियम्स के सामने स्वितोलिना की चुनौती – 43 साल की अमेरिकी खिलाड़ी वीनस विलियम्स भी इस टूर्नामेंट में खेलती नजर आएंगी और सोमवार को उनका पहले दौर में सामना एलिना स्वितोलिना से होगा। वीनस चोट के बाद वापसी कर रही हैं। उन्होंने अपने करियर में सबसे ज्यादा बार ग्रैंडस्लैम में एकल का खिताब विंबलडन के रूप में ही जीते हैं। वह पांच बार विंबलडन की एकल ट्रॉफी जीती है। वीनस विलियम्स ने कहा- चोट के बाद वापसी करना आसाना नहीं होता। रिहैब में काफी परेशानी होती है। मैंने पिछले कुछ साल में ज्यादा मुकाबले नहीं खेले हैं इसलिए मैं विंबलडन में खेलना चाहती हूं।

जेरेमी चार्डी से भिड़ेंगे नंबर एक अल्काराज – विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने विंबलडन का खिताब जीतने के लिए अच्छा अभ्यास किया है और उन्होंने इस टूर्नामेंट से पहले पिछले सप्ताह क्वींस क्लब की विजेता ट्रॉफी भी जीती थी। अब उनकी भिड़ंत विंबलडन के पहले दौर के मुकाबले में फ्रांस के अनुभवी खिलाड़ी जेरेमी चार्डी से होगी। ब्रिटेन के एंडी मरे का सामना पहले दौर में हमवतन रियान पेनिस्टन से होगा और उनकी दूसरे दौर में भिड़ंत पांचवें वरीय स्टेफानोस सितसिपास से हो सकती है।

न्यूज ब्रीफ

क्रिकेटर उमेश यादव ने महाकाल के दर्शन किए: पत्नी समेत की भस्म आरती, नंदी हॉल में मंत्रों का जाप किया; ट्विटर पर शेयर कीं तस्वीर

उज्जैन। इंडियन क्रिकेट टीम के फास्ट बॉलर उमेश यादव सोमवार को गुरु पूर्णिमा के मौके पर उज्जैन पहुंचे। उनकी पत्नी तान्या भी साथ थीं। यहां दंपती ने तड़के 4 बजे महाकालेश्वर मंदिर में होने वाली भस्म आरती में हिस्सा लिया। उन्होंने भगवान महाकाल का जल से अभिषेक कर आशीर्वाद लिया। भस्म आरती के दौरान उमेश धोती सोला पहने नजर आए। यादव दंपती ने नंदी हॉल में बैठकर मंत्रों का जाप भी किया। उमेश ने अपने ट्विटर अकाउंट पर ज्योतिर्लिंग दर्शन की तस्वीरें साझा की हैं। उन्होंने शिव मंत्र भी पोस्ट किया है। वे पहले भी महाकाल के दर्शन करने आ चुके हैं। उत्तर प्रदेश का रहने वाला परिवार पिता की नौकरी के कारण नागपुर आया टीम इंडिया के स्टार बॉलर उमेश यादव बेहद गरीबी के बीच साधारण परिवेश में पले-बढ़े। उनका जन्म वेस्टर्न कोलफील्ड्स में काम करने वाले तिलक यादव के घर 25 अक्टूबर 1987 को हुआ था। उनके दो बेटियां और एक बेटा पहले से थे। उमेश के पिता तिलक मूल रूप से उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के छोटे से गांव के रहने वाले हैं। वे कोयला खदान में नौकरी के कारण नागपुर के पास खापरखेड़ा गांव में रहने लगे। उमेश का क्रिकेट करियर चमकने से पहले तक उनके पिता की दिली तमन्ना थी कि वे पुलिस में भर्ती हो जाएं, उनकी सरकारी नौकरी लग जाए। पिता के कहने पर उमेश भी इसकी तैयारी कर रहे थे लेकिन किस्मत साथ आखिरकार टेनिस बॉल से क्रिकेट खेलने के शौकीन उमेश ने पिता से कह दिया था- या तो आप मेरे खेल से आबाद हो जाओगे या फिर...। 2008 में पहली बार उमेश को रणजी ट्रॉफी में खेलने का मौका मिला। मैच की पहली इनिंग में उन्होंने 75 रन देकर चार विकेट लिए। इसी परफॉर्मेंस के दम पर दलीप ट्रॉफी में मौका मिला और फिर 2010 में आईपीएल में दिल्ली डेयरडेविल्स की टीम ने उनके लिए बोली लगाई।

अगले माह विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेंगे नीरज

नई दिल्ली। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अब बुडापेस्ट में 19 अगस्त से होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भाग लेंगे। नीरज डायमंड लीग के लुसाने चरण में शीर्ष पर रहे हैं। अब वह सीधे विश्व चैम्पियनशिप में ही नजर आयेंगे। चोपड़ा इस बीच किसी और प्रतियोगिता में भाग नहीं लेंगे। चोट के कारण करीब एक महीने तक खेल से दूर रहे चोपड़ा ने डायमंड लीग के लुसाने चरण में 87.66 मीटर तक भाला फेंककर लगातार दूसरी बार शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने मौजूदा सत्र में पांच मई को दोहा में हुए शुरुआती डायमंड लीग में भी शीर्ष स्थान हासिल किया था। लुसाने में जीत दर्ज करने के बाद चोपड़ा ने कहा कि मेरे लिए बुडापेस्ट में होने वाली अगली प्रतियोगिता काफी अहम होगी।

पहले की तरह रोमांचक नहीं रहे भारत-पाक मुकाबले : गांगुली

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुकाबले अब पहले की तरह रोमांचक नहीं रहे हैं बल्कि नीरस हो गये हैं। गांगुली ने कहा कि पिछले कुछ साल में देखने में आया है कि ये मैच भी एकतरफा हो गये हैं। इसका कारण है कि भारतीय टीम ने कई अवसरों पर आसान जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा, इस बार भी विश्वकप में भारत और पाक के मैच को लेकर काफी हाइप है पर अब इसमें पहले जैसी बात नहीं रही क्योंकि भारतीय टीम एकतरफा जीत दर्ज कर रही है। दुबई में टी20 वर्ल्ड कप में ही पाक को पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ जीत मिली थी। भारत ने उस टूर्नामेंट में अच्छा नहीं खेला था पर मेरे अनुसार विश्व कप में भारत और ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला अधिक रोमांचक होता है। गांगुली ने मान कि इस बार कप्तान बाबर आजम की पाक टीम सपाट विकेटों पर खेलते समय खतरनाक साबित हो सकती है। उन्होंने कहा, यह पाकिस्तान टीम भी अच्छी है और मैच भी अच्छा होगा। पाकिस्तान सपाट विकेटों पर एक अच्छी टीम बन जाती है क्योंकि उनके बल्लेबाज उन हालातों का अच्छी तरह से उपयोग करते हैं।

विवादों भरा ऐशेज का दूसरा टेस्ट

स्टार्क के कैच, बेयरस्टो के रनआउट पर सवाल, एमसीसी मेंबर से भिड़े ख्वाजा; फील्ड में घुसे प्रदर्शनकारी

लंदन।

द ऐशेज सीरीज का दूसरा टेस्ट लॉर्ड्स में खेला गया। बेन स्टोक्स की 155 रनों की पारी के बावजूद इंग्लैंड हार गई। 5 टेस्ट मैचों की ऐशेज सीरीज में अब इंग्लैंड की टीम 2-0 से पीछे हो गई है। यह टेस्ट मैच स्टोक्स की पारी के साथ 4 विवादों के लिए भी जाना जाएगा। मिशेल स्टार्क का विवादित कैच और जॉनी बेयरस्टो का रनआउट सबसे ज्यादा चर्चा में रहे। इसके अलावा क्रिकेट के नियम-कानून बनाने वाली संस्था मेरिलबोन क्रिकेट क्लब के मेंबर की उस्मान ख्वाजा पर टिप्पणी विवादों में रही। टेस्ट के दौरान प्रदर्शनकारी भी मैदान में घुसे, जिन्हें इंग्लिश खिलाड़ियों ने कंधे पर टांगकर बाहर निकाला। 5वें दिन पहले सत्र के बाद सभी खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम की ओर लौट रहे थे। तभी ख्वाजा लॉर्ड्स स्टेडियम में बने लॉन्ग रूम में एमसीसी के सदस्यों से भिड़ गए। बहस बढ़ने पर सुरक्षाकर्मी ने ख्वाजा और मेंबर्स को अलग किया। एमसीसी ने एक सोशल पोस्ट के जरिए ऑस्ट्रेलियाई टीम से माफी मांगी। एमसीसी ने पोस्ट में लिखा, वर्ल्ड क्रिकेट में लॉन्ग रूम यूनीक है और वहां से पवेलियन तक जाना खिलाड़ियों का अधिकार है। सुबह के खेल के बाद सभी के इमोशंस हाई थे, आवेश में आकर हमारे कुछ सदस्यों ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों से बहस की। हम ऑस्ट्रेलियाई टीम से इस व्यवहार के लिए माफी मांगते हैं। जिन सदस्यों ने अनुशासनहीनता की, उन पर एक्शन लिया जाएगा।

दूसरा विवादः बेयरस्टो के रन आउट पर बवाल

5वें दिन इंग्लिश टीम 371 रन का टारगेट चेज कर रही थी। कप्तान बेन स्टोक्स ने बेन डकेट के साथ 132 रन की साझेदारी की। डकेट के आउट होने के बाद विकेटकीपर जॉनी बेयरस्टो और स्टोक्स ने साझेदारी शुरू की, लेकिन 52वें ओवर की आखिरी गेंद पर बेयरस्टो रनआउट हो गए। उनके रनआउट पर विवाद खड़ा हो गया। बेयरस्टो ओवर की आखिरी गेंद को छोड़ने के बाद स्टोक्स से बात करने के लिए क्रीज से बाहर निकल गए। उन्हें क्रीज से बाहर देख ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने बॉल को थ्रो किया और गिल्लियां बिखेर दीं। बेयरस्टो विकेटकीपर, फील्डर या अंपायर को बता कर क्रीज से बाहर नहीं निकले थे। इसीलिए गेंद डेड नहीं हुई और ऑस्ट्रेलिया की अपील के बाद थर्ड अंपायर ने भी बेयरस्टो को आउट करार दे दिया। नियम के अनुसार, बेयरस्टो आउट थे, लेकिन यहां खेल भावना का मुद्दा खड़ा हो गया। दरअसल, बेयरस्टो रन लेने के लिए क्रीज से बाहर नहीं निकले थे, वह तो ओवर खत्म होने के बाद अपने साथी से चर्चा करने के लिए जा रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर ने इसी बात का फायदा उठाया और डायरेक्ट थ्रो मार दिया। बेयरस्टो 10 रन बनाकर आउट हो गए। नियमों के अनुसार, बेयरस्टो आउट थे, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर के थ्रो को स्टेडियम में बैठे इंग्लिश फैंस ने पंसद नहीं किया। फैंस ने फिर पूरे मैच के दौरान चीटर्स..चीटर्स... कहकर ऑस्ट्रेलिया टीम की हूटिंग की। बेयरस्टो के विकेट के बाद उनके साथ रहे बेन स्टोक्स ने अपना रुख बदला और खुलकर शॉट्स लगाने शुरू कर दिए। उन्होंने कैमरन ग्रीन के एक ओवर में 3 लगातार छक्के लगाए और अपना शतक पूरा किया। उन्होंने गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप भी की, लेकिन अपनी टीम को जीत दिलाने से पहले विकेट गंवा बैठे। उन्होंने 155 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया 43 रन से मुकाबला हार गई।

तीसरा विवादः स्टार्क ने डकेट का कैच पकड़ा, बॉल जमीन से टकराई...फैसला नॉटआउट

चौथ दिन का खेल खत्म होने में 2 ओवर बचे थे। इंग्लिश ओपनर बेन डकेट (50 रन) को कैमरन ग्रीन ने 29वें ओवर की 5वीं गेंद बाउंसर फेंकी। डकेट ने अपर कट खेला, लेकिन बॉल बैट के बॉटम हिस्से पर लगकर फाइन लेग की ओर चली गई। जहां स्टार्क ने कैच पकड़ लिया। थर्ड अंपायर ने नो-बॉल चेक की और डकेट पवेलियन लौटने लगे। तभी फील्ड अंपायर ने बैटर को रोक लिया और थर्ड अंपायर के फैसले का इंतजार करने को कहा। थर्ड अंपायर ने रिप्ले में देखा कि कैच पकड़ने के बाद स्टार्क का हाथ जमीन से टकराया। गेंद का एक हिस्सा पूरी तरह जमीन पर और दूसरा हिस्सा फील्डर के हाथ में था। थर्ड अंपायर ने अपने फैसला दिया और बैटर नॉटआउट रहे। थर्ड अंपायर के फैसले पर बहस करते नजर आए कमिंस थर्ड अंपायर मरे इरासमस के फैसले से ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर्स निराश नजर आए। उनके कप्तान पैट कमिंस इस बारे में फील्ड अंपायर से बहस करते भी दिखे, लेकिन थर्ड अंपायर का फैसला कायम रहा। अगर डकेट आउट हो जाते तो स्टंप्स पर ही इंग्लैंड का स्कोर 113 रन पर 5 विकेट हो जाता। एमसीसी ने बताया- क्यों फैसला सही था क्रिकेट के नियम बनाने वाली संस्था मेरिलबोन क्रिकेट क्लब ने सोशल मीडिया हैंडल पर अंपायर के फैसले का समर्थन किया। एमसीसी ने बताया, नियम 33.3 के अनुसार, कैच तभी क्लीन माना जाएगा, जब गेंद पर फील्डर का पूरा कंट्रोल हो।

चंडीगढ़ के वेटलिफ्टर का इंडियन टीम में चयन

कॉमनवेल्थ और एशियन चैंपियनशिप में दमखम दिखाएंगे परमवीर; पिता-भाई भी एथलीट

चंडीगढ़।

चंडीगढ़ के वेटलिफ्टर परमवीर सिंह ने एनआईएस पटियाला में हुए नेशनल ट्रायल में रिकॉर्ड परफॉर्मेंस देकर भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली है। परमवीर पहले कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में खेलेंगे और फिर एशियन चैंपियनशिप में भी नेशनल टीम का हिस्सा बनेंगे। गौरतलब है कि यह पहला मौका है, जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चंडीगढ़ का कोई वेटलिफ्टर नेशनल टीम का हिस्सा बनेगा। ट्रायल के दौरान परमवीर ने 177 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क में लिफ्ट करते हुए अपना ही पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जिसमें नेशनल गेम और खेलो इंडिया गेम में 176 किलो लिफ्ट करते हुए उनका नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज हुआ था। इस मौके पर चंडीगढ़ के डायरेक्टर स्पोर्ट्स सौरभ अरोड़ा व जॉइंट डायरेक्टर सुनील रेयात लगातार परमवीर की हौसला अफजाई करते रहे हैं।

नेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में जीते थे 2 गोल्ड

गौरतलब है कि परमवीर ने कुछ महीने पहले नेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में जूनियर और सब जूनियर कैटेगरी में 2 गोल्ड जीते व 4 नए रिकॉर्ड बनाए थे। उसी तर्ज पर अब एक बार फिर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ कर भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली है। कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग नोएडा में गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में 11 से 17 जुलाई तक होगी। एशियन चैंपियनशिप इसी जगह 28 जुलाई से 5 अगस्त तक होगी। 16 वर्षीय परमवीर चंडीगढ़ से पहली बार किसी इंटरनेशनल इवेंट का हिस्सा बनेंगे। सेक्टर 42 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के ट्रेनी रहे अब यूथ जूनियर इवेंट में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उतरेंगे।

10 साल की उम्र में की थी वेटलिफ्टिंग की शुरुआत

परमवीर के कोच करणवीर सिंह बुट्टर ने कहा कि 10 साल की उम्र में परमवीर ने वेटलिफ्टिंग की शुरुआत की थी। वह सेक्टर 42 में ट्रेनिंग ले रहे थे। उनके पिता व भाई दोनों ही वेटलिफ्टर हैं। उन्हीं से प्रेरणा लेकर उन्होंने भी वेटलिफ्टिंग शुरू की थी। 2022 भुवनेश्वर नेशनल में वे पहली बार खेले थे और गोल्ड मेडल जीता था। पंचकूला खेलो गेम्स में भी ब्रॉन्ज मेडल के बाद तमिलनाडु नेशनल में उन्होंने इकट्ठे दो गोल्ड लिए थे। इसके बाद मध्य प्रदेश में हुए खेलो इंडिया गेम्स में भी चंडीगढ़ के लिए गोल्ड मेडल जीता था। परमवीर ने नेशनल ट्रायल में कुल 319 किलोग्राम वजन उठाया था।

एशियाई खेलों की आधी पुरुष जूडो टीम डोप में फंसी, भोपाल राष्ट्रीय शिविर में सामने आया बड़ा स्कैंडल

नई दिल्ली।

एशियाई खेलों से पहले बड़ा डोप स्कैंडल सामने आया है। हांगझोऊ एशियाई खेलों के लिए चयनित आधी पुरुष जूडो टीम डोप में फंस गई है। नाडा की सैंपलिंग में कुल पांच जुडोका पॉजिटिव पाए गए हैं। यह टीम भोपाल में एशियाई खेलों की तैयारियां कर रही थी। डोप पॉजिटिव एक जुडोका ने भोपाल राष्ट्रीय शिविर में उनके खिलाफ साजिश रचने का आरोप मढ़ा है। इस जुडोका ने डोप में फंसने से पहले अपने विभाग को शिकायत में लिखा था कि उनके खिलाफ शिविर में शामिल एक व्यक्ति उन्हें लगातार धमका रहा है।

तीन शिविर में दो ट्रायल में फंसे

एशियाई खेलों के लिए जूडो टीम का चयन चार अप्रैल को ट्रायल के जरिए दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में हुआ था। यहां भी डोप सैंपल हुए थे। इसके बाद 20 मई से भोपाल में टीम का शिविर लगाया गया। यहां 27 मई को नाडा ने फिर डोप सैंपल लिए। टीम में चयनित एशियाई चैंपियनशिप के पदक विजेता मोहसिन गुलाब अली (60), जकार्ता एशियाई खेलों में खेलने वाले हर्षदीप बराड़ (81), स्टैंड बाई राहुल सेवता (81) भोपाल में लिए गए सैंपल में पॉजिटिव पाए गए, जबकि टीम में शामिल एक अन्य जुडोका और स्टैंड बाई में शामिल अक्षय (66) ट्रायल में पॉजिटिव पाए गए।

पांचों पर लगा अस्थाई प्रतिबंध

भोपाल शिविर में लिए गए सैंपल में फंसे गुलाब अली और हर्षदीप बराड़ के सैंपल में एक ही साल्ट एसएआरएम, ओस्टारिन निकला है। राहुल के सैंपल में ओक्जेंड्रोलॉन और स्टेनोजोलॉल, जबकि अक्षय के सैंपल में मेटेंडिनॉन निकला है। पांचों जुडोकाओं को अस्थाई रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया है। नाडा के समक्ष अगर इन पांचों ने अपनी बेगुनाही साबित नहीं की तो इन पर अधिकतम चार साल का प्रतिबंध लग सकता है। हर्षदीप बीते वर्ष स्पेन में भी विवादों में आए थे। उन पर वहां की एक महिला ने उत्पीडन् के आरोप लगाए थे।

जुडोका ने कहा शिविर में रची गई साजिश

गुलाब का कहना है कि उनका भोपाल से पहले एक और सैंपल लिया गया था, लेकिन वह इसमें निगेटिव निकले हैं। उनका टीम के ही एक व्यक्ति के साथ विवाद चल रहा था। उन्हें धमकियां भी मिली थीं, जिसकी उन्होंने अपने विभाग को शिकायत भी की थी। उनके खिलाफ साजिश रची गई है, जिसे वह नाडा सुनवाई पैनल के समक्ष साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

श्रीलंका ने वर्ल्ड कप के लिए किया क्वालिफाई: जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हराया; 2 नवंबर को भारत से हो सकता है मुकाबला

बुलावायो।

1996 की वर्ल्ड चैंपियन श्रीलंका ने भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर लिया है। टीम ने सीडब्लूसी क्वालिफायर में होम टीम जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हराया। इस जीत के बाद श्रीलंकाई टीम सुपर-6 पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। टीम के खाते में 8 अंक हो गए। बुलावायो के क्रीज स्पोर्ट्स क्लब में सोमवार को श्रीलंका ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला लिया। मेजबान जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 165 रन बनाए। 166 रन का टारगेट श्रीलंका ने 33.1 ओवर में एक विकेट पर 169 रन बनाते हुए हासिल कर लिया।

लगातार चार जीत से श्रीलंका टॉप पर

वनडे वर्ल्ड कप क्वालिफायर के सुपर-6 राउंड में श्रीलंका ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की। टीम ने ग्रुप स्टेज में भी अपने सभी 4 मुकाबले जीते थे। रविवार को जीत के बाद श्रीलंकाई टीम 8 अंकों के साथ टेबल के टॉप पर पहुंच गई। टीम अगर सुपर-6 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना आखिरी मैच हार जाए, तब भी वे टॉप-2 में ही फिनिश करेंगे। वनडे वर्ल्ड कप में क्वालिफाई करने के लिए एक ही जगह बाकी है, इसके लिए 3 टीमें रेस में हैं। इनमें जिम्बाब्वे, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स शामिल हैं। वेस्टइंडीज और ओमान वर्ल्ड कप की रेस से बाहर हो चुके हैं। जिम्बाब्वे इस वक्त पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है। टीम के खाते में 6 पॉइंट्स हैं, जबकि स्कॉटलैंड 3 मैचों में 4 अंक लेकर तीसरे नंबर पर हैं। टीम को 2 मुकाबले और खेलने हैं।

वानखेड़े में 2 नवंबर को हो सकता है भारत से मुकाबला

वर्तमान स्थिति के अनुसार वर्ल्ड कप में श्रीलंकाई टीम का भारत से मुकाबला 2 नवंबर को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में हो सकता है। हालांकि, फाइनल शेड्यूल क्वालिफायर मुकाबले खत्म होने के बाद ही तय होगा।

महीश तीक्षणा ने झटके चार विकेट

इस जीत का सेहरा महीश तीक्षणा के सिर बंधा। उन्होंने 25 रन खर्च कर 4 विकेट हासिल किए। तीक्षणा के अलावा दिलशान मदुशंका ने तीन विकेट लिए। जिम्बाब्वे के कप्तान सीन विलियम्स ने 56 रन की अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि सिकंदर रजा ने 31 रन का योगदान दिया। शेष बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सके।

पथुम निसंका ने लगाया शतक

श्रीलंकाई ओपनर पथुम निसंका ने करियर का दूसरा वनडे शतक जमाया। उन्होंने 102 गेंद पर 99.02 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 101 रन बनाए। निसंका की पारी में 14 चौके शामिल रहे। उन्होंने चौका लगाकर ही अपनी सेंचुरी पूरी की और उसी चौके के साथ टीम को जीत भी दिलाई। निसंका के अलावा दिमुथ करुणारत्ने ने 30 और कुसल मेंडिस ने नाबाद 25 रन का योगदान दिया।

विकेटकीपर रिचा घोष इंडिया विमेंस टीम से बाहर

बांग्लादेश दौरे पर रेणुका सिंह और शिखा पांडे को भी मौका नहीं

नई दिल्ली।

भारत की महिला क्रिकेट टीम से विस्फोटक विकेटकीपर बैटर रिचा घोष को बाहर कर दिया गया है। उन्हें बांग्लादेश दौरे की टीम इंडिया में शामिल नहीं किया गया। उनकी जगह इमर्जिंग एशिया कप में इंडिया-ए टीम का हिस्सा रहीं उमा छेत्री को मौका मिला। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह और शिखा पांडे को भी टीम से बाहर किया गया। इंडिया विमेंस टीम का बांग्लादेश दौरा 9 जुलाई से शुरू होगा। टीम इंडिया यहां 3 टी-20 और 3 वनडे खेलेगी, दोनों ही फॉर्मेट में टीम की कप्तानी बैटर हरमनप्रीत कौर करेंगी।

रिचा का स्ट्राइक रेट 130 से ज्यादा

रिचा टी-20 और वनडे दोनों ही फॉर्मेट में बहुत तेज गति से रन बनाती हैं। उन्होंने भारत के लिए 35 टी-20 में 133.41 के स्ट्राइक रेट से 563 रन बनाए हैं। उन्होंने टीम इंडिया के लिए 17 वनडे भी खेले। इनमें उन्होंने 2 फिफ्टी लगाकर 311 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 84.97 और औसत 22.21 का रहा।

मिन्नु मणि को मौका मिला

टीम इंडिया ने बांग्लादेश में 6 मैच के लिए 18 प्लेयर्स का स्क्वॉड चुना। इनमें 3 अनकैप्ड खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया। रेणुका सिंह की जगह मिन्नु मणि को वनडे टीम में मौका मिला, मिन्नु पिछले दिनों विमेंस प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेली थीं। उनके अलावा 2 अनकैप्ड प्लेयर्स अनुषा बारेड्डी और राशि कन्नोजिया को भी मौका मिला।

मोनिका पटेल और प्रिया पूनिया की वापसी

2021 में भारत के लिए आखिरी बार वनडे खेलने वालीं मोनिका पटेल और प्रिया पूनिया की टीम में वापसी हुई। प्रिया पूनिया बांग्लादेश में सिर्फ वनडे खेलेंगी। टी-20 टीम में उनकी जगह सब्बिनेनी मेघना को शामिल किया, जिन्होंने पिछले डब्लूपीएल में गुजरात जायंट्स से अच्छा परफॉर्म किया था।

टी-20 वर्ल्ड कप में पूजा वस्त्राकर की रीप्लेसमेंट बनकर टीम इंडिया में शामिल हुईं स्नेह राणा को टी-20 टीम में जगह नहीं मिली। हालांकि, उन्हें वनडे टीम में मौका दिया गया है।

9 जुलाई से शुरू होगा दौरा

भारत का बांग्लादेश दौरा 9 जुलाई से शुरू होगा। टीम मीरपुर में पहले 3 टी-20 खेलेगी, फिर इसी वेन्यू पर 3 वनडे मैच भी होंगे। 3 टी-20 9, 11 और 13 जुलाई को होंगे, जबकि तीन वनडे 16, 19 और 22 जुलाई को खेले जाएंगे।

देखें बांग्लादेश दौरे पर भारत की महिला टीम...

टी-20 टीमः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप कप्तान), दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्ज, यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देओल, देविका वैद्य, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, सब्बिनेनी मेघना, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह, अंजलि सर्वनी, मोनिका पटेल, राशि कनोजिया, अनुषा बारेड्डी और मिन्नु मणि।

वनडे टीमः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप कप्तान), दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्ज, यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देओल, देविका वैद्य, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, प्रिया पूनिया, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह, अंजलि सर्वनी, मोनिका पटेल, राशि कनोजिया, अनुषा बारेड्डी और स्नेह राणा।

बच्चों में त्वचा संबंधी दिक्कतें

बच्चों की त्वचा इतनी नाजुक होती है कि हल्की-सी खरोंच या रैश उन्हें बहुतही परेशानी वाली स्थिति में डाल देती है। याद रखें कि नवजन्मे बच्चों में रैशेज का खतरा अधिक रहता है। ऐसे रैशेज में से अधिकतर नुकसानदायक नहीं होते और कुछेक दिनों के अंतराल पर चले जाते हैं, फिर भी बच्चों की त्वचा संबंधी कुछ समस्याएं हैं जिन पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

इस अपरिहार्य समस्या के कारण बच्चे को और माता-पिता को रात भर जागना पड़ सकता है। बच्चे के डाइपर वाले हिस्से की अक्सर जांच करते रहना पड़ती है। यदि वहां पर लाली महसूस हो तो तुरन्त डाइपर रैश क्रीम लगाएं और उस हिस्से को जितना संभव हो सके खुला और सूखा रखें। इस बात को तय करें कि डाइपर न तो बहुत ढीला हो और न ही इसे बच्चे को लंबे समय तक पहनाया जाए। जब जरूरत समझें तब इसे बदल दें।

मुहांसे: बच्चे के चेहरे पर दिखने वाले छोटे-छोटे मुहांसे एक बहुत ही आम समस्या है और ये कुछ ही दिनों में चले जाते हैं। इन पर कुछ भी लगाने से पूरी तरह परहेज करें।

बर्थ मार्क्स: बर्थ मार्क्स बच्चों में बहुत ही आम होते हैं। जब बच्चा पैदा होता है तब और जन्म के कुछ हफ्तों या महीनों तक ये निशान रह सकते हैं।

एग्जीमा: जिन बच्चों के परिवार में अस्थमा या एलर्जी की हिस्ट्री होती है, उनमें खुजली पैदा करनेवाली एग्जीमा की समस्या अधिक पाई जाती है। यह आम तौर पर चेहरे पर उभरती है परन्तु इसे अक्सर इसे कोहनियों, छाती या बांहों पर भी पैदा होते देखा जाता है। धीरे-धीरे यह सूखी और खुरदरी हो जाती है। इस किस्म के रैश आमतौर पर साबुनों, लोशनों या बच्चे के कपड़े धोने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डिटर्जेंट के एलर्जिक रिएक्शन के तौर पर भी बढ़ते हैं।

रूखी त्वचा

अधिकतर नवजन्मे बच्चे रूखी त्वचा के साथ पैदा होते हैं। उनके जन्म के कुछ दिनों बाद यह त्वचा खुद ही उतरने लगती है। यह आम तौर पर जल्दी ही रुक जाती है परन्तु इसके कारण यदि आपको चिंता हो तो किसी जच्चा-बच्चा विशेषज्ञ से अवश्य सलाह लें।

गुलाबी-लाल रंग वालधब्बे

ये हल्के गुलाबी-लाल रंग वाले धब्बे पसीने के कारण पैदा होते हैं और गर्दन, डाइपर वाले हिस्से तथा बगलों में दिखाई देते हैं। जितना संभव हो सके अपने बच्चे को कूल और सूखा रखें। उसे ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनाएं। बच्चे की त्वचा पर पाऊडर के अधिक उपयोग से बचें। बेबी पाऊडर के छोटे-छोटे दाने सांस के द्वारा बच्चे के अंदर जा सकते हैं, जिससे उन्हें असुखद महसूस हो सकता है। जब तक आपका बच्चा 4 से 6 महीने तक का न हो जाए तब तक उसके शरीर पर पाऊडर का इस्तेमाल करने से बचें।

मसल्स बनाने है तो ले संतुलित आहार

मांसपेशियों के सही ढंग से काम करने के लिए प्रोटीन, मिनरल्स विटामिन्स और कार्बोहाइड्रेट का बहुत महत्व होता है। इसलिए फिट रहने के लिए जिम करने वाले को न्यूट्रीशन्स से भरपूर डाइट लेनी चाहिए। मसल्स बनाने के लिए संतुलित भोजन की आवश्यकता होती है। इसके अलावा प्रोटीन शेक या सप्लीमेंट्स का सहारा न लें क्योंकि इसके अधिक नुकसान हैं।

तेज बुखार से कैसे पाएं राहत...

जब हमारे शरीर पर कोई बैक्टीरिया या वायरस हमला करता है तो शरीर खुद ही उसे मारने की कोशिश करता है। इसी मकसद से शरीर जब अपना तापमान सामान्य 98.3 डिग्री फॉरनहाइट से ज्यादा बढ़ाता है तो उसे बुखार कहा जाता है। हालांकि कई बार बुखार थकान या मौसम बदलने आदि की वजह से होता है। ऐसे में 100 डिग्री तक बुखार में किसी दवा आदि की जरूरत नहीं होती।

रेयर डिजीज से बचाएं बच्चों को...

दुर्लभ बीमारियों के शिकार अक्सर छोटे और कम उम्र के बच्चे होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के शरीर में किसी भी तरह की अजीब हरकत या असाधारण व्यवहार जैसे अगर बच्चे का विकास न हो रहा हो, वह ज्यादा चिड़चिड़ा रहने लगा हो, उसे दौरे आते हों, शरीर से अजीब-सी गंध आती हो, बालों के रंग में बदलाव होने लगे, देखने में परेशानी हो, उम्र के हिसाब से उसमे विकास दिखाई न दे तो फौरन डॉक्टर से संपर्क कर आवश्यक जांचें करा लेनी चाहिए। रेयर डिजीज यानी दुर्लभ बीमारियां उन्हें माना जाता है, जो कभी-कभार ही देखने को मिलती हैं, लेकिन बच्चों को लेकर हमाशा जागरूक रहने की जरूरत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार ऐसी बीमारियां 10 हजार में से छह लोगों में ही देखने को मिलती हैं। इनमें से ज्यादातर बीमारियां आनुवांशिक होती हैं। इनसे ग्रसित बच्चों में से 30 प्रतिशत बच्चे 5-7 वर्ष की उम्र से पहले ही मौत का शिकार हो जाते हैं। दुर्लभ बीमारियों से ग्रसित बच्चों का मानसिक व शारीरिक विकास प्रभावित होता है। एक ही परिवार में कई लोगों को एक जैसा विकार हो सकता है। इसलिए इन दुर्लभ बीमारियों को जन्म के शीघ्र बाद ही पहचान कर इलाज करा लेना चाहिए। फिलहाल इन बीमारियों के इलाज के लिए जीन थैरेपी, एंजाइम थैरपी व स्टेम सेल ट्रीटमेट पर शोध किया जा रहा है। कुछ दुर्लभ बीमारियां ऐसी भी हैं जो इन दिनों बहुत देखने में आ रही हैं।

ऑसिफिकेंस प्रोगरेसिवा

ऑसिफिकेंस प्रोगरेसिवा से ग्रस्त बच्चों में हड्डी वहां बनना शुरू हो जाती है, जहां सामान्यतया मांसपेशियां होती हैं। इसमें बच्चे के शरीर के विभिन्न हिस्सों में मांसपेशियों में गांठें दिखने लगती हैं और इसकी शुरुआत कभी-कभी छोटी चोट लगने के बाद होती है। ऐसे बच्चे 30 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते चलने-फिरने में असमर्थ हो जाते हैं और बार-बार निमोनिया से ग्रसित होते हैं। इसके उपचार के लिए प्रेडनिसोलोन दवा का प्रयोग किया जाता है और बच्चे को बार-बार चोट लगने से बचाना होता है।

एकोन्ड्रोप्लेसिया

एकोन्ड्रोप्लेसिया बीमारी एक दुर्लभ बीमारी है जो 25 हजार में से किसी एक बच्चे को होती है। ऐसे बच्चों की लंबाई बहुत कम रह जाती है। इन बच्चों का चेहरा बीच से छोटा व नाक चपटी होती है। इनकी रीढ़ की हड्डी ज्यादा झुकी हुई होती है। कान में बार-बार संक्रमण का खतरा रहता है और सिर में पानी भरने की आशंका भी रहती है। इसके इलाज के लिए जीन थैरपी व सीएनपी दवा का प्रयोग किया जा रहा है। हालांकि अभी तक इसमें सफलता नहीं मिली है।

ड्यूकन मसक्यूलर डिस्ट्रॉफी

ड्यूकन मसक्यूलर डिस्ट्रॉफी मांसपेशियों की बीमारी है जो सिर्फ लड़कों में ही दिखाई देती है। इस बीमारी में एक्स क्रोमोसोम में डिस्ट्रोफिन जीन विकार हो जाता है।

इस रोग के लक्षण बच्चों में 2-3 साल के बाद दिखने लगते हैं। सबसे पहले पैरों की मांसपेशियां कमजोर होती हैं फिर 10 वर्ष की उम्र तक बच्चा चलना-फिरना बंद कर देता है। ऐसे बच्चों का दिमागी व सामान्य विकास भी प्रभावित होता है। इसके लिए स्टेम सेल या जीन थैरेपी पर प्रयोग चल रहे हैं।

जन्मजात थायरॉइड की कमी

जन्मजात थायरॉइड की कमी थायरॉइड हार्मोन की कमी से होती है। इसके लक्षण हैं ज्यादा सोना, पीलिया, शरीर का तापमान कम होना और थकावट आदि। इसके इलाज के लिए थायरॉइड की दवाएं दी जाती हैं।

बायोटिनीडेज डेफीशियंसी

बायोटिनीडेज डेफीशियंसी यह रोग बायोटिन यानी विटामिन- बी7 की कमी के कारण होता है। इसमें व्यावहारिक व दिमागी क्षमता में कमी, दौरे आना, दस्त, त्वचा रोग, बार-बार संक्रमण, शारीरिक कमजोरी व बाल झड़ना यह लक्षण पाए जाते हैं। इसका इलाज है विटामिन- बी7 दवा।

आवश्यक जांचें कराएं

नवजात शिशुओं में दुर्लभ बीमारियों का समय रहते पता लगाने के लिए विशेष जांच प्रक्रियाएं हैं। प्रसव के बाद नवजात शिशु के शरीर से खून की कुछ बूंदे फिल्टर पेपर पर ले ली जाती हैं और कई बीमारियों के लिए टेस्ट किया जाता है। इसका प्रयोग कई दुर्लभ, आनुवांशिक एवं मेटाबॉलिक डिजीज का पता लगाने के लिए किया जाता है। सभी नवजात बच्चों में जन्मजात थायरॉइड की कमी, कन्जानाइटल एड्रिनल हाइपरप्लेसिया, जी-6 पीडी की कमी, ग्लेक्टोसीमिया और बायोटिनीडेज की कमी की जांचें करवा लेनी चाहिए। इन सबके अलावा बच्चों में कोई भी असाधारण लक्षण देखकर तुरंत डॉक्टर की मदद लें।

प्रुन बैली सिन्ड्रोम

प्रुन बैली सिन्ड्रोम 40 हजार में से एक बच्चे में देखने को मिलती है। यह बीमारी ज्यादातर लड़कों को होती है। इन बच्चों की मुख्य समस्या पेशाब के रास्ते में रूकावट से होती है। इनके पेट के ऊपर की मांसपेशियां पूर्णतया विकसित न होने से पेट आगे निकला होता है और इनके टेस्टीज भी पेट में होते हैं।

प्रोजिरिया

प्रोजिरिया में बचपन में ही बच्चा बूढ़ा दिखने लगता है। इस बीमारी की आशंका 80 लाख बच्चों में से किसी एक को होती है। यह बीमारी एलएमएनए जीन में बदलाव से होती है। जन्म के बाद इन बच्चों का वजन अपनी उम्र के अन्य बच्चों की तुलना में कम बढ़ता है और चमड़ी मोटी हो जाती है, बाल झड़ने लगते हैं, दिखना कम हो जाता है और चेहरे पर झुर्रियां पड़ जाती हैं।

त्वचा के नीचे वसा व मांसपेशियां कम हो जाती हैं। ये लक्षण 6-7 साल की उम्र तक दिखने लग जाते हैं।

इस रोग के उपचार के लिए मोरफालिनोस लोनाफार्निब, रेपामाइसिन, ग्रोथ हार्मोन आदि दवाओं का उपयोग किया जाता है लेकिन अभी इसके इलाज में पूर्णतया सफ लता नहीं मिल पाई है।

फिनाइल किटोन यूरिया

फिनाइल किटोन यूरिया एक आनुवांशिक बीमारी है। बच्चों में एंजाइम्स की कमी होने पर वह अमीनो एसिड पचा नहीं पाते और जब यह शरीर में एकत्र होता रहता है तो फिनाइल किटोन यूरिया की समस्या हो जाती है। इस बीमारी में नवजात जन्म के समय सामान्य होता है। अमीनो एसिड के जमा होने से धीरे-धीरे नवजात का विकास रूक जाता है, दिमागी कमजोरी आती है और पेशाब में गंध आने लगती है। यदि इस रोग का समय रहते पता चल जाए तो बच्चे का विकास सामान्य हो सकता है। इससे बचने के लिए अमीनो एसिड रहित विशेष प्रकार का दूध दिया जाता है। यह मार्केट में आसानी से उपलब्ध होता है।

बॉडी स्वैलिंग हटाने के लिए खाएं ये सब्जियां

शरीर में सूजन होने के बहुत सारे कारण हो करते है। वक्त रहते अगर इस पर ध्यान न दिया जाए तो यह परेशानी बहुत बढ़ सकती है। इसके बहुत से कारण हो सकते है जैसे की शरीर में खून की कमी होना,पेट की गड़बड़ी या फिर खान-पान में लापरवाही।आज हम आपको सूजन की रोकथाम के लिए कुछ खास आहार बता रहें है, जिसे आप अपनी दिनचर्या में शामिल करके इस समस्या से निजात पा करते है।

चुकंदर

इसमें विटमिन सी और फाइबर के गुण होते हैं और इसमें ऐंटिऑक्सिडेंट पाया जाता है।यह सूजन कम करने में मददगार है।

अदरक और हल्दी

यह हमारे शरीर के इम्यून सिस्टम को बढ़ाता हैं और रोगों से लड़ने में मदद करता हैं।

टमाटर

टमाटर में लाइकोपेन होता है जो फेफड़ों और पूरे शरीर की सवैलिंग को रोकता है।

लो फैट भोजन

कैल्शियम और विटमिन डी से वाले आहार लाभदायक होते है।

सोया

सोया खाने से सूजन कम हो जाती है। अपनी रोजाना की डाइट में सोया मिल्क और टोफू शामिल करना चाहिए।

सूखे मेवे

बादाम और अखरोट में बहुत ज्यादा फाइबर, कैल्शियम और विटमिन ई पाया जाता है जो शरीर को सूजन से बचाता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियां ब्रोकली, पत्तागोभी, पालक काफी लाभदायक होते है।

साबुत अनाज

साबुत अनाज में फाइबर काफी मात्रा में होता है। यह शरीर की सूजन कम करने में मदद करता है। साबुत अनाज के तौर पर आप, चावल, बाजरा, वीट ब्रेड भी खा सकते हैं।

मछली

मछली में ओमेगा 3 फैटी ऐसिड पाया पाया जाता है। जिससे शरीर की सूजन काफी कम रहती है।

ये बीमारियां बन सकती हैं ब्रेन हेम्रेज का कारण

बीमारी जो भी हो, उसकी सही समय पर पहचान और उपचार होना चाहिए। लेकिन कई बीमारियां ऐसी होती हैं, जो अगर सही समय पर पहचान या उपचारित ना की जाएं तो जानलेवा साबित हो सकती हैं। ऐसी ही कुछ बीमारियां हैं जो दबे पाओं शरीर में घर कर लेती हैं और एक दिन ब्रेन हेम्रेज का कारण बन जाती हैं। इन्हें साइलेंट किलर डिजीज बी कहा जाता है। इन बीमारियों से हार्ट अटैक, ब्रेन हेम्रेज के साथ अंधे होने की तक की आशंका रहती है।

डायबिटीज

आमतौर पर यह बीमारी किसी मनुष्य को दो रूपों में परेशान करती है, टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज। टाइप-1 डायबिटीज में शरीर के अंदर इंसुलिन बनना बंद हो जाता है। वहीं टाइप-2 डायबिटीज में शरीर बने हुए इंसुलिन का ठीक से प्रयोग कर पाने में असफल हो जाता है। लगभग 90 प्रतिशत लोग टाइप-2 डायबिटीज के शिकार होते हैं।

प्रमुख कारण व लक्षण

डायबिटीज के मुख्य कारणों में आनुवांशिक कारण, शारीरिक श्रम की कमी, अधिक कार्बोहाइड्रेटयुक्त भोजन का सेवन, अधिकांश समय घर के भीतर ही रहना आदि हैं। इसके लक्षणों में तेजी से घटता वजन, थकान, अत्यधिक प्यास लगना, घाव जल्दी न भरना, पैरों में झनझनाहट होना, आंखों में धुंधलापन आदि शामिल होते हैं।

क्या हैं खतरे

इस बीमारी के गंभीर होने की स्थिति में आंखों में अंधापन, दिमाग को लकवा, किडनी फेल्यॉर, आंखों में अंधापन, हृदय संबंधी बीमारियां आदि का खतरा होता है।

रोग के मुताबिक होता इलाज

मरीज के रोग की स्थिति व गंभीरता के हिसाब उसे दवाएं व इंसुलिन के इंजेक्शन दिए जाते हैं। साथ ही जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव की सलाह दी जाती है।

क्या है बचाव

40 साल की आयु हो जाने के बाद समय-समय पर चिकित्सा जांच अवश्य कराएं। संतुलित आहार लें, नियमित व्यायाम करें व टहलें। नियमित व्यायाम जरूरी डायबिटीज से बचने व इससे डील करने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हाई ब्लड प्रेशर

हाई ब्लड प्रेशर के दो मुख्य कारण होते हैं। पहला प्राइमरी, जिसमें समस्या या तो आनुवांशिक कारणों से होती है या फिर तनाव के कारण। लगभग 90 प्रतिशत लोगों में यह बीमारी प्राइमरी कारणों से ही होती है। सकेंडरी कारण में, किसी अन्य अंग के विकार के कारण व्यक्ति हाई ब्लडप्रेशर का शिकार हो जाता है। हालांकि ऐसा केवल 10 प्रतिशत लोगों में देखा जाता है। इस रोग के कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते हैं।

क्या खतरे होते हैं

इस रोग के गंभीर मामलो में ब्रेन हेम्रेज, हार्ट अटैक, किडनी फेल्यॉर, आंखें खराब होने वाला लकवा आदि होने की आशंका होती है।

क्या है इलाज

मरीज की जांच आदि कर फैमिली हिस्ट्री, उम्र, जुड़ी हुई बीमारियां व शारीरिक प्रकृति देखकर रोगी दवा दी जाती है। और जीवनशैली से जुड़े जरूरी बदलाव करने की सलाह दी जाती है।

कैसे करें बचाव

प्रतिदिन 5 ग्राम से अधिक नमक का सेवन न करें, अधिक चिकनाईयुक्त पदार्थ न खाएं, घी व नॉनवेज, तेज मसालों और फास्ट फूड आदि से परहेज करें। फल व सलाद को डाइट में शामिल करें। व्यायाम व मेडिटेशन को अपनी दैनिक क्रिया बनाएं।

उपरोक्त के अलावा थायरॉइड का बिगड़ा रूप भी ब्रेन हेम्रेज व अन्य गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। बदलती जीवनशैली और शरीर में एंटीबॉडीज बनने से यह रोग होता है। बदलती जीवनशैली इसका मुख्य कारण है, अतः इससे बचने के लिए खान-पान व दिनचर्या में सकारात्मक बदलाव करें।

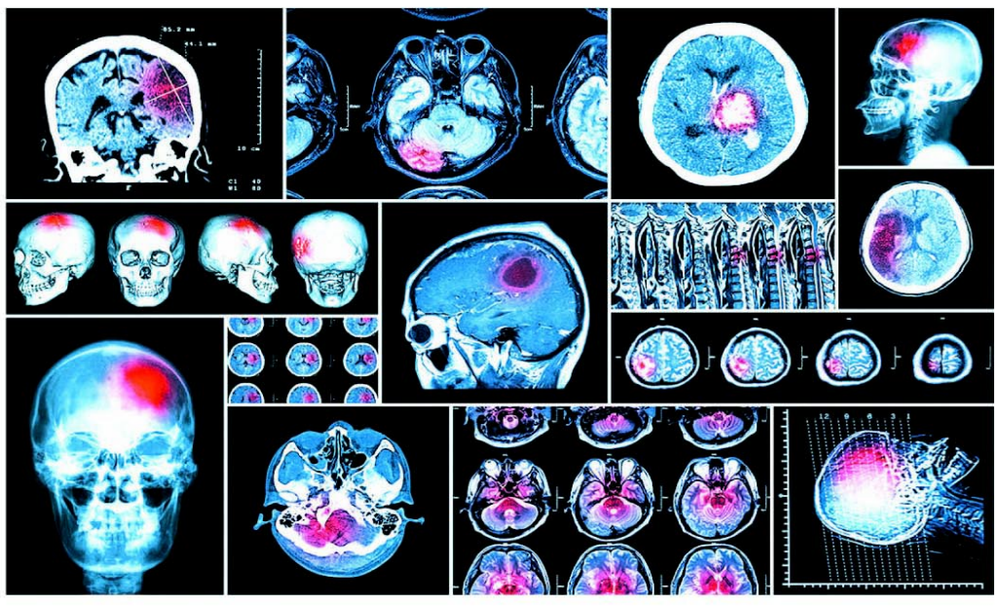

रेसिपी

वालनट ब्राउनिज

सामग्री

1/2 कप (100 ग्राम) मक्खन, 175 ग्राम ब्राउन शुगर, 2 अंडे, 1 टी स्पून वनीला एसेंस या रम, 1/2 कप मैदा, 1/5 टी स्पून बेकिंग पाउडर, 1/2 कप कोको पाउडर, 75 ग्राम अखरोट के छोटे-छोटे टुकड़े।

विधि

मक्खन को धीमी आंच पर पिघलाएं। फिर उसमें ब्राउन शुगर डालकर लकड़ी के चम्मच से अच्छी तरह मिलाएं। एक अंडा डालकर दोबारा अच्छी तरह मिलाएं। दूसरा अंडा डालकर फिर से मिलाएं। 1 टी स्पून वनीला एसेंस या 1 टी स्पून रम मिलाएं। मैदे में बेकिंग पाउडर और कोको पाउडर मिलाएं। 2 टेबल स्पून अखरोट हटाकर अलग रखें और बचे हुए अखरोट मैदे में मिला दें। फिर मैदे को मक्खन मिश्रण में मिलाएं। अब मैदा मिश्रण को चिकनाई लगी मध्यम आकार की ट्रे या 8 इंच चौकोर टिन में डालकर 1 इंच मोटी परत बिछाएं। बचे हुए अखरोट उसके ऊपर डालें। फिर 180 डिग्री सेंटीग्रेड पर पहले से गर्म किए हुए अवन में आधा घंटे बेक करें। ठंडा करके चौकोर टुकड़ों में काटकर सर्व करें।

ऑरेंज लेमन कसटर्ड

सामग्री

3 बड़े चम्मच लेमन कस्टर्ड पाउडर, आधा कप चीनी, 750 मिली दूध, एक संतरा छीला हुआ, 8-10 स्ट्रॉबेरी, 2 कीवी फ्रूट्स कटे हुए, एक मौसमी छीली हुई, 1 चम्मच पिसी चीनी, 1 छोटा चम्मच नीबू का रस, 1 चम्मच ऑरेंज कैंडी।

विधि

कस्टर्ड पाउडर को आधा कप ठंडे दूध में घोल लें। बाकी दूध को चीनी के साथ उबालें। उबलते दूध में कस्टर्ड पाउडर डालकर हलकी आंच पर लगातार चलाते हुए गाढ़ा होने तक पकाएं। ठंडा करने के लिए एक तरफ रखें। अब इसमें संतरा डालें। कटे हुए कीवी व स्ट्रॉबेरी में पिसी चीनी व नीबू का रस मिलाएं। ठंडे फलों को 4 ग्लासों में डालकर ऊपर से तैयार कस्टर्ड से भरें। ऊपर से ऑरेंज कैंडी व छोटे कटे स्ट्रॉबेरी व कीवी से सजाकर फ्रिज में सेट होने के लिए रखें। ठंडा-ठंडा सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**